संकल्प परिवर्तन का

लखनऊ, मंगलवार
14.05.2024
वर्षः 16
अंकः 29 पृष्ठः 08
मूल्यः 02 रूपया
स्थापितः वर्ष 2009
RNI-UPHIN/2009/28265

नवसत्ता

16वां वर्ष विश्वास का

www.navsatta.com लखनऊ व रायबरेली से एक साथ प्रकाशित तथा समस्त उत्तर भारत में प्रसारित हिन्दी दैनिक

आखिर राहुल गांधी का पाकिस्तान से क्या संबंध हैं : योगी आदित्यनाथ

कांग्रेस ने जो न्याय पत्र जारी किया है, वह भारत के प्रति अन्याय पत्र है

संवाददाता

रायबरेली,बाराबंकी , बांदा, 13 मई (नवसत्ता) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज भाजपा प्रत्याशियों के लिए धुआंधार प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने रायबरेली,बाराबंकी, और बांदा लोकसभा सीटों के लिए जनसभाओं को संबोधित किया। सीएम योगी के निशाने पर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि चौथे चरण के मतदान के साथ ही मोदी लहर अब सुनामी बन चुकी है। वहीं कांग्रेस और सपा पर हमला बोलते हुए सीएम ने कहा कि राहुल भले ही वोट रायबरेली से मांगते हैं मगर उन्हें समर्थन पाकिस्तान से मिल रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर राहुल गांधी के पाकिस्तान से क्या संबंध हैं। कांग्रेस को चेतावनी देते हुए सीएम योगी ने कहा कि गाय हमारी माता है, अगर इसे काटोगे तो दो-दो हाथ तय है। उन्होंने यह भी कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर के लोग भारत में शामिल होना चाहते हैं, क्योंकि उन्हें मोदी की गारंटी पर पूरा विश्वास है। बाराबंकी के हैदरगढ़ में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस और सपा का इतिहास घोटालों का रहा है। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बिना चेहरा और जाति देखे सबको विकास की योजनाओं से लाभान्वित

किया गया। सीएम योगी सोमवार को यहां हैदरगढ़ में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां पार्टी प्रत्याशी राजरानी रावत के लिए जनता से वोट की अपील की। उन्होंने कहा कि हमारे आराध्य प्रभु श्रीराम भी यही चाहते हैं कि उनका परम भक्त एक बार फिर देश की सत्ता संभाले। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश के 10 राज्यों में 96 सीटों पर मतदान हो रहा है। लोगों में इसे लेकर उत्साह है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में तीसरे चरण में मोदी लहर अब चौथे चरण में सुनामी बनने की ओर अग्रसर है। कहा कि फिर एक बार मोदी सरकार का स्वर पूरे देश में गूंज रहा है। आज का नया भारत देश और दुनिया में हुए परिवर्तन का साक्षी है। दुनिया में हमारा सम्मान बढ़ा है, सीमाएं सुरक्षित हुई हैं, विकास कार्य तीव्र गति से आगे बढ़े हैं। रायबरेली के सरेनी में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पार्टी प्रत्याशी और प्रदेश सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के पक्ष में मतदान की अपील की। उन्होंने आह्वान किया कि अबकी बार-400 पार में रायबरेली भी रहेगा, क्योंकि यह अवध केसरी और अयोध्या की पावन धरा का क्षेत्र है। सीएम ने कहा कि पुलवामा में भारत के जवान शहीद हुए थे। पाकिस्तान का मंत्री उस घटना का समर्थन कर रहा था। वह मंत्री आज रायबरेली से कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में बयानबाजी करता है। आखिर राहुल गांधी के पाकिस्तान से क्या संबंध हैं। वे रहेंगे हिंदुस्तान में, वोट मांगेंगे रायबरेली से और समर्थन मिल रहा है पाकिस्तान से। सीएम ने विश्वास जताया कि जिसका समर्थन पाकिस्तान कर रहा है, रायबरेली उसका समर्थन नहीं करेगी। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने जो न्याय पत्र जारी किया है, वह भारत के प्रति अन्याय पत्र है। यह भारत के प्रति साजिश का दस्तावेज है। इसमें कांग्रेस गरीबी हटाने की बात कह रही है। दादी ने गरीबी हटाओ का नारा दिया था, आज तक पोता वही रट रहा है। वे बता रहे कि गरीबी हटाने के लिए संपत्ति का एक्सरे कराकर विरासत टैक्स लगाएंगे। आपके पूर्वजों की संपत्ति पर कांग्रेस की नजर है। बांदा लोकसभा सीट के लिए जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि देश में 80 करोड़ जरुरतमंदों को फ्री में राशन दिया जा रहा है। वहीं आज एक समाचार पत्र में छपा है कि पाकिस्तान में एक किलो आटे के लिए मारपीट हो रही है। वहां दंगे हो रहे हैं। पीओके में लोग भारत का हिस्सा बनने के लिए लगातार आंदोलन चला रहे हैं क्योंकि यहां (भारत) मोदी सरकार का शासन है। उनका मोदी की गारंटी पर विश्वास है कि वह यहां खुशहाल रहेंगे। वहीं पाकिस्तान का राग अलापने वालों को वहां चले जाना चाहिये। वह वहां भीख मांगे और भूखे मरे। भारत पर बोझ न बनें क्योंकि ये लोग भारत की प्रगति के बैरियर बने हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सफलता पर सिर्फ दो लोग को आपत्ति है। इसमें रामद्रोही और पाकिस्तान के समर्थक शामिल है जबकि पूरा हिंदुस्तान मोदीमय हो चुका है। आज मोदी लहर सुनामी बनने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को नरैनी में बांदा लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने लोकसभा के प्रत्याशी आरके सिंह पटेल के पक्ष में वोट की अपील की।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि नये भारत में नया उत्तर प्रदेश और नया बुंदेलखंड दिखाई दे रहा है।

रायबरेली मेरी दो माताओं की कर्मभूमि है : राहुल गांधी

एक जुलाई से हर महीने हर गरीब महिला के खाते में जायेंगे 8500 रुपए

संवाददाता

रायबरेली, 13 मई (नवसत्ता) लोकसभा चुनाव के तहत प्रचार के लिए कांग्रेस के नेता राहुल गांधी आज रायबरेली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि रायबरेली मेरी दो माताओं की कर्मभूमि है इसलिए मैं यहां से चुनाव लड़ने आया हूं। राहुल गांधी ने कहा कि मेरी दो माताएं हैं। एक सोनिया गांधी और दूसरी इंदिरा गांधी। रायबरेली मेरी इन दोनों माताओं की कर्मभूमि है। इसीलिए, मैं यहां से चुनाव लड़ने आया हूं। कांग्रेस पार्टी देश के युवाओं के लिए क्या करने जा रही है, ये बताने मैं रायबरेली आया हूं। उन्होंने कहा कि रायबरेली से हमारे परिवार का रिश्ता 100 साल पुराना है। यह चुनाव इतिहास का पहला चुनाव है, जिसमें संविधान की रक्षा की लड़ाई कांग्रेस लड़ रही है।

यह लड़ाई गरीबों की रक्षा के लिए है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने यहां रेल कोच फैक्ट्री, गंगा ब्रिज, रेल व्हील फैक्ट्री, एम्स, निफ्ट, नेशनल हाई-वे, ड्राइविंग स्कूल, फ्लाई ओवर और इंजीनियरिंग कॉलेज जैसे दर्जनों बड़े काम किए लेकिन मीडिया इसे नहीं दिखाता। हमने सब बनाया लेकिन मीडिया आपसे इसकी कोई चर्चा नहीं करती आपसे कोई बात नहीं करती। कभी आपने किसी किसान को मीडिया में देखा है । मोदी सरकार

बोले राहुल गांधी जल्द शादी कर लूंगा...

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी आज अपना चुनाव प्रचार करने रायबरेली संसदीय क्षेत्र पहुंचे तो जनता ने उनसे जानना चाहा कि आप शादी कब करोगे? जब वह कुछ सुन नहीं पाए तो बहन प्रियंका गांधी ने बताया कि लोग पूछ रहे हैं कि शादी कब करोगे? इस पर राहुल हंस पड़े और बोले कि जल्द शादी कर लूंगा। दरअसल, मां सोनिया गांधी के राज्यसभा सांसद निर्वाचित होने के बाद राहुल गांधी रायबरेली संसदीय क्षेत्र से लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। बहन प्रियंका गांधी कई दिनों से भाई राहुल के लिए चुनाव प्रचार कर रही हैं। सोमवार को महराजगंज कस्बा स्थित मेला मैदान में राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित किया। बहन प्रियंका ने भी भाई के साथ मंच साझा किया। भाषण देने के बाद जैसे ही राहुल आगे बढ़े वैसे ही सामने बैठे लोगों ने सवाल करना शुरू कर दिया कि राहुल भइया शादी कब करोगे? राहुल के समझ में कुछ नहीं आया तो उन्होंने बहन से पूछा यह लोग क्या कह रहे हैं? इस पर बहन ने बताया कि लोग पूछ रहे हैं कि आप शादी कब करोगे। इस पर राहुल बोले कि जल्द शादी कर लूंगा।

अंबानी, अडानी जैसे 22 लोगों के लिए अपने सारे नीतियां बना सकते हैं तो कांग्रेस पार्टी करोड़ो लखपति बन सकती है ,अब आप सोच रहे हैं कि यह कैसे होगा बहुत आसान है हम सभी गरीबों की एक लिस्ट बनाएंगे उसमें करोड़ों लोग होंगे। लिस्ट में से हर एक परिवार से एक महिला का नाम चुना जाएगा और उस महिला के बैंक अकाउंट में अकाउंट में 50000 नहीं 70000 नहीं 90000 नहीं बल्कि 100000 सालाना डाले जाएंगे। 1 जुलाई को करोड़ों भारतीय अपने अकाउंट को देखेंगे तो उनके अकाउंट में 8500 दिखेंगे। सेवा संकल्प सभा महाराजगंज विधानसभा रायबरेली में बोलते हुए श्रीमती प्रियंका गांधी जी ने कहा मुझे इस बात का बहुत गर्व है कि कांग्रेस पार्टी की तरफ से मैं आज आप लोगों के सामने आपके प्रत्याशी अपने बड़े भाई राहुल गाँधी जी को लेकर आई हूँ जो 4000 किलोमीटर कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक चले और उसके बाद 6700 द्यद्व मणिपुर से मुंबई तक की यात्रा ,की सिर्फ इस देश को एक संदेश देने के लिए जनता से जुड़ने के लिए, और यह संदेश देश भर में फैलाया की इस देश का जन जन भाई-भाई है । इस देश में विकास पूरी तरह से तब आएगा जब देश की एकता बनी रहेगी। इन्होंने यह सब मेहनत सिर्फ और सिर्फ आपके लिए और आपकी समस्याओं को सुनने के लिए की । इन्होंने आपके लिए अपने आप को पूर्णतः समर्पित कर दिया है द्य और मैं चाहती हूं कि आप लोग मुझे तो रोज सुनते हैं, मैं आपके गांव गांव में प्रचार कर रही हूँ लेकिन मैं चाहती हूं कि आज आप अपने प्रत्याशी आपके अपने राहुल गांधी जी को सुने द्य बस इतना कहना चाहती हूं कि मैं बहन हूं राहुल गांधी जी की बचपन से जानती हूँ। और बहन होने के नाते मैं इस बात को सत्यता से बता सकती हूं की बचपन से ही राहुल गांधी जी को अन्याय बर्दाश्त नहीं रहा है द्य बचपन के खेल-खेल में अगर कोई बच्चा दूसरे बच्चे को कुछ गलत बोल देता या कोई अन्य कर देता तो भैया लड़ पड़ते थे । भैया जीवन भर से न्याय की लड़ाई लड़ते आए हैं ।

दसवीं, बारहवीं की परीक्षा में लड़कियों ने मारी बाजी

एजेंसी

नई दिल्ली, 13 मई (नवसत्ता) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की दसवीं और बारहवीं की परीक्षा में लड़कियों ने परचम लहराया। सीबीएसई की ओर से सोमवार घोषित किये गये नतीजों के अनुसार दसवीं की परीक्षा में 94.75 प्रतिशत छात्रायें उत्तीर्ण हुई हैं। वहीं बारहवीं की परीक्षा में 91.52 प्रतिशत छात्रायें उत्तीर्ण हुयी हैं, जबकि बारहवीं की परीक्षा में 85.12 प्रतिशत और दसवीं की परीक्षा में 92.72 प्रतिशत छात्र सफल हुये हैं। बोर्ड ने पहले बारहवीं के नतीजे घोषित किये और उसके करीब एक घंटे बाद अपनी आधिकारिक वेबसाइट सीबीएसई. जीओवी.इन और सीबीएसई रिजल्ट्स. एनआईसी, इनदसवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम भी जारी कर दिये। इस बार सीबीएसई की बारहवीं की परीक्षा में जहां 87.98 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुये हैं। वहीं दसवीं की परीक्षा में 93.60 प्रतिशत छात्र सफल हुये

हैं। इस बार सीबीएसई सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को मेरिट प्रमाण पत्र जारी करेगा। ऐसे छात्रों को उनका सीबीएसई मेरिट सर्टिफिकेट उनके डिजिलॉकर अकाउंट में मिल जायेगा।इस वर्ष दसवीं की परीक्षा में कुल 22,38,827 छात्र शामिल हुये थे, जिनमें से 20,95,467 छात्र उत्तीर्ण हुये हैं। सफल हुये छात्रों का प्रतिशत 93.60 प्रतिशत रहा है, जो पिछले साल से 0.48 प्रतिशत अधिक है। वहीं, इस बार बारहवीं में 87.98 प्रतिशत छात्र सफल हुये हैं। पिछले वर्ष की तुलना में इस साल 0.65 प्रतिशत अधिक छात्र सफल हुये हैं। लड़कों की तुलना में लड़कियों के उत्तीर्ण होने का प्रतिशत 6.40 प्रतिशत अधिक है।सीबीएसई की बारहवीं के नतीजे में 99.91 प्रतिशत के साथ त्रिवेन्द्रम एक बार फिर सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र बना है। वहीं, प्रयागराज का परिणाम 78.25 प्रतिशत के साथ सबसे निचले पायदान पर रहा है। वहीं, दसवीं क?लास में भी त्रिवेंद्रम रीजन का नतीजा 99.75 प्रतिशत के साथ सर्वश्रेष्ठ रहा है। दूसरे नंबर पर 99.60 प्रतिशत के साथ के साथ विजयवाड़ा क्षेत्र है। तीसरे नंबर पर 99.30 प्रतिशत के साथ चेन्नई क्षेत्र है। सबसे खराब नतीजा गुवाहाटी क्षेत्र का 77.94 प्रतिशत है।दिल्ली क्षेत्र में 2,95,792 छात्रों ने सीबीएसई की बारहवीं की परीक्षा दी थी और 2,80,925 छात्र सफल हुये हैं। दिल्ली में 94.97 फीसदी छात्र उत्तीर्ण हुये हैं।

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम सुशील मोदी का निधन

एजेंसी

नई दिल्ली , 13 मई (नवसत्ता) बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुशील मोदी का आज की देर रात निधन हो गया है। वो लंबे वक्त से कैंसर की बीमारी से पीड़ित थे।

नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में उनका इलाज चल रहा था। जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने अपनी इस बीमारी का खुलासा किया था। कल सुबह पटना स्थित आवास पर उनका पार्थिव शरीर लाया जायेगा।

सुशील मोदी के निधन के बाद बिहार के सियासी गलियारों में शोक की लहर दौर गई है। सुशील मोदी ने जेपी के छात्र आंदोलन से सक्रिय राजनीति में कदम रखा था।

बाद में पटना मध्य से विधायक भागलपुर से सांसद तथा बाद में राज्यसभा के सदस्य हुए। 2010 में वे पहली बार नीतीश कुमार के साथ उप मुख्यमंत्री बने थे।

चौथे चरण के 96 लोकसभा सीटों पर 62.90 फीसदी मतदान , पश्चिम बंगाल सबसे आगे

एजेंसी

नई दिल्ली, 13 मई (नवसत्ता) लोक सभा चुनाव के चौथे चरण में सोमवार को 10 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेश में 96 सीटों पर रात आठ बजे तक के आंकड़ों के अनुसार मतदान 62.90 प्रतिशत रहा। चुनाव आयोग की ओर से जारी प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार पश्चिम बंगाल में सर्वाधिक 76.02 प्रतिशत वोट डाले गये जबकि जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर सीट पर 36.74 प्रतिशत मतदान हुआ था जो पिछले कुछ दशकों का सर्वश्रेष्ठ मत प्रतिशत है। महाराष्ट्र में मतदान 52.75 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 57.91 प्रतिशत और बिहार में 55.92 प्रतिशत वोट डाले गये। चौथे चरण में आंध्र प्रदेश विधानसभा की सभी 175 सीटों और ओडिशा विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण में 28 सीटों के लिये चुनाव के लिये शाम पांच बजे तक क्रमशः 68.04 प्रतिशत और 63.85 प्रतिशत मतदान हुआ था। आयोग के सूत्रों के अनुसार मतदान कमोवेश शांतिपूर्ण रहा।

यूपी में 13 सीटों पर 58 फीसदी से अधिक वोटिंग

लखनऊ। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने बताया कि 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों 27-शाहजहाँपुर (अ0जा0), 28-खीरी, 29-धौरहरा, 30-सीतापुर, 31-हरदोई (अ0जा0), 32-मिश्रिख (अ0जा0), 33-उन्नाव, 40-फर्रूखाबाद, 41-इटावा (अ0जा0), 42-कन्नौज, 43-कानपुर, 44-अकबरपुर, 56-बहराइच (अ0जा0) तथा विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र 136-ददरौल में मतदान शान्तिपूर्वक सम्पन्न हुआ। मतदान प्रातः 7.00 बजे से शुरू होकर सायं 6.00 बजे समाप्त हुआ।

चतुर्थ चरण के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 13 जनपदों शाहजहाँपुर, खीरी, सीतापुर, हरदोई, कानपुर नगर, उन्नाव, एटा, फर्रूखाबाद, इटावा, औरैया, कानपुर देहात, कन्नौज तथा बहराइच जनपद तथा विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र 136-ददरौल जनपद शाहजहाँपुर में अवस्थित हैं। सायं 6:00 बजे तक जनपदों से प्राप्त सूचना के आधार पर प्रदेश के 13 लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल औसत 58.09 प्रतिशत मतदान हुआ है।

जिसमें 27 शाहजहाँपुर (अ0जा0) 53.24, 28-खीरी 64.73, 29-धौरहरा 64.45, 30-सीतापुर 61.91, 31-हरदोई (अ0जा0) 57.57, 32-मिश्रिख (अ0जा0) 55.79, 33-उन्नाव 55.44 40-फर्रूखाबाद 58.97, 41-इटावा (अ0जा0) 56.38, 42-कन्नौज 61.00 43-कानपुर 53.06, 44-अकबरपुर 57.66, 56-बहराइच (अ0जा0) 57.45 तथा विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र 136-ददरौल 53.31 प्रतिशत है। मतदान की प्रक्रिया को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष बनाये रखे जाने के उद्देश्य के लिए प्रभावी पर्यवेक्षण हेतु कुल 14126 मतदेय स्थलों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई, जिसका पर्यवेक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं भारत निर्वाचन आयोग तीनों स्तर पर किया गया। उक्त के अतिरिक्त 5420 मतदेय स्थलों पर वीडियोग्राफी की भी व्यवस्था की गई थी।

रोड शो हमार काशी-हमार मोदी संग आनंद, उमंग और उत्साह से लबरेज रही महादेव की काशी

पीएम मोदी आज वाराणसी से करेंगे नामांकन

संवाददाता

वाराणसी, 13 मई (नवसत्ता) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से नामांकन की पूर्व संध्या पर आज दिव्य-भव्य रोड शो निकाला। महामना मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण से शुरू हुआ वाराणसी के सांसद नरेंद्र मोदी का रोड शो विकास रथ पर निकला, जिस पर मोदी संग महाराज योगी आदित्यनाथ व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह सवार रहे। मोदी-योगी की जोड़ी का मैजिक समूची वाराणसी में दिखा। हर हर महादेव और जयश्रीराम की जयकार के बीच स्थानीय लोगों ने अविस्मरणीय स्वागत कर यह बता दिया कि उनके बीच 56 इंच के सीने वाला दमदार व्यक्तित्व फिर से उनका प्रतिनिधित्व करने आया है। शाम

पांच बजे काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सिंह द्वार पर महामना मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना रोड शो प्रारंभ किया। लगभग ढाई घण्टे से अधिक का रोड शो काशी विश्वनाथ धाम पहुंचकर समाप्त हुआ। पूरे रोड शो के दौरान उनके विजय रथ पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी सवार रहे। एक तरफ रोड शो में जहां लघु भारत और उत्तर प्रदेश की संस्कृतियों की झलक दिखी, वहीं पांच किलोमीटर लंबे इस रोड शो में शंखनाद, डमरू का निनाद, रास्ते में बने मंचों पर राम दरबार, शिव परिवार का स्वरूप दिखाते कलाकारों ने अपने-अपने रंग से अपने मोदी का स्वागत किया। लगभग 100 के आसपास बने मंचों पर कलाकारों का नृत्य व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां मन मोह रही थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो अभूतपूर्व रहा। रोड शो के शुरुआत में ही पाणिनी कन्या महाविद्यालय की वेद पाठी छात्राओं ने मंत्रोच्चार किया। विकास रथ के आगे मातृशक्ति का समूह चल रहा था।पूरे रास्ते तिल रखने तक की जगह नहीं थी, था तो हर आंख में मोदी के प्रति विश्वास और लगाव। इसका कारण था कि नरेंद्र मोदी पिछले दस वर्ष में न सिर्फ काशीवासियों के सुखदुख में शामिल हुए, बल्कि आमजन की हर छोटी से छोटी जरूरतों पर उनकी नजर रही। बहुसंख्यक समाज हो या अल्पसंख्यक, हर कोई विकास पुरुष नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ की एक झलक पाने को आतुर दिखा। दोनों नेताओं ने हाथ हिलाकर, हाथ जोड़कर समूची काशी का अभिवादन भी किया। यह पहला अवसर है, जब प्रधानमंत्री अपनी मां के साक्षात आशीर्वाद के बिन नामांकन करेंगे। लेकिन यह विश्वास है कि लाखों माताओं-बहनों का आशीर्वाद उनके साथ है। इसी आशीर्वाद की बदौलत वे न सिर्फ काशी में नया इतिहास लिखेंगे, बल्कि अबकी बार-400 पार कर नए भारत का पुनः नेतृत्व करेंगे। रोड शो में मोदी की भावनाओं का सम्मान करते हुए हजारों लोग मोदी का परिवार लिखा वस्त्र पहने दिखे तो हमार काशी-हमार मोदी के जरिए भी प्रधानमंत्री से अपना लगाव प्रकट किया। सड़क के दोनों तरफ, घरों की छतों से बच्चे, महिलाएं, युवा, बुजुर्ग सभी ने पुष्पवर्षा कर मोदी का स्वागत किया। छतों से लोग मोदी की आरती भी उतारते दिखे।

स्टेट बैंक आईआईबीएक्स का ट्रेडिंग कम क्लियरिंग सदस्य बनने वाला पहला बैंक बना

एजेंसी

नई दिल्ली, 13 मई (नवसत्ता) सबसे बड़े वाणिज्यिक बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (आईआईबीएक्स) में ट्रेडिंग कम क्लियरिंग (टीसीएम) सदस्य बनने वाला पहला बैंक बन गया है। बैंक ने आज यहां कहा कि एक्सचेंज एक दूरदर्शी पहल है जिसका उद्देश्य कीमती धातुओं में व्यापार के लिए एक विश्व स्तरीय मंच स्थापित करना है। आईआईबीएक्स का पहला ट्रेडिंग कम क्लियरिंग सदस्य बनकर, स्टेट बैंक ने गिफ्ट सिटी को भारत के वित्तीय बाजारों के भविष्य के रूप में आकार देने में एक प्रमुख बैंक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। यह मील का पत्थर एसबीआई आईबीयू गिफ्ट सिटी को आईआईबीएक्स प्लेटफॉर्म पर व्यापार करने और अपने ग्राहकों की ओर से उनका निपटान करने में सक्षम बनाता है। ये घटनाक्रम आरबीआई दिशानिर्देशों की पृष्ठभूमि में हुआ, जिसने गिफ्ट आईएफएससी में एक भारतीय बैंक की शाखाओं को आईआईबीएक्स के ट्रेडिंग सदस्य (टीएम) / ट्रेडिंग और क्लियरिंग सदस्य (टीसीएम) के रूप में कार्य करने की अनुमति दी और इसने एससीसी (विशेष श्रेणी के ग्राहकों) को भी अनुमति दी। भारत में नामांकित बैंक आईआईबीएक्स के माध्यम से सोना आयात करेंगे। टीसीएम के रूप में इस क्षेत्र में भारत के सबसे बड़े बैंक के प्रवेश से आईआईबीएक्स में ट्रेडिंग वॉल्यूम को बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 जुलाई को

संवाददाता

रायबरेली, 13 मई (नवसत्ता)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार व माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली तरुण सक्सेना के दिशा-निर्देशन में 13 जुलाई को दीवानी न्यायालय, रायबरेली में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनुपम शौर्य के द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में व्यापक स्तर पर बैंक से सम्बन्धित प्री-लिटिगेशन मामले, बीमा से सम्बन्धित मामले, राजस्व से सम्बन्धित मामले, विद्युत से सम्बन्धित मामले, जल से सम्बन्धित मामले, सर्विस में वेतन एवं भत्ते से सम्बन्धित, श्रम से सम्बन्धित, मोटर दुर्घटना से सम्बन्धित, पारिवारिक मामले एवं अन्य छोटे-मामलों का निस्तारण किया जाएगा। लोक अदालत में निस्तारण हेतु किसी प्रकार का शुल्क देय नहीं है । लोक अदालत में निस्तारण होने पर निर्णय के विरुद्ध कोई अपील नहीं होती है तथा मामला अन्तिम रुप से निस्तारित हो जाता है।

हाईस्कूल व इंटरमीडिएट सीबीएसई बोर्ड से बालक बालिकाओं ने लहराया परचम

संवाददाता

सुलतानपुर, 13 मई (नवसत्ता)। सीबीएसई हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के परीक्षा परिणाम में विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने अच्छे अंक प्राप्त कर जनपद में परचम लहराया है।

संत तुलसीदास पीजी कॉलेज कादीपुर पूर्व भूगोल विभागाध्यक्ष व पूर्व प्राचार्य प्रो इन्दुशेखर उपाध्याय की प्रपौत्री व करामत हुसेन पीजी कॉलेज लखनऊ के अर्थशास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रो डा. वीना उपाध्याय/ डाप्रशांत उपाध्याय की पुत्री वर्तिका उपाध्याय द्वारा सीबीएसई बोर्ड के हाईस्कूल परीक्षा में 93.5प्रतिशत अंक अर्जित किया है।

वर्तिका ने सफलता का श्रेय अपने पितामह, माता पिता एवं चाचा ईजी. निशांत उपाध्याय व मामा सौरभ उपाध्याय (इंजीनियर) की प्रेरणा व प्रोत्साहन का प्रतिफल बताया है।

वहीं कादीपुर के त्रिभुवन देवी अकादमी इन्टरमीडिएट में पंजीकृत 123 छात्र छात्राओं में 99.9 प्रतिशत सफल हुए जिसमें कोमल यादव ने 96.6 वैश्नवी सिंह 95.6 सोनल पांडेय 92.4 निधि पांडेय 91.4 शिवांश सिंह 91.8 तथा प्रिंसिपल यादव ने 91.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किया तथा हाईस्कूल सीबीएसई परीक्षा में कुल 109 पंजीकृत छात्र छात्राओं ने शत प्रतिशत सफलता हासिल किया है जिसमें अनुनय यादव 93 रिशिका मौर्य 91.2 आकाश शुक्ला 90.8 प्रतीक सिंह 90 व श्रेया यादव 90 विशाल ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया।

प्रवन्धक त्रिभुवन देवी अकादमी अरुण कुमार सिंह ने सभी सफल छात्रों के प्रति अपनी शुभकामनाएं दिया है।

वहीं लम्भुआ के एस एन कान्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के हाईस्कूल छात्र ओजस्वी सिंह ने 95 आदर्श द्विवेदी 93 तथा चारू ने 91 प्रतिशत व इसी विद्यालय इन्टरमीडिएट परीक्षा में सृष्टि बरनवाल 87 मानसी मालवीय 83 आयुषी शुक्ला व आकांक्षा अग्रहरि ने 82 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया जिन्हें प्रवन्धक अनिल द्विवेदी ने शुभकामनाएं दिया।

शहर के स्टेला मारिस कान्वेंट स्कूल की छात्रा सिद्धि सिंह ने हाईस्कूल सीबीएसई परिणाम में 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया।सिद्धि सिंह शहर के वरिष्ठ पत्रकार सर्वेश कुमार सिंह की पुत्री व स्व भारत सिंह की पौत्री हैं। सिद्धि सिंह की इस सफलता पर विद्यालय के शिक्षकों व परिवारजनों ने बधाई दिया है।

इंटर्नशिप में विधि के छात्र ले भाग

संवाददाता

रायबरेली, 13 मई (नवसत्ता)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार विधि छात्र एवं छात्राओं के लिए ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा 01 जून से 30 जून के मध्य जनपद लखनऊ में कराया जाना प्रस्तावित है। जनपद रायबरेली में विधि विद्यालयों में ऐसे सभी छात्र जो इस कार्यक्रम में प्रतिभाग हेतु इच्छुक हैं वह अपने आवेदन पत्र 25 मई को दोपहर 03:00 बजे तक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली में प्रस्तुत कर सकते है अथवा सीधे अपने आवेदन पत्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय रायबरेली में भी उपरोक्त वर्णित तिथि तक प्रस्तुत कर सकते है।

उपरोक्त के सम्बन्ध में आवश्यक सूचना विधि विद्यालयों के प्राचार्य को प्रेषित की जा चुकी है उपरोक्त कार्यक्रम के सम्बन्ध में किसी भी जानकारी के लिए इच्छुक छात्र-छात्राएं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली से प्राप्त कर सकते है।

प्रेरक का काम करता है मेधा का सम्मानः मुकेश रस्तोगी

जिला टापर फाल्गुनी सोनी का व्यापार मण्डल ने किया सम्मान

संवाददाता

रायबरेली, 13 मई (नवसत्ता)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यपार प्रतिनिधि मण्डल के प्रान्तीय संगठन मंत्री मुकेश रस्तोगी ने व्यापार मण्डल की ओर से सेन्ट पीटर्स विद्यालय की आई.सी.एस.सी. बोर्ड की इण्टरमीडिएट की छात्रा फाल्गुनी सोनी का जिला टाप करने पर सम्मान किया। इस अवसर पर श्री रस्तोगी ने कहा कि मेधा का सम्मान अन्य छात्रों के लिए प्रेरक का काम करता है।

फाल्गुनी सोनी ने इण्टरमीडिएट परीक्षा 2024 में 93.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिला टाप किया। इनकी माँ का नाम श्रीमती सुनीता सोनी एवं पिता का नाम चन्द्र विलास सोनी एवं मामा रवि सोनी तथा अजय सोनी है। इस अवसर पर शिक्षाविद् एवं संशिक्षा के डाइरेक्टर नीरज सोनी, सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष ओपी यादव, संत गाडगे सेवक कमलेश चौधरी, स्वर्णकार संस्थान के संरक्षक भौमेश सोनी, पूर्व प्रधान भोला चौधरी, राष्ट्रीय पासी सेना के अध्यक्ष संजय पासी आदि लोगों ने बुकं व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। फाल्गुनी सोनी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों और अपनी माँ सुनीता सोनी को दिया।

युवक ने की आत्महत्या

अमेठी,13 मई (नवसत्ता)। जिले में युवक का शव फंदे पर लटका मिला। परिजनों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि युवक शराब पीने का आदी था।

बहन हूं, बचपन से जानती हूं, राहुल जी को अन्याय पसंद नहीं है: प्रियंका

संवाददाता

रायबरेली, 13 मई (नवसत्ता)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी ने महाराजगंज रायबरेली में विशाल सेवा संकल्प सभा को संबोधित किया।

राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने यहां रेल कोच फैक्ट्री, गंगा ब्रिज, रेल व्हील फैक्ट्री, एम्स, निफ्ट, नेशनल हाई-वे, ड्राइविंग स्कूल, फ्लाई ओवर और इंजीनियरिंग कॉलेज जैसे दर्जनों बड़े काम किए लेकिन मीडिया इसे नहीं दिखाता।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार बनते ही फिर से आपके लिए काम शुरू होगा। बेरोजगारों को 30 लाख नौकरी, महिलाओं के खाते में 1 लाख रुपये दिए जाएंगे। सबको भागीदारी मिलेगी और हमारे न्याय पत्र के सभी वादे लागू किए जाएंगे।

प्रियंका गांधी ने कहा, राहुल गांधी जी इकलौते नेता हैं जिन्होंने आपकी समस्याएं समझने के लिए 4000 किलोमीटर की यात्रा की। मैं बचपन से जानती हूं कि राहुल जी को अन्याय नहीं पसंद है। उन्होंने जीवन भर न्याय की लड़ाई लड़ी है। उन्हें जिताइए और न्याय का साथ दीजिए, वे आपकी लड़ाई लड़ेंगे।

बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल के छात्रों ने पुनः लहराया परचम

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 13 मई (नवसत्ता)। कस्बे के बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल लालगंज का सीबीएसई बोर्ड परीक्षा कक्षा 10 व कक्षा 12 का परीक्षा परिणाम विद्यालय की ख्याति के अनुरूप ही शानदार रहा। परीक्षा परिणाम सुनकर बच्चे हर्षित और प्रफुल्लित नजर आए कक्षा 12 में विद्यालय की उदीयमान छात्रा सिमरा अख्तर और प्रिया ने संयुक्त रूप से 93प्रतिशत अंक पाकर प्रथम स्थान पर रही। श्रेया 91प्रतिशत,सना 90 प्रतिशत, मान्या 90प्रतिशत,आयुष 87.2 प्रतिशत, गर्व 86.2 प्रतिशत, अंजलि 86प्रतिशत, अजय 86प्रतिशत, अंकिता 85प्रतिशत, प्रियंका 85प्रतिशत व राज 85प्रतिशत पाकर विद्यालय की वरीयता सूची में स्थान बनाने में सफल रहे। कक्षा 10 की परीक्षा में साहिल पाल 98प्रतिशत अंक पाकर प्रथम स्थान, अंशिका 97 अदिति 96,अजय 96प्रतिशत, माही 94प्रतिशत,अनंत गुप्ता 93.5 प्रतिशत, निशांत 93.5, विजय 92.2 रिशिता 92, आर्या 90, प्राची 90,प्रतिष्ठा 90, आयुष 90 नैतिक शर्मा 90 अलशिफा 89.4 प्रतिशत, लवी 89 प्रतिशत अंक पाकर विद्यालय की वरीयता सूची में स्थान बनाया। विद्यालय के शानदार परीक्षा परिणाम से प्रफुल्लित प्रबंध निदेशक सुनील ने कहा कि विद्यालय का हमेशा ही यह प्रयास रहा कि ग्रामीण अंचल के बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर अपना भविष्य बनावे,विद्यालय प्रबंधन का यह प्रयास है कि भविष्य में और प्रभावी शिक्षण व्यवस्था की जाए। प्रशासनिक सचिव सिद्धार्थ व शालिनी सिंह ने इस कामयाबी का श्रेय अध्यापक,छात्र और अभिभावकों को भी दिया जो हमेशा विद्यालय की नीतियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले। प्रबंधक शांतनु ने इस अवसर पर कहा कि अभिभावकों ने जिस भरोसे के साथ अपने पाल्यों का प्रवेश इस विद्यालय में कराया है विद्यालय निरंतर हर कसौटी पर खरा उतरा है और भविष्य में भी निरंतरता बनी रहेगी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अभिषेक रंजन सहित विद्यालय के सभी अध्यापक अध्यापिकाओं और कर्मचारियों ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

ऑक्सीजन प्लांट में हुए भीषण धमाके में मजदूर के चीथड़े उड़े

संवाददाता

बाराबंकी, 13 मई (नवसत्ता)। शहर कोतवाली क्षेत्र के सफेदाबाद के पास एक ऑक्सीजन गैस प्लांट में सोमवार दोपहर भीषण विस्फोट हुआ। विस्फोट इतना भीषण था कि प्लांट का टिन शेड उड़ गया और उसमें काम कर रहा एक मजदूर बुरी तरह जख्मी हो गया। आसपास दहशत फैल गई। पुलिस व फायर ब्रिगेड द्वारा रेस्क्यू किया गया।

सफेदाबाद के निकट सारंग प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड नामक ऑक्सीजन प्लांट पर सिलिंडर की रिफिलिंग होती है। रोज की तरह सोमवार दोपहर भी काम चल रहा था। इस दौरान प्लांट में अचानक तेज विस्फोट हुआ जिससे आसपास के लोग दहल गए। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तो प्लांट का टिन शेड उड़ चुका था। मलबा तीन-चार सौ मीटर की दूरी तक बिखरा था।

प्लांट में काम करने वाले मजदूर केशव राम ने बताया कि जिस जगह विस्फोट हुआ वहां पर मनेरा गांव का लालजी नामक श्रमिक काम कर रहा था। जो विस्फोट की चपेट में आया और उसके चीथड़े उड़ गए। घटना के करीब आधा घंटा बाद शहर कोतवाली पुलिस और फायर ब्रिगेड के जवान मौके पर पहुंचे। शहर कोतवाल अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि रेस्क्यू किया जा रहा है।

सीबीएसई 12वीं के परीक्षा परिणाम में एस.जे.एस. स्कूल सर्वोत्कृष्ट साबित

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 13 मई (नवसत्ता)। नगर का सर्वश्रेष्ठ अंग्रेजी माध्यम शिक्षण संस्थान एस. जे. एस. पब्लिक स्कूल लालगंज पुनः एक बार अपनी प्रतिभा के बल पर अपना गौरव बनाए हुए है। विगत कई वर्षों से एस.जे.एस. लालगंज ने लगातार अपनी प्रतिभा को साबित करके दिखाया। सी बी एस ई बोर्ड कक्षा बारहवीं का परीक्षा फल विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शिखर पायदान पर रहा। जिसके परिणाम स्वरूप क्षेत्र के सभी विद्यालयों को पीछे छोड़ते हुए एस.जे.एस. लालगंज में पंजीकृत कुल 116 छात्रों में से कौशिकी शुक्ला 97 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान पर, अभिजीत गुप्ता 96.2प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय, आर्या तिवारी 95.8प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय, अभय गुप्ता 95.0 प्रतिशत अंकों के साथ चतुर्थ तथा प्रगति दीक्षित 94.0प्रतिशत अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। रत्नेश शुक्ला ने जीव विज्ञान विषय में तथा आर्या तिवारी ने अकाउंट विषय में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किया। 12 छात्रों ने 90प्रतिशत से अधिक अंक लाकर परीक्षा उत्तीर्ण की। वहीं 53 छात्रों ने विशेष योग्यता के साथ परीक्षा उत्तीर्ण कर एक बार पुनः अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया तथा 101 छात्रों ने प्रथम श्रेणी के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की।वहीं कक्षा 10 के परीक्षा परिणाम में 140 छात्रों में नित्या ने (98प्रतिशत) अंकों के साथ प्रथम, आभास यादव (96.8प्रतिशत) अंकों के साथ द्वितीय, कुशल मिश्रा तथा शगुन यादव ने सामूहिक रूप से (95.8प्रतिशत) अंकों के साथ तृतीय, अश्विन गुप्ता (95.6प्रतिशत) अंकों के साथ चतुर्थ तथा अनन्य बाजपेई व प्रतीक सिंह ने सामूहिक रूप से पांचवां स्थान प्राप्त किया। आभास यादव एवं प्रतीक सिंह ने गणित विषय में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किया। वहीं विद्यालय में 34 छात्रों ने 90त्न से अधिक अंक हासिल किए व 94 छात्रों ने विशेष योग्यता के साथ 75त्न से अधिक अंक प्राप्त किए तथा 122 छात्रों ने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक श्री रमेश बहादुर सिंह प्रबंधक श्री अग्रज सिंह व सह-प्रबंधिका डॉ अनुश्री सिंह ने इस शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम का श्रेय छात्रों की लगन व उनके द्वारा किये गए परिश्रम को दिया। वही विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अंजू सिंह ने शानदार सफलता का श्रेय विद्यालय के अध्यापकों व अभिभावकों के आपसी सामंजस्य को दिया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त अध्यापकों ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए भविष्य में उन्हें सफलता के चरम शिखर पर पहुंचने का आशीर्वाद दिया।

आवास के नाम पर अवैध धनराशि की मांग करने वाले की दें सूचनाः परियोजना अधिकारी

रायबरेली, 13 मई (नवसत्ता)। परियोजना अधिकारी डूडा शशि कुमार मेहरोत्रा ने बताया है कि जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) रायबरेली द्वारा संचालित भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) जो कि निःशुल्क है। योजनान्तर्गत पात्र लाभार्थी को आवास निर्माण हेतु नियमानुसार तीन किस्तों में (प्रथम किश्त 50,000.00, द्वितीय किश्त 1,50,000.00 एवं तृतीय किस्त 50,000.00) धनराशि कुल रूपये 2,50,000.00 (रू0 दो लाख पचास हजार मात्र) सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में निर्गत किये जाने का प्राविधान है। आवास निर्माण के पांच चरणों का जियो टैग नामित संस्था के जेई/सर्वेयर द्वारा किया जाता है। परियोजना अधिकारी डूडा ने कहा है कि योजनान्तर्गत यदि कोई भी व्यक्ति प्रत्यक्ष रूप या मोबाइल द्वारा आवास का लाभ प्रदान करने के नाम पर अवैध धनराशि की मांग करता है तो उसके किसी भी प्रकार के प्रलोभन में न आयें तथा इसकी सूचना निकटतम तहसील के उपजिलाधिकारी, नगर निकाय के अधिशाषी अधिकारी अथवा डूडा के परियोजना अधिकारी के मो0नं0 9151999469 व सी0एल0टी0सी0 के मो0नं0 9151999471 पर जानकारी तत्काल देना सुनिश्चित करें। जिससे सम्बन्धित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जा सके।

ससुराल गए युवक की लाश मिली

प्रयागराज, 13 मई (नवसत्ता)। यमुनापार के कौंधियारा इलाके में सोमवार को ससुराल गए युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। नौगवां नहर के पास भारत भारती उर्फ छोटू (30) का शव देख पुलिस को सूचना दी गई। जहां लाश पड़ी थी उससे कुछ दूरी पर उसकी बाइक नहर में मिली।

टिकट एजेंट कर रहे खेल, वेटिंग टिकट देकर रेलवे से ले रहे रिफंड

संवाददाता

झांसी, 13 मई (नवसत्ता)। महाराष्ट्र, पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार जाने वाले रेल यात्रियों के साथ ई-टिकट एजेंट बड़ा खेल कर रहे हैं। वेटिंग क्लियर होने का भरोसा देकर उनसे पैसा वसूल रहे हैं और वेटिंग कंफर्म न होने पर मिलने वाला रिफंड हड़प जा रहे हैं। झांसी रेल मंडल के टिकट चेकिंग स्टाफ ने अप्रैल माह में ढाई हजार यात्रियों को ई-वेटिंग टिकट के साथ पकड़ा है। इनकी टिकट रद्द हो चुकी थीं और वह ट्रेन में उसी टिकट पर यात्रा कर रहे थे।

बता दें कि आईआरसीटीसी की वेबसाइट से बुक की गई टिकट यदि वेटिंग में हैं और ट्रेन के अंतिम चार्ट बनने पर भी कंफर्म नहीं होती है तो आईआरसीटीसी टिकट रद्द कर उसका पूरा पैसा वापस कर देता है। इन टिकट पर ट्रेनों में यात्रा करने की अनुमति भी नहीं होती है। लेकिन पुष्पक एक्सप्रेस, कुशीनगर एक्सप्रेस, गोरखपुर-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस के यात्रियों के साथ ऐसा ही खेल टिकट एजेंट कर रहे हैं। झांसी मंडल के टिकट चेकिंग स्टाफ ने ऐसे ही ढाई हजार मामले अप्रैल माह में पकड़े और उनसे जुर्माना वसूला है। इन यात्रियों के पास वेटिंग ई-टिकट की कॉपी थी लेकिन टिकट रद्द हो चुके थे। टिकट चेकिंग स्टाफ ने बताया कि यात्री एजेंट के जरिए टिकट बुक कराते हैं। एजेंट उन्हें टिकट की कॉपी देकर भरोसा दे देते हैं कि उनकी वेटिंग क्लियर हो जाएगी लेकिन, ऐसा नहीं हो पाता है।

बताया कि एजेंट स्लीपर क्लास में ही ऐसा करते हैं। ई-टिकट पर यदि वेटिंग कंफर्म नहीं होती तो टिकट रद्द कर रिफंड दे दिया जाता है। इसके बाद भी यदि कोई वेटिंग टिकट की कॉपी लेकर यात्रा करता पाया जाता है तो वह बिना टिकट ही माना जाएगा और उस पर नियमानुसार जुर्माना लगाया जाता है।

कराटे कलर बेल्ट प्रमोशन टेस्ट एनटीपीसी में संपन्न

संवाददाता

ऊंचाहार-रायबरेली, 13 मई (नवसत्ता)। वर्ल्ड मॉडर्न शोतोकान कराटे फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के दिशा निर्देशन में वा कराटे एसोसिएशन रायबरेली के तत्वाधान में एनटीपीसी ऊंचाहार स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में कराटे कलर बेल्ट टेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें एनटीपीसी आवासीय परिषद से 60 बच्चों ने प्रतिभा किया इस प्रतियोगिता में बच्चों का फिजिकल फिटनेस, फ्लैक्सिबिलिटी टेस्ट, और कराटे के बेसिक टेस्ट की परीक्षा कराई गई थी जिसमें विभिन्न प्रकार के ब्लॉग पंच किक जैसी चीज को सम्मिलित किया गया था साथ ही बच्चों के काते, किहोन जैसी चीजों का भी निरीक्षण किया गया और उसमें होने वाली कमियों को दूर करने हेतु बच्चों को निर्देशन के साथ-साथ अभ्यास का तरीका भी सिखाया गया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में कराटे एसोसिएशन द्वारा नियुक्त शिवानी साहू,रितिका गुप्ता, युवराज सिंह, जितेंद्र सिंह तथा एनटीपीसी ऊंचाहार से निर्णायक मंडल के रूप में सूर्यांश पांडे, परणिका सिंह, अहाना त्रिपाठी, अभिज्ञान श्रीवास्तव, अंश कुमार, वा शिवेंद्र सिंह रहे। कराटे एसोसिएशन रायबरेली के अध्यक्ष कराटे मास्टर राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि टेस्ट का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है बच्चों ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विभिन्न प्रकार के तकनीक और कौशल को दिखाया है जो अपने में काफी दिलचस्प रहा है टेस्ट संपन्न हो गया है आगामी दिनों में टेस्ट का परिणाम घोषित कर दिया जाएगा जिसके परिणाम स्वरूप जो बच्चे सफल होंगे उन्हें बेल्ट और सर्टिफिकेट प्रदान कर अगले लेवल के लिए प्रमोट कर दिया जाएगा।

कराटे एसोसिएशन के सचिव वा नेशनल कराटे कोच शंशाई राहुल कुमार पटेल ने बताया कि टेस्ट में पास होना और फेल होना यह नॉर्मल सी प्रक्रिया है हमें समझना चाहिए कि एक टेस्ट के बाद जब हम दूसरा टेस्ट देते हैं तो उसके बीच में हमने कितना कुछ सीखा कराटे में सीखना इंपॉर्टेंट है ना की बार-बार टेस्ट देकर बेल्ट पाना।

ब्लैक बेल्ट पाने पर भी आप अच्छे नहीं माने जाएंगे जब तक आपका अभ्यास उस लेवल पर ना हो जिस लेवल पर एक अच्छे खिलाड़ियों का अभ्यास होता है। इसलिए जो बच्चे ब्लैक बेल्ट हो जाते हैं उन्हें चाहिए रेगुलर प्रैक्टिस करते रहे ताकि चीज अभ्यास में बनी रहे।

एनटीपीसी स्पोर्ट्स कार्उसिल के सचिव जसवंत मीना ने बताया परिणाम मेहनत मांगती है जरूरी नहीं सफलता सभी को प्राप्त हो जरूरी यह है कि मंजिल तक पहुंचने में जो मेहनत लगी है उसका अनुभव आप किस प्रकार इस्तेमाल करते हैं सभी खिलाड़ियों को बहुत सारी शुभकामनाएं आशा है आप सभी का परिणाम अच्छा आएगा। हार जीत जीवन के दो पहलू हैं आप मेहनत करते रहिए सफलता निश्चित ही आपके कदम चूमेगी।

बदमाशों ने शिक्षक को मारी गोली

प्रतापगढ़,13 मई (नवसत्ता)। जिले के कटका बाजार के पास बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहा? शिक्षक प्रधान पति को गोली मार दी। मेडिकल कॉलेज अस्पताल से चिकित्सकों ने उन्हें प्रयागराज रेफर कर दिया। विद्यालय जाते वक्त बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया। शिक्षक बसंत सिंह की पत्नी अनीता सिंह कोल बजर डीह गांव की प्रधान हैं। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कल शहर में दो किलोमीटर लंबा रोड शो करेंगे सीएम योगी

संवाददाता

झांसी, 13 मई (नवसत्ता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 15 मई को बीजेपी के लोकसभा प्रत्याशी अनुराग शर्मा के समर्थन में शहर में दो किलोमीटर लंबा रोड शो करेंगे। उनका रोड शो लक्ष्मीगेट स्थित काली जी के मंदिर से शुरू होकर दतिया गेट पर समाप्त होगा।

सीएम महोबा, उरई में जनसभा करने के बाद दोपहर 3:10 बजे झांसी पहुंचेंगे। पुलिस लाइन में हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद वह कार से सीधे लक्ष्मीगेट स्थित काली जी के मंदिर पहुंचेंगे। यहां से उनका रोड शो शुरू होगा। भाजपा महानगर अध्यक्ष हेमंत परिहार ने बताया कि लक्ष्मीगेट से मुरली मनोहर मंदिर, मालिनों का चौराहा, नरिया बाजार होते हुए दतिया गेट तक सीएम का रोड शो होगा। दो किलोमीटर लंबा ये रोड शो करीब एक घंटे में पूरा होगा। यहां से सीएम लखनऊ के लिए रवाना हो जाएंगे।

सवा दो साल बाद झांसी में सीएम का ये दूसरा रोड शो होगा। इससे पहले विधानसभा चुनाव के दौरान 16 फरवरी 2022 को मुख्यमंत्री ने विधायक प्रत्याशी रवि शर्मा के समर्थन में रोड शो किया था। तब रोड शो मढ़िया महादेव मंदिर से शुरू होकर कोतवाली के पास समाप्त हुआ था।

ग्रामीणों ने मतदान का किया बहिष्कार

कौशांबी,13 मई (नवसत्ता)। मतदान की तारीख करीब आते आते ही जनप्रतिनिधियों के प्रति लोगों की नाराजगी बढ़ती जा रही है। सिराथू तहसील क्षेत्र के हिसामपुर माड़ो गांव में ग्रामीणों ने जन समस्याओं से परेशान होकर चुनाव बहिष्कार की धमकी दी है। गांव के बाहर मतदान बहिष्कार ÷समाधान नहीं तो मतदान नहीं का बैनर लगाकर प्रदर्शन किया।

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हुए तो बीजेपी के लिए केंद्र में सत्ता बरकरार रखना आसान नहीं : मायावती

संवाददाता

लखनऊ, 13 मई (नवसत्ता) बसपा प्रमुख मायावती ने आज यहां राज्य में पार्टी का अभियान शुरू करते हुए कहा कि अगर लोकसभा चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से हुए तो केंद्र में सत्ता बरकरार रखना भाजपा के लिए आसान नहीं होगा। उन्होंने चुनावी प्रक्रिया की अखंडता पर चिंता व्यक्त की और ईवीएम से छेड़छाड़ के प्रति आगाह किया।

करनाल लोकसभा सीट से बसपा प्रत्याशी इंद्रजीत जलमाना के लिए सेक्टर 4 दशहरा मैदान में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, अगर ईवीएम में कोई छेड़छाड़ नहीं होगी तो भाजपा आसानी से सत्ता में नहीं आएगी क्योंकि भाजपा की कथनी करनी में बहुत अंतर है। और यह ज़मीन पर क्या करता है। - मैं दक्षिणी हरियाणा में यमुना का पानी लाऊंगा-राव इंद्रजीत सिंह उन्होंने हाशिए पर मौजूद लोगों की आवाज उठाने के प्रति बसपा की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि चुनाव में बीजेपी की गारंटी काम नहीं आएगी. बसपा प्रमुख ने कहा कि वे घोषणापत्र जारी नहीं करते, बल्कि काम करने में विश्वास रखते हैं।

उन्होंने कहा, अगर सत्ता में आई तो बसपा प्रभावी शासन प्रदान करेगी जैसा कि उसने यूपी में प्रदान किया था। मायावती ने कांग्रेस पर दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया. उन्होंने भाजपा की पूंजीवाद, जातिवाद और सांप्रदायिकता की राजनीति की भी निंदा की और कहा कि लगातार सरकारें, चाहे कांग्रेस के नेतृत्व में हों या भाजपा के, हाशिए पर मौजूद वर्गों की जरूरतों को पूरा करने में विफल रही हैं। बेरोजगार युवाओं ने निकाला जुलूस आजादी के बाद से, अधिकांश शासन कांग्रेस या उसके गठबंधन दलों के हाथों में रहा है। उन्होंने दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों या किसी अन्य वर्ग के लिए काम नहीं किया है। लोगों ने उसकी जगह भाजपा ले ली, अब वह अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर समाज को जाति और धर्म के आधार पर बांटने का काम कर रही है. उन्होंने भाजपा, कांग्रेस और अन्य दलों पर चुनावी बांड के माध्यम से व्यापक भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप लगाया, बिना किसी भेदभाव के किसानों और मजदूरों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

पलवल के गांवों में पेयजल संकट बड़ा चुनावी मुद्दा भाजपा, कांग्रेस और अन्य दल चुनावी बांड का उपयोग करके बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में लगे हुए हैं, लेकिन बसपा एक ऐसी पार्टी है जो अमीर लोगों से पैसा नहीं लेती है। हमारी पार्टी ने हमेशा किसानों और मजदूरों की आवाज उठाई है और बिना किसी भेदभाव के काम किया है। बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी पर प्रकाश डालते हुए, मायावती ने जनता से ÷जोड़-तोड़ सर्वेक्षण और जनमत सर्वेक्षण÷ के खिलाफ सतर्क रहने का आग्रह किया। किसानों की दुर्दशा की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए उन्होंने उनके अधिकारों की रक्षा के लिए बसपा के प्रयासों का हवाला दिया।

कानपुर के मतदाताओं में दिखा उत्साह पर सामान्य रहा मतदान

संवाददाता

लखनऊ, 13 मई (नवसत्ता) कानपुर। मतदान प्रतिशत बढाने की जिला प्रशासन से लेकर राजनैतिक दलों की तमाम कोशिशें व तरकीबें भी वोटरों की सुस्ती तोड़ नही सकी।सोमवार को शहर मे कानपुर एवं अकबरपुर लोकसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ।यूपी में वोटरों की चली आ रही सुस्त चाल शहर मे भी बदस्तूर जारी रही।यंहा मतदान प्रतिशत औसत रहा। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण की कानपुर सहित यूपी की 13 सीटों पर सोमवार को मतदान सपंन्न हुआ।शहर मे इस बार 16,52334 मतदाता थे।

भीषण गर्मी की वजह से अबकी सुबह 7 बजे से ही मतदाता मतदान केंद्रों पर पहुचने लगे। इस वजह से मतदान केंद्रों पर सुबह के समय भीड -भाड़ देखने को मिली।अबकी कई समाजसेवी संगठनों की तरफ से भी, पहले मतदान करने वालो का स्वागत सत्कार एवं जलपान की भी व्यवस्था करने के कारण मतदाता भी सुबह सबेरे मतदान केन्द्रों की और खीचे चले आए। सबसे पहले मतदान करने वालो का कई मतदान केंद्रों पर पुष्प वर्षा कर एवं माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। इस चुनाव में जिस प्रकार मतदान केंद्रों पर चुनाव वाले दिन व्यवस्थाएं की गई उसे देखकर वाकई महसूस हो रहा था कि हम लोकतंत्र का उत्सव मना रहे है। हर विधानसभा में कई मतदान केंद्रों को आदर्श मतदान केंद्र बनाया गया। जँहा मतदान केंद्रों को रंग बिरेंगे गुब्बारों व भव्य द्वार से सजाया गया था। लगभग सभी मतदान केंद्रों पर पीने के पानी के साथ प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा के साथ फार्मासिस्ट की भी व्यवस्था की गई।ओआरएस घोल के पैकेटों की भी व्यवस्था की गई।मतदाता भी ऐसा खुशनुमा माहौल पाकर इस लोकतंत्र रूपी उत्सव मे झूमकर नाचे।अमूमन मतदान केंद्रों पर राजनैतिक दलों मे होने वाले हो हल्ला एवं हुटिंग बाजी भी कम देखने को मिली।सुबह मतदान केंद्रों पर हर बार कि तरह इस बार भी वोटिंग मशीनों मे गडबडी के कारण कई जगह देर से मतदान शुरू हो सका।सुबह के बाद दोपहर के करीब 12 बजे से मतदान केंद्रों पर तेज धूप व गर्मी के कारण मतदाताओं के कदम भी मतदान केंद्रों की तरफ ठिठकने लगे। इसका असर मतदान केन्द्रों पर साफ तौर पर देखने को मिला।

दोपहर दो बजे के करीब जब सूरज अपने शबाब पर था।राजनैतिक पार्टियों के बस्तो पर भी सन्नाटा पसर गया। इससे पार्टी के कार्यकर्ता भी बैचेन हो गए। जब सूचना पार्टी के बडे नेताओं तक पहुची उन्होंने घरो से मतदाताओं को निकालने के लिए जोर अजमाइश शुरू कर दी।इसका असर भी जल्द देखने को मिला।

मतदान केंद्रों पर इक्का दुक्का मतदाता पहुचने लगे। शाम के 4 बजे से मतदान केंद्रों पर फिर से दोपहर के सन्नाटे को तोडते हुए मतदाता मतदेय स्थलों पर पहुचने लगे।सुबह के समय मतदान केंद्रों पर पुरुषों की तो सांय महिलाओं की ज्यादा लाईनें लगी।

अफजाल अंसारी और बेटी नुसरत ने किया नामांकन

संवाददाता

गाजीपुर, 13 मई (नवसत्ता) उत्तर प्रदेश में गाजीपुर लोकसभा चुनाव में सोमवार को बसपा सांसद अफजाल अंसारी ने समाजवादी पार्टी (सपा) प्रत्याशी के तौर पर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उनके साथ ही उनकी बेटी नुसरत अंसारी ने भी नामांकन दाखिल किया।

नामांकन दाखिल करने के बाद श्री अंसारी ने मीडिया को बताया कि सपा प्रत्याशी के रुप में हमने दो सेट में नामांकन पत्र दाखिल किया है। उन्होने कहा कि इंडिया गठबंधन भारी बहुमत की तरफ बढ़ रही है। भाजपा के खिलाफ जनमानस में काफी आक्रोश है। हमारा चुनाव गाजीपुर की जनता लड़ रही है। नामांकन के समय पूर्व मंत्री ओमप्रकाश सिंह, विधायक वीरेंद्र यादव, विधायक जैकिशन साहू, जिलाध्यक्ष गोपाल यादव, पूर्व विधायक उमाशंकर कुशवाहा, मुन्नन यादव, कांग्रेस नेता मारकंडेय सिंह, विधायक मन्नू अंसारी, सपा नेता पारसनाथ यादव, उमर अंसारी आदि लोग मौजूद थे। कड़ी सुरक्षा के बीच नामांकन पत्र दाखिल करने पहुंचे अफजाल अंसारी के वाहन चालक के रूप में गत दिनों दिवंगत हो चुके उनके छोटे भाई मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी रहे।

गाजीपुर लोकसभा चुनाव में अब तक प्रमुख रूप से भाजपा से पारसनाथ राय, बसपा से डॉक्टर उमेश सिंह और समाजवादी पार्टी से अफजाल अंसारी नामांकन दाखिल किया है।

श्रीपर्णा तिवारी ने हासिल किये 91 प्रतिशत मार्क्स

संवाददाता

लखनऊ, 13 मई (नवसत्ता) श्रीपर्णा तिवारी ने सीबीएसई बोर्ड बारहवीं की परीक्षा में 91प्रतिशत मार्क्स हासिल किये। श्रीपर्णा को इन महत्वपूर्ण तीन विषय (इकोनॉमिक 94, इंग्लिश 93, बिजनेस स्टडीज में 90) मार्क्स मिले। यूपी के वरिष्ठ पत्रकार शाश्वत तिवारी की होनहार पुत्री श्रीपर्णा तिवारी ए.एम.सी. सेंटर, लखनऊ कैंट के.वी. की मेघावी छात्रा है। श्रीपर्णा ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता एवं अपने सभी टीचर्स, खास कर एकाउंट के हर्षित जैन सर और क्लास टीचर अमित भदौरिया सर को दिया। श्रीपर्णा की माता शालिनी तिवारी ने बताया कि श्रीपर्णा मल्टीपल एक्टिविटीज में शामिल रहती है, श्रीपर्णा डांस, क्राफ्ट और पेंटिंग में भी बहुत माहिर है। मल्टीपल एक्टिविटीज में शामिल रहने के बावजूद भी श्रीपर्णा का 91 प्रतिशत मार्क्स प्राप्त करना हमारे लिए गर्व की बात है।

एकेटीयू से संबद्ध संस्थान होंगे नैक एक्रिडेट

संवाददाता

लखनऊ, 13 मई (नवसत्ता) डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय अपने संस्थानों को भी विश्वस्तरीय बनाने का प्रयास कर रहा है। इस दिशा में सभी संस्थान नैक एक्रिडेट कराना लक्ष्य है। नैक एक्रिडेशन के मार्गदशन के लिए विश्वविद्यालय की ओर से 13, 14 और 15 को लखनउ, नोएडा और वाराणसी जोन के संस्थानों के साथ ऑनलाइन वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में सोमवार को माननीय कुलपति प्रो0 जेपी पांडेय की अध्यक्षता में लखनउ जोन के संबद्ध संस्थानों के साथ ऑनलाइन वर्कशॉप हुई। इस दौरान माननीय कुलपति प्रो0 जेपी पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य है कि 2026 तक सभी संबद्ध संस्थान नैक एक्रिडेट हों। इसके लिए अभी से सभी को योजनाबद्ध तरीके से काम करने की जरूरत है। इस प्रयास में विश्वविद्यालय सभी संस्थानों की मदद करेगा। यदि किसी को कोई समस्या आ रही है तो उसका भी समाधान होगा।

हम सभी संस्थानों को नैक ग्रेडिंग दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बतौर विशेषज्ञ एमएमएमयूटी गोरखपुर के प्रो0 वीएल गोले ने सातो क्राइटेरिया के बारे में विस्तार से बताया। कहा कि नैक में अच्छी ग्रेडिंग के लिए हर क्राइटेरिया महत्वपूर्ण है। साथ ही एसएसआर यानि सेल्फ स्टडी रिपोर्ट पर भी गंभीरता से कार्य करने की जरूरत होती है। बताया कि संस्थान की उपलब्धियों, गतिविधियों, कार्यक्रमों, योजनाओं सहित छात्र से जुड़े विषयों को प्रमुखता से भरें। डीवीवी यानि डाटा वैलिडिटेशन एंड वेरिफिकेशन प्रॉसेस, एसएसएस, स्टूडेंट सटिस्फैक्शन सर्वे आदि पर भी प्रकाश डाला। कहा कि डॉक्यूमेंट को बहुत ही सावधानी से अटैच करना होता है। इसके कौन सा डॉक्यूमेंट अटैच करना है और कौन सा नहीं यह पता होना चाहिए। धन्यवाद कुलसचिव रीना सिंह ने दिया।

ललितपुर-झांसी सीट से अनुराग तोडेंगे जीत का पिछला रिकॉर्ड :रामरतन कुशवाहा

संवाददाता

ललितपुर, 13 मई (नवसत्ता) बुंदेलखंड की झांसी -ललितपुर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार अनुराग शर्मा की रिकॉर्ड जीत का दावा ललितपुर विधायक रामरतन कुशवाहा ने किया है। विधायक रामरतन कुशवाहा ने यूनीवार्ता से विशेष बातचीत में कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार ने इस सीट के ललितपुर जिले में बहुत काम किया है।

भाजपा सरकार के शासनकाल में ललितपुर जनपद में विकास के दृष्टिकोण से कई आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं। यहां मेडिकल कॉलेज, फ्लाई ओवर, राजकीय महाविद्यालय का निर्माण किया जा रहा है और सड़के बहुत अच्छी हो गयीं हैं।

इसके अलावा आधारभूत आवश्यकताओं पानी ,बिजली की स्थिति में भी काफी सुधार हुआ है। भाजपा सरकार ने ललितपुर जिले की तस्वीर को बदलने के लिए काम किया है और इसके बल पर हमें पूरा विश्वास है कि इस सीट से पार्टी के उम्मीदवार अनुराग शर्मा को जनता पांच साल पहले से अधिक मतों से विजयी बनायेगी और वह अपनी ही पिछली जीत का रिकॉर्ड तोंडने में कामयाब रहेंगे।

स्वास्थ्य केन्द्र सरैंया अतिबल के सभागार में सीएचओ और एएनएम के बैठक का आयोजन

संवाददाता

बस्ती, 13 मई (नवसत्ता) राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत आज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सरैंया अतिबल के सभागार में सीएचओ और एएनएम के बैठक का आयोजन चिकित्साधिकारी डा आशुतोष कुमार के अध्यक्षता में किया गया। चिकित्साधिकारी डा आशुतोष ने कहा कि टीबी का बैक्टीरिया 90 प्रतिशत से ज्यादा मामलों में फेंफड़ों को प्रभावित करता है। पंद्रह दिन से अधिक खांसी, सीने में दर्द, बलगम, वजन कम होना, बुखार आना और रात में पसीना आना टीबी के लक्षण है। कभी-कभी पल्मोनरी टीबी से संक्रमित लोगों की खांसी के साथ थोड़ी मात्रा में खून भी आ जाता है। अगर इन लक्षणों से कोई भी परेशान है तो इसे नजरअंदाज मत करें। आज के समय में टीबी का इलाज कोई चुनौती नहीं है। टीबी का इलाज पूर्णतया सम्भव है। वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि टीबी एक वायुजनित रोग है जो संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आने से होता है।

टीबी बैक्टीरिया फेफड़ों के अलावा रीढ़, मस्तिष्क और किडनी को भी प्रभावित कर सकता है। टीबी के रोगी को डॉक्टर के दिशा निर्देश अनुसार नियमित टीबी की दवाओं का सेवन करते रहना चाहिए। राहुल ने कहा कि निक्षय पोषण योजना के जरिए टीबी के मरीजों को इलाज पूर्ण करने तक हर महीने 500 रुपये पोषण के लिए दी जा रही है, इसके साथ ही टीबी मरीजों को पहचान करने वालों को भी 500 रुपये दिया जा रहा है। वरिष्ठ टीबी प्रयोगशाला पर्यवेक्षक संजय कुमार पाण्डेय ने कहा कि टीबी इलाज में सबसे पहले मरीज की हिस्ट्री लेते हुए यह पता किया जाता है कि मरीज किसी संक्रमण के सम्पर्क में था या नही फिर बीमारी की पुष्टि के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट किया जाता है। टीबी मरीज के खांसी के नमूने का प्रयोगशाला में परीक्षण किया जाता है, फेफड़े में टीबी के लक्षण की जांच के लिए छाती का एक्स रे किया जाता है और मस्तिष्क तथा रीढ़ की हड्डी में टीबी संक्रमण की जांच के लिए सीटी स्कैन या एमआरआई किया जाता है।

जिला पीपीएम समन्वयक मोहम्मद साउद ने कहा की वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त भारत हेतु पंचायत स्तर पर टीबी मुक्त ग्राम पंचायत घोषित कराए जाने की आवश्यकता है जिसके लिए ग्राम स्तर पर टीबी के लक्षणों वाले व्यक्तियों की पहचान कर उनके बलगम का जांच कराते हुए ग्राम स्तर के सभी क्षय रोगियों को गण मान्य व्यक्तियों के माध्यम से गोद दिलवाया जाए जिससे क्षय रोगियों को पोषण में सहयोग किया जा सके।

वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक गिरीश गुप्ता ने कहा कि एक हजार जनसँख्या पर 30 जांच कराना अनिवार्य है।

इस दौरान बीपीएम जयंत नाथ तिवारी, बीसीपीएम सुजीत कुमार सिंह, आदर्श श्रीवास्तव, प्रीती वर्मा, किरण शशि यादव, कंचन, अंजलि द्विवेदी, पूजा वर्मा, अनुराधा गौड़, प्रेमशीला, अनीता देवी, नीलम, संध्या चौधरी, लक्ष्मी वर्मा, पुष्पा सिंह, कुश पाण्डेय, आशुतोष कुमार, प्रमोद कुमार, सर्वेश कुमार, नीलम, अनीता चौधरी, शकुंतला देवी, अभिषेक कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पूजा ठाकुर एमएक्स प्लेयर और हंगामा के म्यूजिक वीडियो तुम बस में नजर आएंगी

संवाददाता

लखनऊ, 13 मई (नवसत्ता) पुरानी कहावत प्रतिभा असीमित है पूजा ठाकुर पर बिल्कुल फिट बैठती है। पूजा एक सुपरमॉडल और एक्ट्रेस होने के साथ-साथ समाज के लिए काफी सामाजिक कार्य भी करती हैं। और अब चीजों को और बेहतर बनाने के लिए, वह पुरस्कार विजेता निर्देशक विपिन अग्निहोत्री के एमएक्स प्लेयर और हंगामा में रिलीज होने वाले आगामी म्यूजिक वीडियो तुम बस में नजर आने वाली हैं। विकास से खुश पूजा को संगीत वीडियो में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

पूजा के चयन के बारे में बात करते हुए, विपिन अग्निहोत्री ने कहा कि पूजा आज के युवाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं और उनमें इतनी प्रतिभा है, यह काफी हद तक स्पष्ट पसंद थी। इतने प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट में चयन से खुश पूजा के मन में कोई संदेह नहीं है कि उनकी उपस्थिति की हर किसी को सराहना मिलेगी और वह अपने कौशल से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी।

पांचवें चरण में 159 दागी, 227 करोड़पति सबसे अमीर उम्मीदवारों में पीयूष गोयल भी

संवाददाता

लखनऊ, 13 मई (नवसत्ता) लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में कुल 695 उम्मीदवार मैदान में हैं। इन सभी उम्मीदवारों के चुनाव हलफनामों का एडीआर ने विश्लेषण किया है। 695 में से 227 उम्मीदवार करोड़पति हैं। वहीं, पांचवें चरण में चुनाव लड़ रहे 159 उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।देश में इस वक्त चुनाव की सरगर्मी है। 19 अप्रैल से लेकर 1 जून तक सात चरणों में लोकसभा के चुनाव हो रहे हैं। तीन चरणों के लिए मतदान हो चुका है जबकि चौथे चरण का मतदान सोमवार को हो रहा है। पांचवें चरण के नामांकन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इस बीच, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने पांचवें चरण में चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण किया है। इस चरण में कुल 695 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं जिनके शपथपत्रों का विश्लेषण किया गया है। 695 में से 159 (23 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। 122 (16 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। तीन उम्मीदवारों ने अपने ऊपर दोषसिद्ध मामले घोषित किए हैं। चार उम्मीदवारों ने अपने ऊपर हत्या (आईपीसी-302) से जबकि 28 उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ हत्या के प्रयास (आईपीसी-307) से जुड़े मामले घोषित किए हैं। महिलाओं के ऊपर अत्याचार से जुड़े मामले घोषित करने वाले उम्मीदवार 29 हैं। इन 29 में से एक उम्मीदवार के ऊपर दुष्कर्म (आईपीसी-376) से जुड़ा मामला दर्ज है। इसके अलावा, भड़काऊ भाषण से जुड़े मामले घोषित करने वाले कुल 10 उम्मीदवार हैं।पांचवें चरण में सपा के सभी 10 में से पांच उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले हैं। वहीं, शिवसेना के छह में से तीन, एआईएमआईएम के चार में से दो, भाजपा के 40 में से 19, कांग्रेस के 18 में से आठ, टीएमसी के सात में से तीन, शिवसेना (यूबीटी) के आठ में से तीन और राजद के पांच में से एक उम्मीदवार के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं।695 में से 33 प्रतिशत यानी 227 उम्मीदवार करोड़पति हैं। सबसे ज्यादा भाजपा के 36 उम्मीदवार करोड़पति हैं। एआईएमआईएम के चार में से दो उम्मीदवार करोड़पति हैं। चुनावी हलफनामों में इन प्रत्याशियों ने एक करोड़ से ज्यादा की संपत्ति घोषित की है। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में हर उम्मीदवार के पास औसतन 3.56 करोड़ की संपत्ति है। दलवार आंकड़ों पर गौर करें तो एनसीपी (शरद गुट) के दो उम्मीदवारों की सबसे ज्यादा औसतन संपत्ति 54.64 करोड़ की संपत्ति है। पांचवें चरण में सबसे ज्यादा संपत्ति घोषित करने वाले उम्मीदवार अनुराग शर्मा हैं। उत्तर प्रदेश के झांसी से भाजपा प्रत्याशी ने कुल 212 करोड़ की संपत्ति घोषित की है। इस मामले में दूसरे स्थान पर निर्दलीय नीलेश भगवान सांभरे हैं। महाराष्ट्र की भिवंडी सीट से चुनाव लड़ रहे सांभरे ने अपने हलफनामे में 116 करोड़ की दौलत बताई है। तीसरे सबसे धनी प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रत्याशी पीयूष गोयल हैं। महाराष्ट्र की मुंबई उत्तर सीट से चुनाव लड़ रहे गोयल की संपत्ति 110 करोड़ की है। उधर एक उम्मीदवारों ने अपनी संपत्ति शून्य घोषित की है। वहीं तीन उम्मीदवारों ने अपनी संपत्ति क्रमश 67 रुपये, 700 रुपये और 5427 रुपये बताई है। तमाम उम्मीदवारों की शैक्षिक योग्यता की बात करें तो 293 (42 प्रतिशत) उम्मीदवार 5वीं और 12वीं के बीच पढ़ाई किए हुए हैं। 349 (50 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता स्नातक और इससे ज्यादा बताई है। 26 उम्मीदवार डिप्लोमा धारक हैं। 20 उम्मीदवार साक्षर जबकि पांच उम्मीदवार असाक्षर भी हैं। उम्मीदवारों की आयु के आंकड़े देखें तो 207 (30 प्रतिशत) उम्मीदवार 25 से 40 वर्ष के बीच के हैं। 384 (55 प्रतिशत) प्रत्याशी 41 से 60 वर्ष के बीच हैं। 103 (15 प्रतिशत) उम्मीदवारों की आयु 61 से 80 वर्ष है। एक प्रत्याशी ने अपनी आयु 82 वर्ष बताई है। पांचवें चरण के चुनाव में महिला प्रतिनिधित्व देखें तो इसमें 695 में से 82 यानी महज 12 प्रतिशत महिला उम्मीदवार हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ को जाम मुक्त करने का कार्य किया : नीरज सिंह

संवाददाता

लखनऊ, 13 मई (नवसत्ता) सोमवार को निशातगंज स्थित करामत हुसैन गर्ल पी. जी. कॉलेज में माननीय राजनाथ सिंह के समर्थन में आम जनसभा के आयोजन में नीरज सिंह ने आगामी चुनाव को लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की एवम उपस्थित शिक्षक, देवतुल्य जनता जनार्दन से सांसद राजनाथ सिंह के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने और देश में लगातार तीसरी बार मोदी सरकार बनाने के लिए अपील की। उन्होंने सभा में कहा की देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने अपने प्रयासों से लखनऊ की तस्वीर को बदलने का गौरवपूर्ण कार्य किया है। विकास के पथ को अग्रसर होते हुए एक्सप्रेसवे, रिंग रोड, नया टर्मिनल, फ्लाइओवर जैसे अनेक योजनाएं राजनाथ सिंह के प्रयासों से लखनऊ में संपन्न हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना साकार हो रही है। आज भाजपा के पास 10 साल का ट्रैक रिकॉड है और अगले 25 साल का विजन भी उसी के साथ हम जनता जनार्दन के समक्ष है और जनता का भी अपार समर्थन भाजपा को मिल रहा है।

गाड़ी की डिग्गी से तीन लाख रुपए ले उड़े चोर

बस्ती- बस्तीजिले के कप्तानगंज से दिनदहाड़े चोरी की घटना सामने आई है, जहां एक बाइक की डिग्गी में रखा तीन लाख रूपये लेकर बदमाश फरार हो गए। पूरा मामला जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र का है । पीड़ित राम जनक पुत्र राम वचन निवासी खिरिहवा ने इसकी शिकायत स्थानीय थाना कप्तानगंज में किया है। पीड़ित ने शिकायत कर थाना प्रभारी को बताया की 10 मई को मैं यूपी बड़ौदा बैंक कप्तानगंज पंद्रह सौ रुपए निकाला, इससे पहले हमारे द्वारा इसी बैंक से 7, 8 और 9 मई को एक लाख चालीस हजार रुपए निकाले गए थे। बैंक से निकल गए पैसे और इकट्ठा किए गए रुपए सब मिलाकर तीन लाख हुए थे। जिसे स्टेट बैंक कप्तानगंज शाखा में जमा करने जा रहे थे। पीड़ित ने बताया इसी बीच लड़के का फोन आया कि वह लखनऊ से घर आ रही है। जिसे मैं चौराहे पर रिसीव करने के लिए गाड़ी खड़ा किया। 10 मिनट इंतजार के बाद लड़का पहुंचा।

हिन्दी दैनिक नवसत्ता

सम्पादकीय

लोकसभा चुनाव के दौरान रंग भेद की राजनीति

लोकसभा चुनाव के दौरान राजनेताओं के बयान सुनकर ऐसा लगने लगता है कि ये अपनी हदों को पार करने लगे हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा के बयान की मीमांसा की जा रही है। इसके तारतम्य यही है कि इस नेता ने भारत में भेद पैदा करने के प्रयास किए हैं, जो कभी सफल नहीं होने चाहिए। भारत में जिस प्रकार से सामाजिक विघटन की राजनीति की जा रही है, उससे समाज की शक्ति का लगातार पतन ही हुआ है।

कभी तुष्टिकरण तो कभी वोट बैंक की राजनीति के बहाने सामाजिक एकता की राह में अवरोध पैदा करने के प्रयास किये गए, जिसके कारण समाज के कई हिस्से अलग अलग दुकान खोलकर बैठ गए और इसकी आज की राजनीति ने इसे मुंह मांगा इनाम भी दिया। जिसके कारण भारतीय समाज के बीच जो विविधता की एकता को दर्शाने वाली परंपरा रही, उसकी जड़ों में मट्ठा डालने का अनवरत प्रयास किया गया। यह सभी जानते हैं कि जिस देश का समाज कम से कम राष्ट्रीय मामलों पर एक स्वर व्यक्त करता है, वहां किसी भी प्रकार की सामाजिक बिखराव के प्रयास धूमिल ही होते है। लेकिन कुछ राजनीतिक दलों को यह सामाजिक एकता अच्छी नहीं लगती, इसलिए वह अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो वाली नीति अपनाते हुए ही अपनी राजनीति करते हैं। ऐसे लोगों को भारत की सांस्कृतिक एकता खटकती है। ऐसे लोग कुत्सित राजनीति के माध्यम से भारत की जनता के मानस में ऐसे बीज बोने का ही काम करते हैं, जो प्रथम दृष्टया विभाजनकारी ही कहे जा सकते हैं। ऐसे बयानों पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए। क्योंकि यह विचार देश का भला नहीं कर सकता। अगर ऐसा विचार लेकर कोई राजनीतिक दल राजनीति करता है तो उसकी प्रासंगिकता पर भी सवाल हो सकते हैं।

राजनीतिक दलों ने अपना स्वार्थ साधने के लिए पूर्व और पश्चिम को अलग पहचान के रूप में प्रचारित करने में जोर लगाया, तो वहीं उत्तर और दक्षिण के लोगों के मन में नफरत की दरार को और ज्यादा चौड़ा किया। जबकि हमारे देश के नायकों ने एक भारत के रूप में स्वतंत्रता प्राप्त की। आज की राजनीति को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि उनके सपनों को पूरा करने का ईमानदारी से प्रयास नहीं किया जा रहा। इसी कारण कहीं जातिवाद को हवा दी रही है तो कहीं तुष्टिकरण का प्रयास किया जा रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि हमारे राजनीतिक दल समाज को एक करने की दिशा में कदम उठाएं। इससे समाज का तो भला होगा ही, देश भी मजबूत होगा।

वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने अस्तित्व बरकरार रखने के जिस प्रकार का परिश्रम किया जा रहा है, वह निसंदेह आवश्यक भी था, लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पिछले दो चुनावों की तरह इस बार भी पार्टी के इस अभियान को पलीता लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शामिल विदेशी अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उसे अनजाने में दिया बयान समझकर खारिज नहीं किया जा सकता, क्योंकि सैम पित्रोदा कांग्रेस नेताओं के बहुत खाास रहे हैं। यहां तक कि राहुल गांधी के विदेशी दौरे भी यही प्रबंधित करते हैं। सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उससे भारत की कांग्रेस ने भले ही किनारा कर लिया हो, लेकिन विदेशों में सैम पित्रोदा भारत को किस रूप में प्रस्तुत करते होंगे, इस बात का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। सैम पित्रोदा के बयान का आशय यह भी निकाला जा सकता है कि वे भारत को एक देश के रूप में नहीं देख सकते। उनकी नजरों में शायद भारत की चारों दिशाओं में अलग अलग देश दिखाई देते हैं। कुछ ऐसे ही बयानों के कारण कांग्रेस अपने अस्तित्व से जूझ रही है। कुछ इसी प्रकार के बयान कांग्रेस के अन्य नेता भी देते रहे हैं। कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करते करते अनजाने में देश का विरोध करने लगती है। हालांकि कांग्रेस नेताओं का आशय देश विरोध का नहीं होगा, लेकिन सवाल यह है कि कांग्रेस के नेता ऐसे बयान देते ही क्यों हैं, जिसका एक अर्थ ऐसा भी निकलता है, जिससे देश का विरोध होने का संकेत मिलता है। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा कांग्रेस के लिए कोई छोटा नाम नहीं है। वे कांग्रेस के मुख्य कर्ता धर्ताओं में गिने जाते हैं। हालांकि चुनाव में उनके बयान का विपरीत प्रभाव न हो, इसलिए सैम पित्रोदा का इस्ती?ा देना एक राजनीतिक कदम भी हो सकता है। अगर सैम पित्रोदा का इस्तीफा लेना ही था तो उनके पहले दिए बयानों पर भी तो लिया जा सकता था। लेकिन कांग्रेस ने ऐसा नहीं किया। इससे कांग्रेस की सोच का पता चलता है और बैठे ठाले ही कांग्रेस ने भाजपा को एक और मुद्दा दे दिया। सैम पित्रोदा के बयान ने कांग्रेस की एक बार फिर से फजीहत करा दी। राहुल गांधी के इर्द गिर्द राजनीति करने वाले कांग्रेस के बड़े नेताओं के पलायन करने के बाद भी अगर शीर्ष नेतृत्व इस बात से अनभिज्ञ है कि कांग्रेस की ऐसी दुर्दशा क्यों हो रही है? तो स्वाभाविक ही है कांग्रेस को अपनी पिछली दो शर्मनाक पराजय का बोध भी नहीं हो सकता।

अपनी बात

सुरजीत पातर: अंधेरे बीच सुलगती वर्णमाला

जयन्त सिंह

पंजाबी भाषा के प्रसिद्ध कवि प्रोफेसर सुरजीत पातर नहीं रहे। वे जितने अच्छे कवि थे,उससे भी अधिक आकर्षक उनके कलाम की सस्वर प्रस्तुति होती थी। कुछ वैसी ही, जैसी उर्दू में वसीम बरेलवी की। लोक और शास्त्र दोनों में उनकी समान रूप से स्वीकार्यता और आवाजाही रही तथा दोनों में उनका पूरा सम्मान भी रहा।

लगभग पंद्रह साल पहले लुधियाना के पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में सुरजीत पातर को साक्षात सुनने का अवसर मिला था। उनकी आवाज और कलाम को पेश करने का अंदाज ही कुछ ऐसा था कि सुनने वाले की आंखें डबडबा जायें। हिंदी में उनकी रचनाओं का अच्छा अनुवाद प्रोफेसर चमनलाल ने किया है लेकिन कितना भी अच्छा अनुवाद हो, वह कवि की आत्मा के निकट नहीं पहुंचता। भाव, छंद और बिंब का सुघड़ संयोजन तो उसी भाषा में संभव है जिसमें कवि सपने देखता है। लुधियाना के कृषि विश्वविद्यालय में सुरजीत पातर ने जो रचना सुनायी थी, उसकी पंक्तियों की अब भी धुंधली सी याद बाकी है- 'हुंदा सी इत्थे शख्स सच्चा वो किधर गया, पत्थरां दा शहर बिच शीशा बिखर गया।' पटियाला, अमृतसर होते हुए सुरजीत पातर साहित्य के अध्यापक के रूप में लुधियाना पहुंचे थे। गुरू नानक देव की वाणी में लोकतत्व के वे मर्मज्ञ थे। उनकी रचनाओं के सस्वर पाठ को अगर आप सुनेंगे, तो पायेंगे कि मनुष्य का दर्द बारीक दानों की शक्ल में यत्र तत्र बिखरा हुआ है। वर्ष 2012 में भारत सरकार द्वारा 'पद्मश्री' से सम्मानित सुरजीत पातर ने किसानों की अनदेखी से क्षुब्ध होकर यह सम्मान लौटा दिया था।

वारिस शाह, शिवकुमार बटालवी, अमृता प्रीतम आदि रचनाकारों ने जिस पंजाबी साहित्य को अपने जीवनानुभव व अक्षरों की साधना से सींचा, सुरजीत पातर ने उसे एक नये ढंग का टटकापन और ताजगी से नवाजा। चनाब नदी के चमकीले प्रवाह में वे वारिस शाह की रची प्रेम कथा 'हीर-रांझा' का अक्स देखते थे। जिन दिनों चनाब पर सबसे ऊंचा पुल बन रहा था, कवि तब भी उसमें पुरानी प्रेम कथा को ढूंढ रहे थे। पुल शीर्षक जो कविता नरेश सक्सेना ने लिखी है, सुरजीत पातर उसी पुल पर कुछ इस तरह लिखते हैं- 'मैं जिन लोगों के लिए पुल बन गया था/ वे जब मेरे से गुजरकर जा रहे थे/ मैंने सुना मेरे बारे में कह रहे थे, वह कहां छूट गया है/ चुप सा आदमी शायद पीछे लौट गया है/ हमें पहले ही खबर थी कि उसमें दम नहीं है।'

आजादी के बाद हुई देश की तरक्की पर व्यंजना के भाव से ही शायद वे लिख रहे हैं- 'पलकें भी खूब लम्बियां, कजला भी खूब है, ओ तेरे सोहणे नैन दा सपना किधर गया, सिख्खां मुसलमाना हिन्दुआं दा भीड़ बिच, रब पूछता कि मेरा बंदा किधर गया।' पांच नदियों के जिस भौगोलिक प्रांत से कलाविद एमएस रंधावा को प्यार था, सुरजीत पातर को भी यहां की नदी, पहाड़, जंगल और मैदान से रहा। सुरजीत पातर के जाने से आज झेलम, सतलज, रावी व्यास और चनाब के पानी में भी शोक की लहर उमड़ी है। उनकी कृति 'अन्हेरे बिच सुलगती वर्णमाला' का हिंदी अनुवाद 'अंधेरे में सुलगती वर्णमाला' के नाम से हुआ। इस कृति के लिए कवि को साहित्य अकादमी सम्मान से विभूषित किया गया।

मुद्दा

बिना स्वतंत्र मीडिया के स्वस्थ लोकतंत्र को सुनिश्चित कर पाना संभव नहीं

प्रियंका सौरभ

राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते राजनेताओं और मीडिया घरानों के बीच सांठगांठ के परिणामस्वरूप अक्सर पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग होती है और असहमति की आवाजों का दमन होता है। पत्रकारों को शारीरिक हिंसा उत्पीड़न और धमकी का सामना करना पड़ता है खासकर जब वे भ्रष्टाचार मानवाधिकार उल्लंघन या सांप्रदायिक तनाव जैसे संवेदनशील मुद्दों को कवर करते हैं। कभी-कभी पत्रकारों को चुप कराने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करने के लिए राजद्रोह, मानहानि और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम जैसे कानूनों का दुरुपयोग किया जाता है।

मीडिया संगठन, विशेष रूप से छोटे संगठन, वित्तीय बाधाओं का सामना करते हैं, जिसके कारण पत्रकारिता मानकों से समझौता होता है और कॉर्पोरेट या राजनीतिक फंडिंग पर निर्भरता होती है। महात्मा गांधी का यह कथन कि प्रेस की स्वतंत्रता एक अनमोल विशेषाधिकार है जिसे कोई भी देश त्याग नहीं सकता आज के वैश्विक संदर्भ में दृढ़ता से प्रतिध्वनित होता है। भारत में, एक जीवंत और स्वतंत्र प्रेस न केवल संविधान में निहित एक मौलिक अधिकार है बल्कि लोकतंत्र की आधारशिला भी है, जो एक प्रहरी, सूचना का प्रसारक और विविध आवाजों के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। हालांकि, भारत में प्रेस की स्वतंत्रता की वर्तमान स्थिति विभिन्न चुनौतियों के कारण जांच के अधीन है। भारत में प्रेस स्वतंत्रता की वर्तमान स्थिति पर नजर डालें तो भारत में एक विविध मीडिया परिदृश्य है जिसमें प्रिंट, प्रसारण और डिजिटल प्लेटफॉर्म शामिल हैं। हालांकि यहां काफी हद तक स्वतंत्रता है, फिर भी प्रेस की स्वतंत्रता और अखंडता के संबंध में चिंताएं उठाई गई हैं। सेंसरशिप, स्व-सेंसरशिप, राजनीतिक हस्तक्षेप और पत्रकारों पर हमलों की घटनाओं ने प्रेस की स्वतंत्रता के क्षरण के बारे में चिंता बढ़ा दी है।

राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते राजनेताओं और मीडिया घरानों के बीच सांठगांठ के परिणामस्वरूप अक्सर पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग होती है और असहमति की आवाजों का दमन होता है। पत्रकारों को शारीरिक हिंसा उत्पीड़न और धमकी का सामना करना पड़ता है, खासकर जब वे भ्रष्टाचार मानवाधिकार उल्लंघन या सांप्रदायिक तनाव जैसे संवेदनशील मुद्दों को कवर करते हैं। कभी-कभी पत्रकारों को चुप कराने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करने के लिए राजद्रोह मानहानि और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम जैसे कानूनों का दुरुपयोग किया जाता है। मीडिया संगठन, विशेष रूप से छोटे संगठन, वित्तीय बाधाओं का सामना करते हैं, जिसके कारण पत्रकारिता मानकों से समझौता होता है और कॉर्पोरेट या राजनीतिक फंडिंग पर निर्भरता होती है। इंटरनेट ने मीडिया की पहुंच का विस्तार किया है, इसने गलत सूचना और फर्जी खबरों के प्रसार को भी बढ़ावा दिया है, जिससे पारंपरिक मीडिया आउटलेट्स की विश्वसनीयता कम हो गई है।

यह बहुत शर्मनाक बात है कि हमारे जैसे लोकतांत्रिक देश में प्रेस की आजादी की स्थिति पर कोई खतरा मंडराये। इस स्थिति के लिए किसी एक व्यक्ति या एक संस्था को जिम्मेवार मानना बहुत गलत होगा। लेकिन इसके साथ ही यह भी सत्य है कि यह हमारे लिए आत्मचिंतन का समय है। यह आत्मचिंतन सरकारों को करनी है नेताओं को करनी है, पत्रकार बंधुओं को करनी है, रिपोर्टरों को करनी है और खास तौर पर पत्रकारिता संस्थानों के मालिकों को करनी है, कि हम किस तरह की पत्रकारिता चाहते हैं।

आज यह आत्मचिंतन का विषय है कि हम क्यों पत्रकार बने या आने वाली पीढ़ियों में कोई क्यों पत्रकार बने। आज ये सवाल हमें अपने आप से पूछने हैं। साथ ही, किसी रैंकिंग आदि को देख कर यह समझना भी गलत है कि हम (प्रेस) बिल्कुल भी आजाद नहीं है। लेकिन, इतना सच जरूर है कि मीडिया में- खास तौर पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में- आजकल खबरें कम, एजेंडा ज्यादा चलाया जा रहा है। यहीं आकर सबसे ज्यादा गलतियां होती हैं, क्योंकि खबरों को इकट्ठा करने वालों पर संस्थान मालिकों का दबाव होता है। ज्यादातर तो मालिक ही संपादक होते हैं, जो एजेंडा चलाये जाने के जाल में फंस जाते हैं।

दरअसल, एजेंडा चलाना आज के दौर में मीडिया का बिजनेस मॉडल है और यह मॉडल जब तक रहेगा, तब तक तो प्रेस पर सवाल उठते रहेंगे कि आखिर वह कितना आजाद है और उस पर पूंजी कितनी हावी है। यहां पर एक बात बड़ी महत्वपूर्ण हो जाती है। वह यह कि मौजूदा दौर की वेब पत्रकारिता यानी डिजिटल मीडिया इस बिजनेस मॉडल से थोड़ी अप्रभावित है, क्योंकि इसे चलाने में कम खर्च होने के चलते इस पर दबाव कम रहता है। प्रेस की स्वतंत्रता को कायम रखने के संभावित उपाय देखें तो कानूनी सुधार से उन कानूनों को संशोधित या निरस्त करें जिनका उपयोग प्रेस की स्वतंत्रता को कम करने के लिए किया जाता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की संवैधानिक गारंटी के साथ संरेखित हों। पत्रकारों की सुरक्षा सुनिचित करने के लिए धमकियों या हमलों का सामना करने वाले पत्रकारों को पर्याप्त सुरक्षा और कानूनी सहायता प्रदान करना तथा अपराधियों को जवाबदेह ठहराना होगा।

मीडिया साक्षरता के माध्यम से प्रचार और गलत सूचना से विश्वसनीय जानकारी को पहचानने के लिए जनता को शिक्षित करने के लिए मीडिया साक्षरता कार्यक्रमों को बढ़ावा देना होगा। नैतिक पत्रकारिता हेतु मीडिया संस्थानों को पेशेवर नैतिकता और मानकों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करना, तथा ईमानदारी और जवाबदेही की संस्कृति को बढ़ावा देना और स्वतंत्र मीडिया के लिए बाहरी प्रभावों पर निर्भरता कम करने के लिए स्वतंत्र मीडिया संगठनों को वित्तीय सहायता और नियामक समर्थन प्रदान करना कारगर उपाय होगा।

महात्मा गांधी द्वारा मान्यता प्राप्त स्वस्थ लोकतंत्र के कामकाज के लिए स्वतंत्र प्रेस का अधिकार आवश्यक है। जबकि भारत में एक जीवंत मीडिया परिदृश्य है, प्रेस की स्वतंत्रता के लिए चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए सरकार मीडिया संगठनों, नागरिक समाज और जनता के ठोस प्रयासों की आवश्यकता है। प्रेस की स्वतंत्रता को कायम रखकर, भारत अपने लोकतांत्रिक ताने-बाने को मजबूत कर सकता है और यह सुनिश्चित कर सकता है कि उसके नागरिकों की आवाज बिना किसी डर या पक्षपात के सुनी जाए।

राजनीति

लखनऊ क्या फिर बनेगा रक्षा मंत्री राजनाथ का रक्षा कवच?

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की लखनऊ लोकसभा सीट देश की सबसे चर्चित सीटों में शामिल रही है। प्रभु श्रीराम के अनुज लक्ष्मण की नगरी लखनऊ ने अपने लम्बी जीवन यात्रा में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। यहां मुगलों ने भी शासन किया। इसी दौर में अवध की शाम की चर्चा तो समुंदर पार तक होने लगी, लेकिन इसमें खट्टी-मीठी दोनों तरह के यादें शामिल हैं। तहजीब के इस शहर के आबो हवा और सुकून के चर्चे तो दुनिया भर में मशहूर हैं। इसी के लिए लोग यहां खिंचे चले आते हैं।

लखनऊ शहर की खासियत के बारे में यहां के मशहूर शायर अजीज लखनवी ने लिखा है-'वो आबो-हवा वो सुकून, कहीं और नहीं मिलता। मिलते हैं बहुत शहर, मगर लखनऊ सा नही नहीं मिलता'। यहां के वर्तमान सांसद देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हैं। भाजपा ने लगातार तीसरी बार राजनाथ सिंह को उम्मीदवार बनाया है। जबकि सपा ने इस बार रविदास मेहरोत्रा पर दांव लगाया है। वहीं बसपा ने अपने कोर वोटर के साथ अल्पसंख्यक मतदाताओं को रिझाने के लिए सरवर मलिक को चुनावी रण में उतारा है। इस बार यहां लड़ाई लगातार आठ बार से जीत हासिल कर रही भाजपा को अपना गढ़ बचाने की है और राजनाथ सिंह को अपने खुद की जीत की हैट्रिक लगाने की है। लखनऊ के वोटर क्या तीसरी बार भी अपने सांसद और देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के लिये रक्षा कवच बनेंगे यह 04 जून को नतीजे आने पर पता चलेगा। वहीं विपक्षी खेमा राजनाथ सिंह की हैट्रिक नहीं पूरी होने देने की तमन्ना पाले हुए है और भाजपा के मजबूत किला को तोड़ने की तैयारी कर रहा है। अगर लोकसभा चुनाव 2019 की बात करें तो भाजपा के राजनाथ सिंह ने सपा बसपा के संयुक्त उम्मीदवार रहे अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा की पत्नी पूनम सिन्हा को 3,47,302 वोट से हराकर जीत हासिल की थी। इस चुनाव में राजनाथ सिंह को 6,33,026 और पूनम सिन्हा को 2,85,724 वोट मिले थे। जबकि कांग्रेस के आचार्य प्रमोद कृष्णम को 1,80,011 वोट मिले थे। वहीं लोकसभा चुनाव 2014 में मोदी लहर के दौरान इस सीट पर पहली बार राजनाथ सिंह उतरे और कांग्रेस के दिग्गज नेत्री रही रीता बहुगुणा जोशी को 2,72,749 वोट से हराकर जीत हासिल की थी। इस चुनाव में राजनाथ सिंह को 5,61,106 और रीता बहुगुणा जोशी को 2,88,357 वोट मिले थे। जबकि बसपा के नकुल दुबे को 64,449 और सपा के अभिषेक मिश्रा को 56,771 वोट मिले थे। वहीं आम आदमी पार्टी के सैयद जावेद अहमद जाफरी को 41,429 वोट मिले थे। लखनऊ लोकसभा क्षेत्र के जातीय समीकरण की बात करें तो यहां सामान्य और मुस्लिम वर्ग के मतदाता हैं। जिसमें ब्राह्मणों की संख्या अधिक है। इसके बाद मुस्लिम आबादी है जिसमें शिया की संख्या ज्यादा है। फिर वैश्य समाज के मतदाता आते हैं। यहां कायस्थ वोटरों की भी अच्छी खासी संख्या है। इस सीट पर दलित और ओबीसी मतदाताओं की संख्या सामान्य और मुस्लिम वर्ग की तुलना में बेहद कम है। बात अतीत की कि जाये तो 1951-52 में जब देश के पहले लोकसभा चुनाव हुए, उस वक्त उत्तर प्रदेश में लखनऊ जिला-बाराबंकी जिला और लखनऊ जिला मध्य नाम से दो सीटें थीं। लखनऊ जिला मध्य सीट से कांग्रेस की विजय लक्ष्मी पंडित जीती थीं। इसी के साथ 1951 से लेकर 1984 तक दो बार के अलावा यहां से कांग्रेस की ही जीत का परचम फहराया। 1967 में निर्दलीय आनंद नारायण मुल्ला तो इमरजेंसी के बाद 1977 के आम चुनाव में भारतीय लोकदल से हेमवती नंदन बहुगुणा चुनाव जीते। देश में पहली बार 1951 में हुए आम चुनाव में कांग्रेस की विजय लक्ष्मी जो देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु की बहन थीं, ने चुनाव जीता था। 1957 में पुलिन बिहारी बनर्जी 1962 में बीके धवन, 1971 और 80 में शीला कौल ने बतौर कांग्रेस प्रत्याशी यहां से जीत हासिल की। इसके बाद 1989 में जनता दल से मांधाता सिंह फिर 1991 से 2004 तक पांच बार यहां से बीजेपी के अटल बिहारी वाजेपयी सांसद रहे, लेकिन दो चुनावों में अटल जी को हार का भी सामना करना पड़ा था। अटल जी के राजनीति से सन्यास लेने के बाद 2009 में बीजेपी के लालजी टंडन यहां से सांसद बने। तत्पश्चात 2014 और 2019 में बीजेपी के राजनाथ सिंह यहां से सांसद चुने गये। तीसरी बार भी वह लखनऊ से किस्मत अजमा रहे हैं। वहीं, सपा ने रविदास मेहरोत्रा को अपना प्रत्याशी बनाया है। लोकसभा सीट के तहत पांच विधानसभाएं आती हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में लखनऊ लोकसभा में पड़ने वाली पांच में से तीन विधानसभा सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। वहीं, दो सीटों पर सपा के उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की थी।

बहरहाल अतीत के पन्नों को पलटा जाये तो पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी लगातार पांच बार यहां से सांसद रहे हैं। उसी दौरान यहां बीजेपी ने अपनी मजबूत पकड़ बना ली थी। उनके समय से ही इस सीट पर भाजपा का दबदबा हो गया, जो सिलसिला फिर रूका नहीं। यहां के वर्तमान सांसद देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हैं। भाजपा ने लगातार तीसरी बार राजनाथ सिंह को उम्मीदवार हैं। कुल मिलाकर प्रदेश में भले ही शासन करने वाले राजनैतिक दल बदलते रहे हों पर लोकसभा चुनाव में राजधानी में कांग्रेस और भाजपा का वर्चस्व रहा है। इस वर्चस्व के बावजूद लखनऊ की संसदीय सीट पर वर्ष 1967 में निर्दलीय प्रत्याशी की जीत का डंका बजा। उस समय आनंद नारायण मुल्ला ने कांग्रेस के वीआर मोहन को आसानी से मात दी थी।आनंद नारायण मुल्ला कश्मीरी ब्राह्मण थे। उनके पिता जगत नारायण मुल्ला मशहूर सरकारी वकील थे।

चिंतन

आर्थिक व शैक्षिक चुनौतियों के बावजूद मुसलमानों का लोकतंत्र में विश्वास

सैय्यद जाहिद अली रियासत

भारत की आबादी विविधता में एकता लिए हुए है विविध आबादी की जटिल संरचना में, मुस्लिम समुदाय एक महत्वपूर्ण और जीवंत स्तंभ के रूप में खड़ा है। भारत की 1.4 अरब आबादी का लगभग 14प्रतिशत हिस्सा मुस्लिम हैं, जो एक विकसित होते सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव ला रहे हैं उनके लिए विकसित होते भारत में ये एक उम्मीद की किरण है।

विभिन्न आर्थिक और शैक्षिक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, इस समुदाय के कई लोग भारत की राजनीतिक पहचान को परिभाषित करने वाले लोकतांत्रिक ढांचे के बारे में आशावादी बने हुए हैं। 1949 में बनाया गया भारतीय संविधान अपने सभी नागरिकों के लिए समानता और न्याय के वादे की पूर्ति के लिए कटिबद्ध है। कई भारतीय मुसलमानों के लिए, यह संवैधानिक गारंटी उनके अपनेपन की भावना और भविष्य के लिए आशा का केंद्र है। यह शिकायतों को संबोधित करने के लिए एक मंच और एक रूपरेखा प्रदान करता है जिसके अंतर्गत वे अपने अधिकारों का दावा कर सकते हैं और व्यापक समाज में योगदान कर सकते हैं। सांप्रदायिक तनाव के दौर के बावजूद, भारत में मुसलमान चुनावों में मतदान से लेकर नागरिक समाज में शामिल होने तक लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते रहे हैं। लोकतांत्रिक में भारतीय मुसलमानों के विश्वास का एक महत्वपूर्ण कारण है उनकी राजनीतिक प्रक्रिया में भागीदारी, भारतीय मुसलमान ऐतिहासिक रूप से राजनीति में सक्रिय रहे हैं और ऐसे नेता तैयार करते रहे हैं जिन्होंने स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

जबकि सरकार में मुस्लिम प्रतिनिधित्व की पर्याप्तता के बारे में बहस चल रही है राजनीतिक जुड़ाव समुदाय-विशिष्ट मुद्दों को संबोधित करने के लिए एक शकितशाली उपकरण बना हुआ है। हाल के वर्षो में, कई मुस्लिम नेतृत्व वाले राजनीतिक आंदोलन और पार्टियां उभरी हैं, जो अधिक प्रतिनिधित्व और वकालत की बढ़ती इच्छा को दर्शाती हैं। ये आंदोलन हालांकि कभी-कभी बाधाओं का सामना करते हैं, सकारात्मक परिवर्तन लाने की लोकतंत्र की क्षमता में स्थायी विश्वास को प्रदर्शित करते हैं। भारतीय चुनाव आयोग द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस बार होने वाले लोकसभा चुनाव में अकेले गुजरात की 26 में से 25 सीटों पर 35 मुस्लिम उम्मीदवार मैदान में हैं, जो की एक सराहनीय आंकड़ा है।

लोकतंत्र में अपनी आस्था के बावजूद, भारतीय मुसलमानों को अक्सर महत्वपूर्ण आर्थिक और शैक्षिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सच्चर समिति की रिपोर्ट (2006) में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि भारत में मुसलमान अन्य समुदायों की तुलना में शिक्षा, रोजगार और आर्थिक स्थिति में पीछे हैं। राष्ट्रीय औसत की तुलना में मुसलमानों में गरीबी की उच्च दर और शिक्षा के निम्न स्तर के साथ यह स्थिति बनी हुई है। इस असमानता में कई कारक योगदान करते हैं, जिनमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सीमित पहुंच, रोजगार में भेदभाव और सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों में कम प्रतिनिधित्व भी शामिल हैं।

इन मुद्दों के समाधान के लिए लक्षित नीतियों और समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता की आवश्यकता है जिसकी वकालत कुछ राजनीतिक नेता और नागरिक समाज संगठन कर रहे हैं। इन चुनौतियों के जवाब में, विभिन्न मुस्लिम नेतृत्व वाली पहल और नागरिक समाज के संगठन समुदाय के उत्थान के लिए काम कर रहे हैं। मुस्लिम संगठनों द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों का उद्देश्य वंचित छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। इसी तरह, गैर सरकारी संगठन और जमीनी स्तर के आंदोलन मुस्लिम समुदाय के भीतर गरीबी स्वास्थ्य और लैंगिक समानता जैसे मुद्दों को संबोधित कर रहे हैं। ये प्रयास विपरीत परिस्थितियों में भारतीय मुसलमानों के लचीलेपन और अनुकूलन क्षमता का उदाहरण देते हैं। वे न्याय और समानता के लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति समुदाय की प्रतिबद्धता को भी उजागर करते हैं तब भी जब व्यवस्था लड़खड़ाती हुई प्रतीत होती है, बुलंद हौसले ही उन्हें आगे बढ़ा सकते हैं।

मुस्लिम समाज के समक्ष चुनौतियां बनी हुई हैं, भारतीय मुसलमानों के बीच समग्र भावना आशावाद की ओर झुकी हुई है।

लोकतंत्र, प्रतिनिधित्व और न्याय के अपने वादे के साथ एक मार्गदर्शक प्रकाश बना हुआ है। अधिक समानता और अवसर के लिए चल रहा संघर्ष एक व्यापक कथा का हिस्सा है जो भारत के मुस्लिम समुदाय की ताकत और लचीलेपन को रेखांकित करता है। अंततः लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर भारतीय मुसलमानों का भविष्य प्रणालीगत मुद्दों को संबोधित करने और अधिक समावेशी समाज को बढ़ावा देने के सामूहिक प्रयासों पर निर्भर करेगा।

जब तक समुदाय लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जुड़ा रहेगा, तब तक एक अधिक न्यायसंगत भविष्य की आशा बनी रहेगी, जहां आर्थिक और शैक्षिक चुनौतियों को दूर किया जा सकता है इसके लिए उन्हें समाज के हर वर्ग के कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ना होगा।

कुछ-अलग

हम बच्चों को उनकी साधारणता में भी असाधारण महसूस करा सकते हैं

एन. रघुरामन

एक बच्चे के मन में शिक्षक की पहली छाप उनकी वेशभूषा और हुलिए की बनती है। और ये बात वे 1960 के दशक में शिक्षिका बनने से पहले ही जानती थीं। सूती साड़ियों का उनका चयन, स्टार्च से साड़ियों की क्रिस्पनेस बनाए रखने की उनकी क्षमता, और जिस तरह से वे उन्हें पहनती थीं- जिससे प्लीट्स हवा में लहराती और लगता कि झरने से पानी बह रहा है- जिससे छात्र उनके वार्डरोब के बारे में उत्सुकता से भर जाते थे।

जब बच्चे प्रार्थना के लिए सभागार में खड़े होते तो अवलोकन की अद्भुत क्षमता से वे उन विद्यार्थियों को तुरंत खोज लेती जिनकी आंखें खुली होती थीं। स्मृति भी इतनी तीक्ष्ण थी कि वे बच्चों को नाम से पुकारकर उन्हें आंखें बंद करने के लिए कहतीं। वे हमेशा रीढ़ सीधी करके चलती थीं, क्योंकि बच्चों के भविष्य को आकार देने के लिए किसी भी हद तक जाने की क्षमता के अलावा वे बुद्धि-ज्ञान से भी परिपूर्ण थीं। वे ये सुनिश्चित करती थीं कि बच्चों को हर खेल स्कूल में ही सिखाएं, यहां तक कि घुड़सवारी भी। वे दूरदर्शिता सख्त प्रशासकीय क्षमता में परिपूर्ण थीं, पर जब प्यार देने की बात आती तो उसमें वे सर्वोत्कृष्ट थीं। क्या आप यकीन करेंगे, जब किसी बच्चे के मुंह से लार टपकने लगती तो वे बिना हिचकिचाहट उसे अपने 'पल्लू' से पोंछ देती थीं। बच्चे कपड़े गंदे कर लेते तो वे उन्हें गोद में बैठाने से संकोच नहीं करतीं। वे हर बच्चे की विशिष्टता को परखकर उसे बढ़ावा देने में माहिर थीं, ताकि वह जीवन में किसी पर निर्भर न रहें। वे बच्चों को उनकी साधारणता में भी असाधारणता का एहसास करा सकती थीं। वे हमेशा बच्चों से कहतीं, 'आप क्या पढ़ते हैं ये महत्वपूर्ण नहीं है, आप उससे क्या सीखते हैं ये अधिक महत्वपूर्ण है।'पीएन कावूरी नाथ छोटे कस्बे से थीं और खुद स्लो-लर्नर व गणित में कमजोर होने के बावजूद महाराजा सवाई मानसिंह विद्यालय (एमएसएमएसवी), जयपुर की संस्थापक प्रिंसिपल बनीं और दिव्यांग बच्चों के लिए समर्पित दिशा फाउंडेशन की स्थापना भी की। उनका मानना था कि जैसे उनके पति- जो डब्ल्यूएचओ में वरिष्ठ वैज्ञानिक थे और जो उन्हें अधिक सीखने के लिए दुनिया भर में ले गए- ने उनका साथ दिया, उसी तरह थोड़े से सपोर्ट से कोई भी व्यक्ति कुछ बन सकता है। वे अनुयायी नहीं नेता बनाने में विश्वास करती थीं। यही कारण है कि वे भारतीय विद्या भवन, दिल्ली में एक प्रतिष्ठित पद से आईं और एमएसएमएसवी की शुरुआत की, जो 1995 में उनकी सेवानिवृत्ति के 30 साल बाद भी उनके योगदान पर बात करता है। उन्होंने उच्च शिक्षित गृहणियों को शिक्षक के रूप में नियुक्त किया, न कि डिग्री धारकों को, क्योंकि तब शिक्षकों की नियुक्ति के नियम नहीं थे। ऐसे में क्या आश्चर्य कि जब दिशा को मदद की जरूरत पड़ी और वे बीमार थीं, तो 60 के दशक के बाद के अधिकांश छात्र मदद के लिए आगे आए।

नायब सिंह सैनी बोले- जो अधिकारी गलत करेगा चक्कर कटवा देंगे

एजेंसी

चंड़ीगढ़, 13 मई (नवसत्ता)। हरियाणा के हिसार के नारनौंद की अनाज मंडी में आयोजित विजय संकल्प रैली को संबोधित करते हुए सीएम नायब सैनी ने कहा कि जो भी अधिकारी गलत करेगा चक्कर कटवा देंगे। ऐसी हालत कर देंगे। अभी 4 जून तक चुनाव आचार संहिता लगी हुई है। इसके बाद सभी व्यवस्था कर देंगे कि लोगों को कोई दिक्कत न आए। सीएम हाउस आपका है कभी भी आ सकते हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार में खर्ची तथा पर्ची दोनों चलती थी। पैसे वालों को ही नौकरी मिलती थी। आज बिना पर्ची-बिना खर्ची नौकरी मिलती है। नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस को आज विपक्ष के नेता भी नहीं है। जो

केजरीवाल कांग्रेस को पानी पी पी कर गाली देता था। बच्चों की कसम खाता था। अब कांग्रेस के गले मिल गए हैं। भ्रष्टाचारियों तथा परिवार को बचाने के लिए एकजुट हुए हैं। कांग्रेस घमंडिया गठबंधन के लोग इस देश को तोड़ने की बात करते हैं।

इस गठबंधन युवराज राहुल गांधी उनका समर्थन करता है। पिछले 55 साल के कांग्रेस के शासन पर 10 साल का नरेंद्र मोदी का शासन बहुत भारी है। कोई ऐसा सिर नहीं रहेगा जिसपर छत न हो। हर परिवार को आवास दिया जाएगा। कांग्रेस महज 272 पर चुनाव लड़ रही है। जब 2029 का चुनाव आएगा तो कांग्रेस कहीं नही लड़ रही होगी। प्रदेश के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि हरियाणा में तो बी कंपनी हैं बापू बेटा कंपनी हैं। कांग्रेस हो भाजपा या जजपा सभी में बापू बेटा कंपनी है। जजपा इनेलो तो लोगों को बेवकूफ बनाना चाहती है। नारनौंद में 2019 में बहकाने वाले आए गए। खोपर चाबी घुमा कर चले गए थे। अब चाबी गुम हो गई तथा कमरा बंद हो चुका है। यह देश के भविष्य का चुनाव है। कांग्रेस ने देश के संविधान में 100 बार परिवर्तन किए। 90 बार कांग्रेस ने चुनी हुई सरकारों को गिराया। देश में आपातकाल लागू करने वाली कांग्रेस आज लोकतंत्र की बात रही है। कांग्रेस अपने परिवार के खोटे सिक्के, नकली नोट को चलाना चाहती है। सीएए का बिल नरेंद्र मोदी लेकर आए तो घमंडिया गठबंधन ने विरोध किया। छह महीने तक रोड बंद कर दिया था।

कोविल्डशील्ड घोटाले के खिलाफ दादर में प्रदर्शन

मुंबई, 13 मई (नवसत्ता)। ए आई एम मुंबई की ओर से कोविड घोटाले वेक्सिन से होने वाली मौतों और अन्य मुद्दों को लेकर दादर स्थित कोतवाल गार्डन के पास प्रदर्शन किया गया, प्रदर्शन में 100 से अधिक महिला और पुरुषों ने हाथों में बैनर और पोस्टर लिए हुए थे ,उन्होंने शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया प्रदर्शनकारियों को पुलिस का सहयोग भी मिला क्योंकि दो दिन पूर्व 37 वर्षीय युवा पुलिस पुलिस अधिकारी की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी, संस्था के फिरोज मीठी बोरवाला ने बताया कि हमने कोविड़ वेक्सिन को अनिवार्य करने और प्रचारित करने वालों सहित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से वेक्सिन पीड़ितों के परिवारजनों के लिए मुआवजा और उन सरकारी अधिकारियों की निजी संपत्ति से मुआवजा देने की भी मांग की है जिन्होंने कोविड वेक्सिन को अनिवार्य किया।

अनुराग ठाकुर बोले- कांग्रेस की फेल गारंटियां और फेल सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली, 13 मई (नवसत्ता)। लोकसभा क्षेत्र हमीरपुर से चार बार के सांसद भाजपा प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार पांचवीं बार नामांकन दाखिल किया। इस मौके पर उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल भी मौजूद रहे। नामांकन के बाद पत्रकारों से बातचीत में अनुराग ठाकुर ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार सहित आम आदमी पार्टी पर सियासी निशाना साधा। ऊना-हमीरपुर रेलवे लाइन व मेडिकल कॉलेज हमीरपुर को लेकर भी प्रदेश कांग्रेस सरकार पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि सीएम सुक्खू की मेडिकल कॉलेज हमीरपुर में एक पैसे की भागीदारी नहीं है।

यह शुद्ध रूप से भाजपा की देन है। यह मेडिकल कॉलेज मोदी सरकार की देन है। उस वक्त केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा थे। 2015 भाजपा की मोदी सरकार ने यह मेडिकल कॉलेज स्वीकृत किया। 2018 में भाजपा ने इसका शिलान्यास किया। कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने एम्स और मेडिकल कॉलेज के लिए जमीन तक नहीं दी। केंद्र की ओर से मेडिकल कॉलेज के लिए तमाम बजट जारी कर दिया है। इस प्रोजेक्ट में कमी प्रदेश सरकार की ओर से रखी गई है। ऊना-हमीरपुर रेलवे के मुद्दे पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि 40 साल तक कांग्रेस ऊना में ट्रेन नहीं चलवा सकी। ऊना तक कई ट्रेनें पहुंचाई गई हैं। भानुपल्ली से बिलासपुर रेलवे लाइन का कार्य शुरू करवा दिया गया है लेकिन राज्य सरकार ने उसमें अपना हिस्सा नहीं दिया है।

राज्य की सरकार ने केंद्र के पैसे को जमीन अधिग्रहण का कार्य किया है, जबकि जमीन अधिग्रहण प्रदेश सरकार के बजट से की जानी चाहिए थी। केंद्र की सरकार ने ऊना-हमीरपुर रेलवेलाइन के लिए प्रदेश सरकार को कई दफा पत्र लिखा लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

बंगाल में दीदी ने गणतंत्र को गुंडातंत्र में बदला इंडिया गठबंधन को बताया डेंजरसः शिवराज

एजेंसी

भोपाल, 13 मई (नवसत्ता)। मध्यप्रदेश में चौथे और अंतिम चरण की आठ सीटों पर मतदान जारी है। इस बीच प्रदेश के नेता अब दूसरे राज्यों में प्रचार के लिए पहुंच रहे हैं। सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तीन लोकसभा सीटों पर प्रचार के लिए पश्चिम बंगाल पहुंचे। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इंडिया गठबंधन का मतबल बताते हुए कहा कि आई से इममैच्योर मतलब अपरिपक्व।

उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेता उलूल-जुलूल भाषण देते हैं। एन से नर्वस मतलब घबराए हुए। डी से डेंजरस मतलब खतरनाक। देश विरोधी बातें करते हैं और आई से इग्नोरेंट मतलब अनभिज्ञ। जनता से जुड़े विषयों की जानकारी नहीं है, जनता की परेशानियों से कोई सरोकार नहीं है।

शिवराज सिंह चौहान ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दीदी, मां माटी मानुष की नहीं बल्कि मनी, माफिया और मर्डर की सरकार चला रही है। बंगाल का पवित्र त्योहार है सिंदूर खेला। लेकिन ममता दीदी ने अपनी क्रूरता से बंगाल की महिलाओं का सिंदूर तक छीन लिया। टीएमसी के गुंडों के आतंक ने कई महिलाओं का सुहाग उजाड़ दिया है। महिलाओं को सशक्त करने हम लखपति दीदी बना रहे हैं, लेकिन ममता दीदी खुद घोटाला दीदी बन गई है। दीदी कहती थी करबो-लरबो-जीतबो, लेकिन सरकार में कर रही है काटबो, लराबो और मारबो। पूर्व सीएम ने कहा कि बंगाल में दीदी ने गणतंत्र को गुंडातंत्र में बदल दिया है।

भाजपा की महिला वॉर रूम से चुनाव पर पैनी नजर

एजेंसी

भोपाल, 13 मई (नवसत्ता)। भारतीय जनता पार्टी ने हो रहे लोकसभा चुनाव के लिए भोपाल के भाजपा प्रदेश कार्यालय में पहली बार वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए बनाए गए वॉर रूम से चुनाव पर पैनी नजर रखी जा रही है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में बनाए गए महिला वॉर रूम का प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा निरीक्षण किया है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय भोपाल में महिला वॉर रूम का निरीक्षण करने पहुंचे प्रदेश का अध्यक्ष वीडी शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि इस लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रबंधन ने पहली बार महिला वॉर रूम का विशेष प्रयोग किया है, पीएम मोदी जिस तरह नारी शक्ति, नारी वंदन, महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं तो ज्यादा से ज्यादा महिलाओं का मतदान कैसे हो इस पर मप्र के प्रबंधन ने लगातार काम किया और वॉर रूम बनाया है।

भाजपा ने चौथे चरण में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए एक प्रयोग किया है, भाजपा मप्र ने देश में पहली बार चुनावों में महिला वॉर रूम बनाया है। लोकसभा चुनाव में 400 पार का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने का संकल्प लिया था।

भाजपा पदाधिकारियों ने हर बूथ को 370 अधिक मतों के साथ जीतने का लक्ष्य बूथ के कार्यकर्ता को दिया था, लेकिन मध्य प्रदेश में पहले और दूसरे चरण के मतदान ने भाजपा को थोड़ा झटका दिया। कम मतदान प्रतिशत को देखते हुए पार्टी ने मेहनत की और तीसरे चरण में मतदान प्रतिशत बढ़ाया था। वीडी शर्मा ने बताया कि इस चरण की सभी 8 लोकसभा सीट की हर विधानसभा पर भाजपा की महिला कार्यकर्ता सामाजिक संस्थाएं नजर जमाए हैं। वीडी शर्मा ने कहा कि हमारी 38 प्रमुख कार्यकर्ता इसमें बहुत महत्वपूर्ण भूमिका में हैं तो मंडल की अध्यक्ष नीचे इस काम को कर रही हैं, फिर महापौर, नगर पालिका अध्यक्ष, नगर परिषद् अध्यक्ष सब महिलाओं के बीच जाकर मतदान की अपील कर रही हैं। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा महिलाएं भी मतदान के लिए आएं यही हमारा प्रयास है। शर्मा ने कहा है कि भाजपा प्रदेश कार्यालय में बनाये गए महिला पीएम मोदी जिस तरह नारी शक्ति, नारी वंदन, महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं तो ज्यादा से ज्यादा महिलाओं का मतदान कैसे हो इस पर मप्र के प्रबंधन ने लगातार काम किया और वॉर रूम बनाया है।

मप्र में लोकसभा चुनावों का आज अंतिम चरण है। चौथे चरण में मप्र में 8 सीटों देवास (अजा), उज्जैन (अजा), मंदसौर, रतलाम (अजजा), धार (अजजा), इंदौर, खरगौन (अजजा) एवं खंडवा में मतदान हो रहा है। तीसरे चरण में मतदान प्रतिशत बढ़ने से उत्साहित भारतीय जनता पार्टी ने तीसरे चरण में 10 प्रतिशत वोट बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है। इसी क्रम में चौथे और अंतिम चरण में भाजपा मप्र ने पहली बार महिला वॉर रूम बनाया है और ऐसा प्रयोग करने वाली वो देश की पहली पार्टी बन गई, सुबह से ही भाजपा महिला वार रूम काम कर रहा है।

बालकनाथ बोले- पाकिस्तान की प्रशंसा करने वाले कांग्रेसी नेताओं को पाकिस्तान चले जाना चाहिए

एजेंसी

चंड़ीगढ़, 13 मई (नवसत्ता)। मणिशंकर अय्यर के बयान को लेकर राजस्थान के विधायक बाबा बालकनाथ ने कहा है कि कांग्रेस के जो नेता पाकिस्तान की प्रशंसा कर रहे हैं, उन्हें पाकिस्तान ही चले जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें पाकिस्तान पसंद है। ऐसे लोगों की भारत में कतई जगह नहीं है।

वह सोमवार को झज्जर के खेड़ी खुम्मार सहित कई गांवों में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में चुनावी सभाएं करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों का भारत देश में बने राशनकार्ड से नाम हटाकर उन्हें विरासत के रूप में पाकिस्तान को सौंप देना चाहिए और यह बताना चाहिए कि यह पाकिस्तान की विरासत थी, इसलिए इन्हें पाकिस्तान को सौंप दिया गया।

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के जेल से बाहर आने के सवाल से बाबा बालकनाथ बचते नजर आए। उन्होंने कहा कि न्यायालय का सम्मान सबसे ऊपर होना चाहिए। न्यायालय ने जो फैसला दिया है, वह भी सम्माननीय है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के तीसरे प्रधानमंत्री के रूप में फिर से कमान संभालने वाले हैं, क्योंकि देश की जनता दिल और मन से नरेंद्र मोदी को देश के तीसरे प्रधानमंत्री के रूप में देख रही है।

खेल

क्वालीफाइंग नहीं, सीधे फेड कप फाइनल में खेलेंगे नीरज और किशोर

एजेंसी

नई दिल्ली, 13 मई (नवसत्ता)। टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा और किशोर जेना को भुवनेश्वर में 15 मई को होने वाले फेडरेशन कप फाइनल्स में सीधे प्रवेश दिया गया है। नीरज और किशोर ने अपने करियर में कई बार 75 मीटर का न्यूनतम क्वालीफाइंग मार्क हासिल किया है, इसलिए इन दोनों खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश देने का फैसला किया गया है। पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जुटे नीरज ने हाल ही में दोहा डायमंड लीग में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था और वह 88.38 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। नीरज महज दो सेंटीमीटर से शीर्ष स्थान हासिल करने से चूक गए थे। हालांकि एशियाई खेलों के रजत विजेता जेना का डायमंड लीग में पदार्पण निराशाजनक रहा था क्योंकि वह 76.31 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीन दौर के बाद बाहर हो गए थे। विश्व चैंपियनशिप 2023 में छठे स्थान पर रहे डीपी मनु की नजरें 85.50 मीटर के स्तर को पार करके पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर टिकी होंगी और वह भी सीधे फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे। नीरज चोपड़ा तीन साल में पहली बार भारत में किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने बताया कि 26 वर्षीय नीरज इसे लेकर काफी उत्साहित हैं। नीरज ने 2022 और 2023 में किसी भी घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया क्योंकि वह विदेश में प्रशिक्षण या प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। वह पिछली बार घरेलू टूर्नामेंट में मार्च 2021 में फेडरेशन कप में खेले थे। पता चला है कि नीरज दोहा से भारत पहुंच चुके हैं, लेकिन वह मंगलवार को भुवनेश्वर पहुंचेंगे।

एएफआई चाहता था कि नीरज टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद और पेरिस खेलों से पहले एक घरेलू प्रतियोगिता में भाग लें। भारतीय एथलेटिक्स के मुख्य कोच राधाकृष्णन नायर ने एएफआई के क्वालीफिकेशन नियमों का हवाला देते हुए कहा, वे सभी जो 75 मीटर के स्तर को पार कर चुके हैं।

चौथे स्थान पर रहे भारत के ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंदा

एजेंसी

नई दिल्ली, 13 मई (नवसत्ता)। भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा सुपरबेट रेपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रहे जबकि मैग्नस कार्लसन ने शीर्ष स्थान हासिल किया। यह टूर्नामेंट ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा है।

अंतिम दिन कार्लसन ने ब्लिट्ज वर्ग में नौ में से आठ अंक जुटाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। चीन के वेई यी अंतिम दिन 2.5 अंक की बढ़त के साथ उतरे थे लेकिन अंतिम नौ बाजियों में पांच ही अंक जुटा सके और दूसरे स्थान पर रहे। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन ने अंतिम दिन सात बाजी जीती और दो ड्रॉ की।

उन्होंने कुल 26 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। वेई उनसे आधा अंक पीछे दूसरे स्थान पर रहे। पोलैंड के डुडा यान क्रिस्टोफ ने 19.5 अंक के साथ तीसरा जबकि प्रज्ञानानंदा ने 19 अंक के साथ चौथा स्थान हासिल किया। भारत के अर्जुन एरिगेसी 18 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे। नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव ने 17.5 अंक के साथ छठा जबकि किरिल शेवचेनकोव ने 17 अंक के साथ सातवां स्थान हासिल किया। अनीष गिरी 14 अंक के आथ आठवें स्थान पर रहे। जर्मनी के विन्सेंट केमेर उनसे आधा अंक पीछे नौवें स्थान पर रहे जबकि विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर डी गुकेश ने 12.5अंक के साथ 10वां स्थान हासिल किया।

लड़कियों वाली टीम की तरह चाल चल रही आरसीबी

एजेंसी

नई दिल्ली, 13 मई (नवसत्ता)। आरसीबी की लड़कों वाली टीम उनके लड़कियों वाली टीम की तरह चाल चल रही है। आईपीएल 2024 के शुरू होने से पहले की बात है। स्मृति मंधाना की कप्तानी में आरसीबी की महिला टीम डब्ल्यूपीएल का खिताब जीतने की रेस से लगभग बाहर ही हो चुकी थी। लेकिन, फिर उनकी किस्मत ने ऐसी करवट ली कि सबकी उम्मीदों को झुठलाते हुए उन्होंने खिताब जीत लिया। वो पहली बार डब्ल्यूपीएल की चैंपियन बनी। आईपीएल2024 में फाफ डु प्लेसी, विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों से सजी आरसीबी की मेंस टीम की गाड़ी भी वैसे ही आगे बढ़ती दिख रही है, जैसे डब्ल्यूपीएल 2024 में वुमेन्स टीम की रास्ता बदली थी। सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि डब्ल्यूपीएल 2024 में हुआ क्या था? 10 मार्च 2024 को खेले मुकाबले में दिल्ली की महिला टीम के हाथों स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली आरसीबी को 1 रन से हार का सामना करना पड़ा। लेकिन, इसके बाद वो अपने बाकी मैच लगातार जीतती चली गई और खिताब पर कब्जा जमा लिया। आईपीएल 2024 में भी 21 अप्रैल को केकेआर से 1 रन से हारने के बाद आरसीबी की मेंस टीम किसी से नहीं हारी। अब आईपीएल 2024 में लगातार 5 मैच जीतने वाली वो पहली टीम भी बन गई है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या डब्ल्यूपीएल की कहानी आईपीएल की पिच पर भी दोहराई तो नहीं जा रही?

विराट कोहली दिल्ली के रहने वाले जरूर हैं लेकिन हकीकत में दिल्ली यानी आईपीएल 2024 के प्लेऑफ का टिकट अभी भी उनसे और उनकी टीम से दूर है। आईपीएल 2024 में लगातार 5 जीत के साथ इनके पॉइंट्स टेबल में 13 मैच खेलकर 12 अंक हैं।

इनकी पोजिशन फिलहाल 5वीं है। अब यहां से प्लेऑफ में जाने के लिए इन्हें किस्मत का वैसा ही साथ मिलना चाहिए, जैसा डब्ल्यूपीएल में महिलाओं की टीम को मिला था। ऐसा होने पर ही ये खिताबी जीत की स्क्रिप्ट लिख सकते हैं। आरसीबी को अपना आखिरी मैच सीएसके से खेलना है।

बजरंग का एक्सपायरी किट से सैंपल लेने पहुंचे डीसीओ को हटाया

एजेंसी

नई दिल्ली, 13 मई (नवसत्ता)। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान बजरंग का एक्सपायरी किट के साथ सैंपल लेने पहुंचे डोप कंट्रोल ऑफिसर (डीसीओ) को हटा दिया गया है। नाडा ने डीसीओ के खिलाफ कार्रवाई मामले की प्रारंभिक जांच के बाद की है। वहीं ट्रायल में सैंपल नहीं दिए जाने के आरोप में अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किए गए बजरंग ने नाडा को नोटिस का जवाब दे दिया है। उन्होंने इस मामले की जल्द सुनवाई की मांग की है। जांच में पाया गया कि 13 दिसंबर, 2023 को डीसीओ बजरंग के आवास पर सैंपल की किट नाडा ऑफिस से ले जाने की बजाय अपने पास से पुरानी किट ले गया था। सैंपल देने का समय सुबह आठ बजे था। बजरंग ने यूरिन सैंपल दे दिया था लेकिन ब्लड सैंपल देने वाली किट एक्सपायरी थी, जिसे बजरंग सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए नाडा पर एक्सपायरी किट के साथ सैंपल लेने का आरोप लगाया था। इसके बाद 10 मार्च को सोनीपत में हुए ट्रायल के दौरान उन्होंने डोप सैंपल नहीं दिया। साथ ही एक्सपायरी किट का जवाब देने को कहा। नाडा ने उन्हें इसके बाद अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया।

बजरंग ने अस्थायी प्रतिबंध के नोटिस जवाब में कहा है कि वह इस मामले की जल्द से जल्द सुनवाई चाहते हैं। सूत्र बताते हैं कि उनकी सुनवाई अगले सप्ताह किसी भी दिन हो सकती है। अगर बजरंग सुनवाई के दौरान अपने को निर्दोष साबित नहीं कर पाए तो उन पर दो से चार वर्ष का प्रतिबंध लग सकता है।

पाकिस्तान दूसरे टी-20 में आयरलैंड से सात विकेट से जीता

एजेंसी

नई दिल्ली, 13 मई (नवसत्ता)। पाकिस्तान ने आयरलैंड को 7 विकेट से हराकर तीन टी-20 मैचों की सीरीज में वापसी की है। इस जीत के साथ ही पाकिस्तान टीम ने सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है। पहला मैच आयरलैंड ने पांच विकेट से अपने नाम किया था। सीरीज का निर्णायक मुकाबला 14 मई को खेला जाएगा।

आयरलैंड ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 193 रन बनाए। पाकिस्तान ने 194 रन के टारगेट को 19 बॉल शेष रहते 3 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। कप्तान बाबर आजम फेल रहे और खाता भी नहीं खोल सके। मोहम्मद रिजवान ने 46 गेंद में 75 रन की नाबाद पारी खेली। बाबर आजम की कप्तानी में पाकिस्तान की यह 78 मैचों में 45वीं जीत है। इसके साथ ही वह दुनिया के सबसे कामयाब टी-20 कप्तान बन गए हैं।

उनके रहते हुए पाकिस्तान की टीम को 26 मैचों में हार मिली है, जबकि सात मैचों का कोई नतीजा नहीं निकला। बाबर ने युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा का रिकॉर्ड तोड़ा। ब्रायन की कप्तानी में युगांडा ने 44 मैच जीते थे।

पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड की खराब शुरुआत रही। उसके दो विकेट 34 रन पर ही गिर गए। ओपनर एंड्रयू बलबिरनी 34 रन के स्कोर पर शाहीन अफरीदी की गेंद पर फखर जमान को कैच देकर पवेलियन लौट गए। उन्होंने 14 गेंदों का सामना कर 16 रन बनाया। कप्तान पॉल स्टर्लिंग भी 7 गेंदों का सामना कर 11 रन बना कर आउट हो गए। उस समय टीम का स्कोर 2 विकेट के नुकसान पर 34 रन था।

लोर्कन टकर और हैरी टेक्टर के बीच तीसरे विकेट के लिए 42 गेंदों 62 रन की पार्टनरशिप हुई। लोर्कन 34 गेंदों का सामना कर 51 रन बनाए, जबकि हैरी टेक्टर ने 28 गेंदों का सामना कर 32 रन की पारी खेली। आयरलैंड के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी हैरी टेक्टर और कर्टिस कैम्फर के बीच 22 गेंदों पर 41 रन की हुई। कैम्फर ने 13 गेंदों का सामना कर 22 रन बनाए।

पाकिस्तान की ओर से शाहीन अफरीदी सबसे कामयाब गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 49 रन देकर 3 विकेट लिए। अब्बास अफरीदी ने 4 ओवर में 33 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद अमीर और नसीम शाह को 1-1 विकेट मिले। 194 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की खराब शुरुआत रही। पाकिस्तान को पहला झटका पहले ओवर की तीसरी गेंद पर 6 रन के स्कोर पर लगा। सैम अयूब 3 गेंदों में 6 रन बनाकर आउट हो गए। फिर कप्तान बाबर आजम भी 4 गेंदों का सामना कर बिना खाता खोले ही पवेलिन लौट गए।

उसके बाद दूसरे ओपनर मोहम्मद रिजवान और फखर जमान ने तीसरे विकेट के लिए 78 गेंदों पर 140 रन की साझेदारी कर पाकिस्तानी पारी को संभाला और जीत दिलाई। रिजवान ने 46 गेंदों का सामना कर 75 रन और फखर जमान ने 40 गेंदों का सामान कर 78 रन बनाए।

सीएम यादव बोले- बीजेपी की होगी प्रचंड जीत, कांग्रेस में दम नही

एजेंसी

उज्जैन, 13 मई (नवसत्ता)। प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने कांग्रेस पर फिर निशाना साधा है। वे मतदान के बाद मीडिया से चर्चा कर रहे थे। सीएम यादव ने कहा कि पाकिस्तान के लोग कांग्रेस की तारीफ क्यों करते हैं, और कांग्रेस के लोग पाकिस्तान की तारीफ से खुश भी क्यों होते हैं। पाकिस्तान ने जब-जब भी मौका पड़ा है, हमारी पीठ में छुरा घोंपा है। ऐसे में कांग्रेस पाकिस्तान से रिश्ता बनाती है, तो कांग्रेस वापस उस दौर में ले जाना चाहती है। जब देश में आतंकवादी घटनाएं होती थीं, कभी मुंबई, कभी दिल्ली, कभी टिफिन कभी साइकिल, सभी जगह बम फटते थे।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि देश में प्रधानमत्री मोदी ने नेतृत्व देकर यह अभय कीर्ति स्थापित की है। वे

हर तरह की स्थिति में देश का मनोबल बनाए रखते हैं। देश आज दुश्मनों से मुकाबला करने में सक्षम है। सुरक्षा के माहौल में भारत दुनिया का तीसरा ऐसा देश बन गया जो अपने देश के अंदर भी और बाहर के दुश्मनों से निपटने में सक्षम है। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि जनता भी इसे अप्रिशिएट करती है। सर्जिकल स्ट्राइक हो या एयर स्ट्राइक, कांग्रेस ने हमेशा उनके प्रमाण मांगे थे और सेना को अपमानित किया था। जब चुनाव चल रहा है और हम यह प्रश्न करते हैं तो कांग्रेस बगले झांकती है। कांग्रेस को इसकी कीमत चुकाना पड़ेगी।

सीएम ने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश चुनाव का ये चौथा चरण है। हमारी 29 लोकसभा सीटों का निर्वाचन संपन्न हो जाएगा। मुख्यमंत्री डा. यादव ने मप्र में कांग्रेस की स्थिति पर कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रदेश में कांग्रेस में दम नहीं है। कांग्रेस के 10 सीटें जीतने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेसी 29 सीटें जीतने की बात क्यों नहीं करते। कांग्रेस में दम ही नहीं है। डा. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने पहली बार एक दल से राजीनामा करते हुए एक सीट पहले समाजवादी पार्टी को दी और वह एक तरह से 29 में से एक सीट छोड़ चुके थे। दूसरी सीट से उनका प्रत्याशी चला गया। वे 29 सीट भी लड़ नहीं पा रहे हैं, वह किस रिजल्ट की तरफ बढ़ रहे हैं? दूसरी तरफ भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता ने कमर कसी है कि अबकी बार फिर मोदी सरकार, अब की बार 400 पार। डा. यादव ने कहा कि यहां भाजपा की सरकार है और मैं भाजपा सरकार का मुखिया होने के नाते अपनी इस सरकार के साथ पार्टी का दृष्टिकोण भी सबके सामने लेकर जाने वाला हूं। हमारी पार्टी जो कहती है उसे करके दिखाती है। उसका प्रमाण, मेरे से बड़ा तो कोई इस राज्य में नहीं है। यह केवल एक राज्य में नहीं, हर राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उदाहरण दिया है। कांग्रेस के लिए यह सीखने वाली बात है। कांग्रेस और उसके साथ-साथ जितने भी विपक्षी दल है उन्होंने परिवार तक ही सारी सत्ता सीमित रखी है। एक ही परिवार के मुख्यमंत्री, विधायक और सांसद बने। जबकि इतने बड़े समाज में सभी वर्गों से प्रतिनिधित्व होना चाहिए। यह परंपरा प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी की रही है।

मुख्यमंत्री डा. यादव ने कहा कि वोट डालने से पहले भगवान का आशीर्वाद जरूरी है। वार्ड क्रमांक 38 और यहां मैं 60 नंबर बूथ पर वोट डालने आया हूं।

केजरीवाल के घर पर राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से साथ हुई बदसलूकी!

एजेंसी

नई दिल्ली, 13 मई (नवसत्ता)। दिल्ली पुलिस को सोमवार सुबह लगातार दो कॉल आई, दोनों सिविल लाइंस स्थित मुख्यमंत्री आवास से आई। कथित तौर पर आप नेता स्वाति मालीवाल होने का दावा करने वाली कॉल करने वाली महिला ने कथित तौर पर हमला किए जाने के बाद आपातकालीन सेवाओं को फोन किया। पुलिस सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। एक कॉल में, जो सुबह 9:30 बजे के आसपास की गई थी, कॉल करने वाले ने दावा किया कि उस पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार ने हमला किया था। हालांकि, इसको लेकर आम आदमी पार्टी और स्वाति मालीवाल ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन भाजपा इसको लेकर आम आदमी पार्टी पर हमलावर हो गई है। बीजेपी नेता शाजिया इल्मी ने कहा कि मैंने इन लोगों के साथ काम किया है और उन्हें करीब से देखा है इसलिए मुझे पता है कि उनके आंतरिक संबंध और आंतरिक गतिशीलता क्या हैं यह पहली बार नहीं है। 2018 में दिल्ली के पूर्व मुख्य सचिव अंशू प्रकाश के साथ भी सीएम आवास में इसी तरह मारपीट की गई थी। शाजिया इल्मी ने आगे कहा कि अरविंद केजरीवाल ने मुख्य सचिव को झूठा करार दिया लेकिन हम जानते हैं कि इस मामले में प्रकाश जारवाल और अमानतुल्ला खान के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इन दोनों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया था। उन्होंने कहा कि जहां तक विभव की बात है तो वह हमेशा लोगों को परेशान करता है, उनका अपमान करता है और उनके साथ गलत व्यवहार करता है। मैं उसे जानता हूं क्योंकि मैंने इसका प्रत्यक्ष अनुभव किया है। नई दिल्ली से बीजेपी उम्मीदवार बांसुरी स्वराज ने कहा कि आज एक शर्मनाक खबर मिली कि अरविंद केजरीवाल के उकसाने पर उनके ओएसडी ने उनकी पार्टी की एक सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट और बदसलूकी की है। उन्होंने दिल्ली पुलिस को भी फोन कर इसकी शिकायत की।

बंगाल में चुनावी हिंसा के बीच बहरामपुर में भारी मतदान

एजेंसी

कोलकाता, 13 मई (नवसत्ता)। बरहामपुर से कांग्रेस सांसद और पार्टी उम्मीदवार अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि टीएमसी के गुंडे, कार्यकर्ता सड़कों पर कब्जा करने और लोगों के लिए समस्याएं पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। मैंने चुनाव आयोग से उन्हें तितर-बितर करने का अनुरोध किया है लेकिन वे फिर से वापस आ जाते हैं। टीएमसी मतदान प्रतिशत कम करना चाहती है क्योंकि वे जानते हैं कि ज्यादातर लोग टीएमसी के खिलाफ मतदान कर रहे हैं, इसलिए वे मतदान प्रक्रिया में बाधा डालना चाहते हैं। हम उन्हें किसी भी बूथ पर कब्जा नहीं करने देंगे, न ही मैं बहरामपुर में टीएमसी को जीतने दूंगा।

बीरभूम के दुर्गापुर में टीएमसी कार्यकर्ताओं पर बीजेपी के स्टॉल तोड़ने पर विवाद हो गया। टीएमसी नेताओं का कहना है कि बीजेपी नेता केंद्रीय बलों के साथ मिलकर वोटिंग को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे थे, जिसका विरोध किया गया। शुरुआती दो घंटों के दौरान सबसे

अधिक वोटिंग बहरामपुर में हुई है। पश्चिम बंगाल की आठ लोकसभा सीट पर दोपहर एक बजे तक 51.87 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बर्धमान पूर्वी (आरक्षित सीट) पर सबसे अधिक 55.87 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। वहीं, दूसरे स्थान पर बोलपुर में 54.81 प्रतिशत मतदान हुआ। उन्होंने कहा कि राणाघाट (आरक्षित) लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में 52.70 प्रतिशत बहरामपुर में 52.27 प्रतिशत बर्धमान-दुर्गापुर में 50.30 प्रतिशत कृष्णानगर में 49.72 प्रतिशत, बीरभूम में 49.63 प्रतिशत और आसनसोल में 49.55 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

अफजाल अंसारी या बेटी लड़ेगी चुनाव?

संवाददाता

लखनऊ, 13 मई (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हैं। इस बीच उत्तर प्रदेश की गाजीपुर लोकसभा सीट पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। यहां मुकाबला दिलचस्प होने वाला है। समाजवादी पार्टी ने मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी को टिकट दिया है, जोकि मंगलवार को नामांकन दाखिल करने के लिए पहुंचे। पहले अफजाल अंसारी की बेटी नामांकन दाखिल करने पहुंचीं, उसके बाद अफजाल पहुंचे। अफजाल के ऊपर खतरा मंडरा रहा है क्योंकि गैंगस्टर एक्ट मामले में सुनाई गई सजा को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई है। अफजाल अंसारी को गैंगस्टर एक्ट में सुनाई गई सजा के खिलाफ अर्जी पर जस्टिस संजय कुमार की सिंगल बेंच सुनवाई कर रही है। अफजाल अंसारी के साथ ही राज्य सरकार और कृष्णानंद राय के परिवार की अर्जी पर भी कोर्ट सुनवाई कर रही है। कृष्णानंद राय के बेटे पीयूष राय ने गैंगस्टर एक्ट में मिली 4 साल की सजा को बढ़ाए जाने की

मांग की है। अफजाल अंसारी के चुनाव लड़ने की उम्मीदें अब न के बराबर हुई है। वह अब अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। अफजाल अंसारी के वकीलों ने हाईकोर्ट मंगलवार को अपना पक्ष रखा। 20 मई को अब हाईकोर्ट में अगली सुनवाई होगी। अफजाल को गाजीपुर की एमपी एमएलए कोर्ट ने पिछले साल 29 अप्रैल को गैंगस्टर मामले में 4 साल की कैद और एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। बीजेपी के विधायक रहे कृष्णानंद राय की हत्या को लेकर गाजीपुर के मोहम्मदाबाद थाने में अफजाल अंसारी के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में केस दर्ज किया गया था, जिसमें गाजीपुर की विशेष अदालत ने दोषी कर देते हुए अफजाल अंसारी को सजा सुनाई है।

अफजल अंसारी की जमानत इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंजूर कर ली थी। हालांकि सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इसके चलते संसद सदस्यता समाप्त कर दी गई थी। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने सजा पर रोक लगाई। और अपील पर जल्द से जल्द सुनवाई करने का आदेश दिया था। अब राज्य सरकार ने भी सजा बढ़ाने की मांग कर अपील दाखिल कर दी। अब इलाहाबाद हाईकोर्ट से अगर अफजाल को राहत नहीं मिलती है तो वो चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। अफजाल अंसारी को अगर हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलती है और उनकी सजा नहीं रद्द होती है तो वह लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। वह अपनी जगह बेटी नुसरत अंसारी को चुनाव लड़ाएंगे। हालांकि अफजाल अंसारी आज समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के तौर पर गाजीपुर से नामांकन कर रहे हैं। गाजीपुर में नामांकन की अंतिम तारीख कल यानी 14 मई है।

हाथ नहीं फिर भी पैर से किया मतदान

भोपाल, 13 मई (नवसत्ता)। मतदान के दौरान आज अपना कर्तव्य निभाने की एक खूबसूरत तस्वीर उज्जैन के घास मंडी चौराहा में बने बूथ पर दिखाई दी, जहां पर दोनों हाथों से माजूर एक व्यक्ति ने पैरों से मतदान कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पैरों से दिव्यांग धनुष व्यास ट्राई साइकिल से आए, उसके बाद केंद्र में मौजूद कर्मचारियों द्वारा व्हीलचेयर पर बैठाकर मतदान करवाया। बड़वानी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गुड़ी स्थित मतदान केंद्र क्र. 32 पर पारंपरिक वेशभूषा में युवतियों ने पहली बार उत्साहपूर्वक मतदान किया।

नित्यानंद राय ने बिहार की 40 सीटों पर जीत का किया दावा

एजेंसी

पटना, 13 मई (नवसत्ता)। केंद्रीय मंत्री और उजियारपुर लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार नित्यानंद राय ने बिहार की 40 सीटों पर जीत का दावा किया है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि बिहार में हम सभी 40 सीटें जीतेंगे। उजियारपुर में हमें 4 लाख से ज्यादा वोट मिलेंगे। मैं उजियारपुर के लोगों से आग्रह करता हूं कि वे वोट डालें क्योंकि यह लोकतंत्र का सबसे बड़ा त्योहार है। उन्होंने कहा कि हम निश्चित रूप से तीसरी बार और अधिक अंतर से जीतेंगे...मैं सभी से अपना वोट डालने का आग्रह करता हूं..लोगों के आशीर्वाद से मैं यह चुनाव भी जीतूंगा। उन्होंन साफ तौर पर कहा कि लोग पीएम मोदी के साथ हैं। समस्तीपुर लोकसभा सीट से एलजेपी प्रत्याशी शांभवी चौधरी ने कहा कि चुनाव प्रचार अच्छा था और मुझे बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। जब मैं छोटा था तभी से लोगों के साथ मेरा स्वाभाविक जुड़ाव रहा है। लोगों के साथ एक अटूट रिश्ता है...मुझे खुशी है कि लोग वोट डाल रहे हैं। बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि मैं कहना चाहता हूं कि लखीसराय में हमारा उम्मीदवार 50,000 से अधिक वोटों के अंतर से जीतता है। इस बार राष्ट्रवाद; परिवारवाद पर जीत हासिल करने जा रही है। यह चुनाव भ्रष्टाचारियों और अपराधियों को संरक्षण देने वाले लोगों को हटाने का चुनाव है। आपको बता दें कि लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के तहत बिहार में लोकसभा की पांच सीट पर कड़ी सुरक्षा के बीच सोमवार को हो रहे मतदान के शुरुआती आठ घंटों के दौरान औसतन 45.23 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। राज्य की दरभंगा, उजियारपुर, समस्तीपुर बेगूसराय और मुंगेर लोकसभा सीट पर मतदान जारी है। बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार अपराह्न तीन बजे तक दरभंगा, उजियारपुर समस्तीपुर, बेगूसराय और मुंगेर संसदीय क्षेत्र में क्रमशः 47.61, 46.00, 47.24, 42.57 और 43.55 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

क्या पार्टी उम्मीदवार पोलिंग सेंटर पर चेक कर सकता है मतदाता की आईडी?

एजेंसी

नई दिल्ली, 13 मई (नवसत्ता)। क्या मतदान के दौरान पोलिंग बूथ पर कोई उम्मीदवार मतदाता का पहचान पत्र या आधार कार्ड चेक कर सकता है? सोमवार को हैदराबाद में यह मुद्दा उठा। हैदराबाद लोकसभा सीट से भाजपा कैंडिडेट माधवी लता का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वो पोलिंग स्टेशन पर मतदाताओं की आईडी कार्ड जांच रही हैं। कार्ड से उनके चेहरे का मिलान कर रही हैं। कई मुस्लिम मतदाताओं का बुर्का हटाकर चेहरा दिखाने की बात कह रही हैं। हालांकि जब माधवी लता से सवाल किया गया है तो उन्होंने कहा कि यह मेरा अधिकार है।सोशल मीडिया पर यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या कोई उम्मीदवार पोलिंग स्टेशन पर पहुंचकर ऐसा कर सकता है?

मतदान स्थल पर वोटिंग में किसी तरह की कोई गड़बड़ी न हो, इसके लिए पार्टियों के अधिकृत पोलिंग एजेंट वहां पर होते हैं, जो वहां नजर बनाए रखते हैं लेकिन वहां उम्मीदवार का रोल क्या है और क्या उनके पास वोटिंग कार्ड चेक करने का अधिकार है? क्या पुलिस पोलिंग सेंटर पर मतदाता का आईडी कार्ड चेक कर सकती है? आइए इस सवाल का जवाब जान लेते हैं। सुप्रीम कोर्ट के वकील विनीत जिंदल कहते हैं कि मतदान केंद्र के बाहर किसी भी प्रत्याशी के पास यह अधिकार नहीं है

कि वह मतदाताओं के पहचान पत्र की जांच कर सकें। यह काम चुनाव आयोग का है। वोटर कार्ड या कोई भी अधिकृत पहचान पत्र चेक करने का अधिकार केवल मतदान केंद्र के अंदर तैनात अधिकारियों-कर्मचारियों के पास है। सुप्रीम कोर्ट के वकील आशीष पांडे कहते हैं, मतदान स्थल पर पोलिंग एजेंट या पार्टी के उम्मीदवार के पास ऐसा कोई भी काम करने का अधिकार नहीं है, जिससे वोटिंग की प्रक्रिया में किसी तरह की बाधा पहुंचे या मतदाता परेशान हो।

अगर किसी पोलिंग सेंटर पर उम्मीदवार आपसे किसी तरह का आईडी कार्ड दिखाने को कह रहा है तो उसे मना कर सकते हैं। संवैधानिक तौर उसके पास ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं है। अगर किसी पार्टी को लगता है कि किसी बूथ पर गड़बड़ी हो रही है या हो सकती है, तो वहां पर अपने एजेंट की तैनाती कर सकते हैं, लेकिन उनके पास भी ऐसा कोई अधिकार नहीं है जो मतदान की प्रक्रिया को बाधित करे। या उनके मतदाता को मतदान के अधिकार को रोके।

हालांकि, अगर कोई शख्स या दूसरी पार्टी का एजेंट इसको लेकर आपत्ति नहीं दर्ज कराता है तो पर उस किसी तरह का कोई मामला नहीं बनता है। उस कोई कार्रवाई नहीं होगी।

पुलिस मतदाता का आईडी चेक कर सकती है या नहीं, इस पर सुप्रीम कोर्ट के वकील अश्विनी दुबे कहते हैं, मतदान केंद्र में प्रवेश करते समय तैनात पुलिस अफसर केवल पहचान की दृष्टि से जरूर कोई दस्तावेज मांग सकते हैं। अगर किसी भी तरह के कन्फ्यूजन की स्थिति बनती है तो मतदान केंद्र के अंदर पार्टियों के अधिकृत प्रतिनिधि अफसरों के सामने मतदाता अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकते हैं।

मोदी के लिए वोट मांगने वाली अफसर को हटाया

एजेंसी

भोपाल, 13 मई (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में मध्य प्रदेश की आठ सीटों पर मतदान जारी है। इंदौर, उज्जैन, देवास खरगोन, रतलाम, मंदसौर, खंडवा और धार सीट पर वोटिंग हो रही है। दोपहर एक बजे तक प्रदेश में 48.52 फीसदी वोटिंग हो चुकी हैं। यहां सुबह सात बजे से मतदान जारी है जो शाम छह बजे तक चलेगा।

सुबह से ही इन सीटों पर कुछ ऐसे मामले सामने आए जिनसे विवाद की स्थिति बन गई। उज्जैन में पीठासीन महिला अधिकारी ने पीएम मोदी के नाम पर वोट मांगे, धार में कर्मचारी की मौत हो गई। इंदौर में नोटा को लेकर भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ता भिड़ गए। अब विस्तार से जानिए, चुनाव के दौरान घटी पांच घटनाओं के बारे में।

मप्र की इंदौर लोकसभा सीट पर सुबह से ही मतदान जारी है। कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय बम के नाम वापस लेने के बाद यहां भाजपा प्रत्याशी शंकर लालवानी के सामने विपक्षी उम्मीदवार नहीं है। ऐसे में कांग्रेस यहां नोटा पर जोर दे रही है। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बूथों के बाहर नोटा के लिए टेबल लगाई है। शहर के नंदा नगर स्थित सुगनी देवी कॉलेज परिसर में नोटा टेल को लेकर कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ताओं में विवाद हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग किया। इसके बाद मामला शांत हुआ। शहर में अन्य जगह

से भी छुटपुट विवाद की खबरें सामने आई हैं।

उज्जैन आलोट संसदीय क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक 35 पर एक महिला पीठासीन अधिकारी आरती प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर वोट मांग रही थी। जानकारी लगते ही कांग्रेस प्रत्याशी महेश परमार मतदान केंद्र पर पहुंचे और उन्होंने अधिकारियों से बात कर शिकायत की। उन्होंने अधिकारी को पीठासीन अधिकारी का वीडियो दिखाया। लेकिन अधिकारियों ने उनकी बात नहीं मानी तो परमार धरने पर बैठ गए। बाद में कलेक्टर ने महिला अधिकारी पर कार्रवाई करते हुए उसे हटा दिया। हालांकि, महिला अधिकारी ने इसे लेकर माफी भी मांगी थी।

खंडवा संसदीय क्षेत्र के सनावद में बूथ क्रमांक 180 पर एक महिला कमल के फूल की प्रिंट वाली साड़ी पहनकर मतदान करने पहुंची। इस पर कांग्रेस प्रत्याशी नरेंद्र पटेल ने आपत्ति ली। इसे लेकर महिला ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह सिर्फ कमल का फूल का है। इस पर कांग्रेस प्रत्याशी ने कहा कि यह एक राजनीतिक पार्टी का चिन्ह हैं।

रोहिणी के समक्ष लालू के गढ़ को बचाने की चुनौती

एजेंसी

पटना, 13 मई (नवसत्ता)। बहुप्रतीक्षित चुनावी मुकाबले में, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य आगामी लोकसभा के लिए सारण निर्वाचन क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राजीव प्रताप रूडी के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। ऐतिहासिक रूप से लालू प्रसाद यादव का गढ़ रहे सारण में यादव की अयोग्यता के बाद सत्ता भाजपा के राजीव प्रताप रूडी के पास चली गई। पूर्व केंद्रीय मंत्री रूडी ने 2014 और 2019 दोनों चुनावों में जीत हासिल की, जिससे निर्वाचन क्षेत्र में उनकी स्थिति मजबूत हुई।

सारण, एक समृद्ध राजनीतिक इतिहास वाला निर्वाचन क्षेत्र है, जिसका प्रतिनिधित्व पहले लोकसभा में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव करते थे। 2009 के चुनावों में राजीव रूडी पर यादव की महत्वपूर्ण जीत बिहार के चुनावी परिदृश्य में निर्वाचन क्षेत्र के महत्व को उजागर करती है। लालू यादव की अयोग्यता के बाद, राजीव रूडी 2014 के चुनावों में लालू की पत्नी राबड़ी देवी को हराकर विजयी हुए। 2019 में रूडी के पुनः चुनाव ने सारण में मौजूदा सांसद के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत कर दिया, जिससे निर्वाचन क्षेत्र की

राजनीतिक साज़िश बढ़ गई।

सारण पारंपरिक रूप से यादव समुदाय का गढ़ रहा है, जो बिहार की राजनीति में इसके महत्व में योगदान देता है। सबसे बड़े जनसांख्यिकीय के रूप में यादव समुदाय के साथ, निर्वाचन क्षेत्र चुनावी गणना में रणनीतिक महत्व रखता है। बिहार में आगामी लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में होंगे, जिसमें 20 मई को पांचवें चरण में सारण में मतदान होगा। रोहिणी आचार्य का सारण से चुनाव लड़ने का निर्णय चुनावी कैलेंडर के रणनीतिक समय के अनुरूप है। निर्वाचन क्षेत्र के ऐतिहासिक और राजनीतिक महत्व को भुनाने के उनके इरादे का संकेत।

सारण पूर्वी भारत में बिहार राज्य के 40 लोकसभा (संसदीय) निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है। यह निर्वाचन क्षेत्र 2002 में गठित भारत के परिसीमन आयोग की सिफारिशों के आधार पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के कार्यान्वयन के एक भाग के रूप में 2008 में अस्तित्व में आया। परिसीमन से पहले यह छपरा (लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र) था। सारण में 6 विधानसभा की सीटें हैं। इनमें से चार पर राजद का कब्जा है जबकि दो पर भाजपा ने 2020 में जीत हासिल की थी।

राजीव प्रताप रूडी ही पहली बार इस सीट पर 1996 में जीत हासिल करने में कामयाब रहे थे। 1998 में यहां से राष्ट्रीय जनता दल के हीरालाल राय ने जीत हासिल की थी। 1999 में राजीव प्रताप रूडी ने फिर से वापसी करते हुए यहां जीत हासिल की। 2004 में राजीव प्रताप रूडी को लालू यादव के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के बाद लालू यादव केंद्र में रेल मंत्री बने थे।

डबल इंजन की सरकार में हुआ विकास भ्रष्टाचार व भ्रष्टाचारी हुए समाप्त: भूपेंद्र चौधरी

संवाददाता

मिर्जापुर, 13 मई (नवसत्ता)। देश और प्रदेश में डबल इंजन की सरकार के माध्यम से मिर्जापुर जिले का विकास जोरों से हुआ है। भ्रष्टाचार व भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा खत्म हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता देखकर विपक्ष के लोग परेशान हैं। गुंडाराज खत्म हो चुका है। मोदी के आने के बाद भारत की राजनीति में सब कुछ बदला है। एनडीए में शमिल अपना दल एस की अध्यक्ष एवं जिले की सांसद तथा केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल द्वारा 79 -मिर्जापुर संसदीय सीट से सोमवार को नामांकन से पूर्व स्थानीय महुअरिया स्थित बीएलजे मैदान में आयोजित जनसभा को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने जनपद वासियों से भाजपा समर्थित प्रत्याशी अनुप्रिया पटेल के पक्ष में मतदान की अपील करते हुए कहा कि वर्ष 2024 के इस चुनाव को आप गठबंधन प्रत्याशी को जीता ही रहे हैं साथ ही आप विकसित भारत संकल्प को पूरा करने की ओर चल पड़े हैं। उन्होंने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि 10 साल भारत की राजनीति में परिवारवाद, जातिवाद, व्यक्तिवाद, भ्रष्टाचार, वोट बैंक और तुष्टीकरण ही चलता था, लेकिन जब से हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी आये हैं विकासवाद की राजनीति को आगे बढ़ाया है और मंत्र रखा कि सबका साथ, सबका-विकास, सबका विश्वास और सबका-प्रयाश। इसी रिपोर्ट कार्ड से आज देश विकास की ओर पीएम मोदी के नेतृत्व में अग्रसर है। इसके साथ-साथ प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ के अनेकों विकास कार्यों की उन्होंने चर्चा के दौरन अपना दल (एस) की प्रत्याशी अनुप्रिया पटेल को जिताने का आह्वान करते हुए कहा कि बूथ संगठन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है जिसके बल पर सभी कार्यक्रम सम्पन्न होते हैं। और वहीं चुनाव के दौर में बूथ कमेटी के बल पर ही हम चुनाव जीतते हैं। भाजपा के बूथ अध्यक्ष अपन-अपने बूथों को जीत कर एक बार फिर मोदी सरकार बनाकर प्रदेश की 80 की 80 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करें। साथ में उ0प्र0 सरकार के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी नामांकन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार पुनः तीसरी बार आप सभी मिर्जापुर वासियों को गठबंधन प्रत्याशी अनुप्रिया पटेल को जिताना है साथ में

उन्होंने विकास कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि घर-घर शौचालय बनाकर प्रधानमंत्री मोदी ने देश की माताओं बहनों को हो रही असाध्य बीमारियों से छुटकारा दिलाया है और सम्मान बढ़ाया है। प्रधानमंत्री मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में देश व प्रदेश में बिजली, शिक्षा, यातायात उद्योग, पानी, सड़क, इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं स्वास्थ्य की सुविधा सुदृढ़ हुई है। साथ में उन्होंने यह भी कहा कि कानून व्यवस्था दुरुस्त हुई, अपराधी, माफियाओं का दहशत खत्म हुआ है। सपा पर तंज कसते हुए कहा कि सपा तो भाई और परिवारवाद में सिमटी हुई है।

नामांकन सभा की अध्यक्षता भाजपा के जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने की तथा बतौर मुख्य अतिथि भूपेन्द्र चौधरी एवं उ0प्र0 सरकार के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक रहे। साथ में प्रदेश सरकार के आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) / क्लस्टर प्रभारी दयाशंकर मिश्रा दयालु एवं निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष/ उ0प्र0 सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद रहे। इस दौरान भाजपा के जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने आये हुए मुख्य अतिथियों का अंगवस्त्र व पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। साथ में मीरजापुर लोकसभा सांसद प्रत्याशी अनुप्रिया पटेल ने मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। नामांकन सभा में लोकसभा प्रत्याशी नें अपने भाषण में आये हुए सभी मंचासीन अतिथियों एवं सभी संयुक्त गठबंधन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की यह तीसरी बार सरकार बनने जा रही है, इस बार पूरे देश की जनता यह मन बना चुकी है कि 400 पार सीटों को देकर मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाना है। इसी कड़ी में उन्होंने कहा कि आप लोग मुझे 2014 में तथा 2019 में जोरदार जीत दिलाई है जिसके एवज में मैंने मीरजापुर लोकसभा क्षेत्र में सैकड़ो विकास के कार्य को किया तथा 2024 में भी इसी प्रकार जीत दिलाने के लिए तत्पर रहने का भरोसा दिलाया।

इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बतौर मुख्य अतिथि भूपेन्द्र सिंह चौधरी जी अपने संबोधन में भारत माता की जय का नारा लगाते हुए आये हुए सभी गठबंधन के कार्यकर्ताओं से फिर एक बार मोदी सरकार बनाने की अपील की और संयुक्त गठबंधन प्रत्याशी के लिए वोट मांगे। नामांकन सभा का संचालन भाजपा के जिला महामंत्री हरिशंकर पटेल ने किया।

उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला प्रभारी सरोज कुशवाहा लोकसभा प्रभारी रविन्द्र नाथ पाठक लोकसभा संयोजक दिनेश वर्मा जिला पंचायत अध्यक्ष राजू कन्नौजिया, पांचो विधानसभा के विधानसभा प्रभारी व विधानसभा संयोजक के साथ ङ्क साथ जिले के सभी पदाधिकारीगण व गठबंधन दल के पदाधिकारियों के साथ हजारों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश दूबे ने विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

नकाबपोश बदमाशों ने युवक को गोलियों से छलनी कर दिया

संवाददाता

जौनपुर, 13 मई (नवसत्ता)। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र का सबरहद गांव सोमवार सुबह गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। हौसलाबुलंद नकाबपोश बदमाशों ने युवक को गोलियों से छलनी कर दिया। वारदात इमरानगंज बाजार में हुई। अस्पताल ले जाते वक्त युवक की मौत हो गई। युवक रोजगार सेवक था, हिंदूवादी संगठनों से जुड़ा हुआ था और स्थानीय स्तर पर पत्रकारिता भी करता था। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

जानकारी के मुताबिक सबरहद गांव निवासी आशुतोष श्रीवास्तव सोमवार को सुबह नाश्ता करके अपने घर से करीब 400 मीटर दूर स्थित इमरानगंज बाजार पहुंचे थे। वहां सफेद अपाची बाइक से आए दो बदमाशों ने उनके ऊपर गोलियां बरसाईं। बदमाशों ने चहरे पर गमछा बांधा हुआ था। आशुतोष को सीने और पेट के ऊपरी

हिस्से में चार गोलियां लगीं। अचानक हुई वारदात से हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने आनन फानन में पुलिस को सूचित किया और गंभीर हालत में आशुतोष को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सामाजिक रूप से सक्रिय और स्थानीय स्तर पर पत्रकारिता करने की वजह से अस्पताल में गांव वालों और जानने वालों की भीड़ जुट गई । थोड़ी ही देर में पुलिस के उच्चाधिकारी भी पहुंच गए। पुलिस ने किसी तरह से समझाबुझाकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

विकलांगों और वृद्धजनों ने भी दिखाया मतदान के प्रति उत्साह

संवाददाता

कन्नौज, 13 मई (नवसत्ता)। कन्नौज लोकसभा क्षेत्र में आज सुबह मौसम सुहाना होने के कारण मतदाताओं ने बढ़ चढ़कर अपना बोट डालने में उत्साह दिखाया। हांलाकि दोपहर एक बजे मतदान की गति कुछ धीमी हुई, लेकिन 3 बजे के बाद फिर मतदाता बूथों पर नजर आने लगे। जिले में छिटपुट घटनाओं के बीच मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिले के 1519 मतदान केंद्रों पर पुलिस प्रशासन की कडी चौकसी के बीच 19 लाख 82 हजार मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करना था। इस चुनाव में 15 प्रत्याशी मैदान में हैं। जिनमें सपा प्रमुख अखिलेश यादव के अलावा बीजेपी से सुब्रत पाठक और बीएसपी से इमरान बिन जफर प्रमुख प्रत्याशी हैं। मतदाताओं की माने तो कन्नौज में इस बार मुकाबला सपा के अखिलेश यादव और बीजेपी के सुब्रत पाठक के बीच होगा। सोमवार की सुबह 7 बजे से मतदान की प्रक्रिया पोलिंग बूथों पर शुरू हुई तो मौसम सुहाना हो गया, जिसके बाद कहीं कहीं छिटपुट बूंदाबादी भी हुई। सुबह से ही तिर्वा, कन्नौज गुरसहायगंज, छिबरामऊ, सौरिख, सहित जिले भर के पोलिंग बूथों पर महिला पुरुष मतदाताओं की लंबी लंबी कतारें नजर आने लगी।

खास बात यह रही इस बार मतदाताओं में मतदान के प्रति उत्साह साफ नजर आ रहा था। जिले के डी एम शुभ्रांत कुमार शुक्ल से लेकर एसपी अमित कुमार आनंद ने जिले के कई मतदान केंद्रों का जायजा लिया और सुरक्षा की ब्यबस्था देखी। बीजेपी प्रत्याशी सुब्रत पाठक ने कहा कि यह चुनाव सांसद का नहीं बल्कि देश का है और मोदी के लिये मतदान हो रहा है। उन्होंने अपनी पत्नी नेहा पाठक और मां सरोज पाठक के साथ कन्नौज की भोलानाथ धर्मशाला में अपना बोट डाला। वहीं विधायक अर्चना पांडे ने अपने परिवार के साथ छिबरामऊ के पोलिंग बूथ पर अपने मताधिकार का

प्रयोग किया।जिले के मंत्री असीम अरुण भी अपने समर्थकों के साथ जिले में चुनाव का हाल चाल लेते रहे। उधर तिर्वा विधायक कैलाश राजपूत की झड़प सौंरिख के बूथ पर कुछ पुलिस कर्मियों से हो गई। उनका कहना था कि सपा के पक्ष में यहां कुछ पुलिस कर्मी मतदान करा रहे हैं उनको तत्काल हटाया जाय। उधर जिले के एक बूथ पर लगे पुलिस कर्मी को बीजेपी के लोग धमकाते नजर आये, इसकी शिकायत सपा ने आयोग से की है। बताया गया कि कन्नौज के बूथ 155 पर बीजेपी समर्थकों पर सपा के बोटरों को धमकाने का आरोप लगाया गया।कन्नौज के बूथ संख्या 301से 305 तक मुस्लिम मतदाताओं को मतदान धीमी गति से कराये जाने का आरोप भी सपा ने लगाया है।बीएसपी प्रत्याशी इमरान बिक जफर ने गुरसहायगंज के खांडेदेवर में दलितों को वोट न डालने दिये जाने की शिकायत एसपी से की। छिबरामऊ के पोलिंग केंद्र पर एक फर्जी मतदाता को पुलिस ने धक्के मार कर पोलिंग केंद्र के बाहर निकाल दिया। जिले के डीएम और एसपी ने कन्नौज के बूथ 295, 297, 298, 296 सहित जिले के कई पोलिंग बूथों का निरीक्षण किया। तिर्वा में मंडी समिति में बनाये गये पिंक पोलिंग बूथ और डीएन कॉलेज में बनाये गये पिंक बूथ पर मतदाताओं ने बढ़ चढ़ कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। खास बात यह भी रही कि विकलांग और बुजुर्गों में भी मतदान की प्रति उत्साह नजर आया। अंबेडकर नगर की एक वृद्ध महिला ने रॉड के सहारे दीनानाथ कॉलेज में पहुंचकर अपना मत डाला वहीं मंडी समिति में एक विकलांग ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यहां इस विकलांग को बूथ पर पहुंचाने में सुरक्षा में लगे पुलिस कर्मियों ने मदद की। तिर्वा के ठठिया रोड पर लगाये गये पोलिंग बस्ते पर भीड़ मौजूद रहने पर एक पुलिस अधिकारी की बीजेपी समर्थकों से कहा सुनी हो गई। जिसके बाद सख्ती से भीड़ को हटवा दिया गया। यहां सपा समर्थकों का आरोप था कि बीजेपी के कार्यकर्ता मतदाताओं को प्रभावित कर रहे हैं। उधर कन्नौज भ्रमण करते हुये तिर्वा क्षेत्र में पहुंचे मंडलायुक्त अमित कुमार गुप्ता और पुलिस के आला अधिकारियो ने तिर्वा कोतवाली में ब्यबस्था देखने के बाद तिर्वा के पोलिंग केंद्र का निरीक्षण भी किया। यहां के बाद अहेर पहुंचे मतदान केंद्र पर पुलिस अधिकारी ने मतदान केंद्र पर लगे एजेंटो से भी पूंछतांछ की। फर्जी बोटिंग किसी भी हाल में नहीं होनी चाहिये, इस बात की भी हिदायत दी गई। बीजेपी सांसद ने एक बूथ पर तैनात पीठासीन अधिकारी अर्चना यादव पर आरोप लगाकर शिकायत की, कि, उनके द्वारा सपा के पक्ष में मतदान कराया जा रहा है। जिले के एक पोलिंग बूथ से सपा के पोलिंग एजेंटो ने प्रशासन पर आरोप लगाया कि उनको बाहर निकाल दिया गया है। उधर दोपहर 2 बजे के करीब सपा मुखिया अखिलेश यादव भी कन्नौज पहुंचे। उनके द्वारा पोलिंग एजेंटो से बूथ पर हुई समस्याओं का हाल जाना गया। प्रशासन ने कहां कहां परेशान किया, इसके अलावा चुनाव प्रभावित करने को प्रशासन या बीजेपी के लोग कौन कौन हथकंडे अपना रहे हैं।

कारोबार

85 डॉलर से नीचे कच्चा तेल, क्या आपके शहर में सस्ता हुआ पेट्रोल?

एजेंसी

नई दिल्ली, 13 मई (नवसत्ता)। करीब दो महीने में कच्चे तेल की कीमतें सवा तीन फीसदी से पौने चार फीसदी तक कम हो चुकी हैं। मार्च के मिड में ही ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल 2 रुपए प्रति लीटर सस्ता किया था। उसके बाद से फ्यूल के दाम में फ्रीज बटन दबा दिया गया। अब सबसे बड़ा सवाल यही बन गया है कि आखिर कच्चे तेल की कीमत कम होने के बाद भी पेट्रोल और डीजल सस्ता क्यों नहीं हो रहा है? जानकारों की मानें तो चुनाव खत्म होने से पहले देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव संभव नहीं होगा। फिर चाहे कच्चे तेल की कीमतें कितनी ही कम क्यों ना हो जाएं।

वहीं दूसरी ओर अभी भी कच्चे तेल के दाम में तेजी लाने वाले ट्रिगर

कायम है। इजराइल और ईरान या हमास के बीच युद्ध खत्म नहीं हुआ है। रूस और यूक्रेन वॉर अभी भी चल रहा है। साथ ही ओपेक प्लस भी संकेत दे चुका है कि कच्चे तेल के प्रोडक्शन में वॉलेंटरी कट जून के बाद भी जारी रह सकता है। इसका मतलब है कि आने वाले दिनों में कच्चे तेल की कीमत में तेजी देखने को मिल सकती है। वैसे अमेरिका अपने प्रोडक्शन में लगातार इजाफा करने का प्रयास कर रहा है। आइए आपको भी बताते हैं कि मौजूदा समय में कच्चे तेल की कीमत कितनी हो गई है। वहीं देश के प्रमुख शहरों के लोग कितने रुपए में पेट्रोल और डीजल खरीद रहे हैं?

इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल के दाम मामूली गिरावट पर हैं। आंकड़ों के अनुसार ब्रेंट क्रूड ऑयल 0।30 फीसदी की गिरावट के साथ 82।54 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वैसे करीब दो महीने यानी 15 मार्च के बाद से ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम में 3।30 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत में भी गिरावट देखी गई है।

अप्रैल में खुदरा महंगाई दर घटकर 4.83प्रतिशत हुई

एजेंसी

नई दिल्ली, 13 मई (नवसत्ता)। अप्रैल में रिटेल महंगाई घटकर 4.83प्रतिशत पर आ गई है। यह महंगाई का 11 महीने का निचला स्तर है। जून 2023 में यह 4.81प्रतिशत थी। हालांकि अप्रैल महीने में खाने-पीने की चीजें महंगी हुई हैं। नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस ने सोमवार 13 मई को ये आंकड़े जारी किए हैं। वहीं एक महीने पहले यानी मार्च 2024 में महंगाई की दर 4.85प्रतिशत रही थी। खाद्य महंगाई दर 8.52प्रतिशत से बढ़कर 8.78प्रतिशत पर पहुंच गई है। ग्रामीण महंगाई दर 5.45प्रतिशत से घटकर 5.43प्रतिशत आ गई और शहरी महंगाई दर 4.14प्रतिशत से घटकर 4.11प्रतिशत पर आ गई है। महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर से है। उदाहरण के लिए यदि महंगाई दर 6प्रतिशत है, तो अर्जित किए गए 100 रुपए का मूल्य सिर्फ 94 रुपए होगा। इसलिए महंगाई को देखते हुए

ही निवेश करना चाहिए। नहीं तो आपके पैसे की वैल्यू कम हो जाएगी। महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वे ज्यादा चीजें खरीदेंगे। ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी। इस तरह बाजार महंगाई की चपेट में आ जाता है। सीधे शब्दों में कहें तो बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या चीजों की शॉर्टेज महंगाई का कारण बनता है। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी।

क्या सोने की बढ़ती कीमतें बन रही हैं मुसीबत

एजेंसी

नई दिल्ली, 13 मई (नवसत्ता)। सोने की कीमतें इंटरनेशनल मार्केट में लगातार बढ़ रही हैं। दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 73 हजार के पार पहुंच कर 73510 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई हैं। सुरक्षित निवेश विकल्प की तलाश में निवेशकों ने सेफ हैवन कहे जाने वाले गोल्ड से कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्होंने एक महीने में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) से पिछले महीने यानी अप्रैल में 396 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। जानकारों के मुताबिक प्रॉफिट बुकिंग की वजह से यह निकासी हुई है। इससे पहले मार्च, 2023 में निवेशकों ने गोल्ड ईटीएफ से निकासी की थी। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, इस निकासी के बावजूद अप्रैल के अंत में स्वर्ण कोषों के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां

(एयूएम) पांच प्रतिशत बढ़कर 32,789 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले महीने में 31,224 करोड़ रुपये पर थीं।आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में गोल्ड ईटीएफ से 396 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई, जबकि पिछले महीने में इसमें 373 करोड़ रुपये का प्रवाह हुआ था। आखिरी बार इस परिसंपत्ति वर्ग से शुद्ध निकासी मार्च, 2023 में हुई थी। उस समय गोल्ड ईटीएफ से 266 करोड़ रुपये निकाले गए थे।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के विश्लेषक मेल्विन सैंटारिटा ने कहा, भारतीय रुपये के संदर्भ में सोने ने पिछले वर्ष काफी अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन शेयरों से तुलना की जाए, यह काफी कम है। इस पृष्ठभूमि में गोल्ड ईटीएफ श्रेणी में प्रवाह शेयरों की तुलना में कुछ हद तक कमजोर रहा है।

2023 में गोल्ड ईटीएफ में 2920 करोड़ रुपये का इनफ्लो देखा गया, जबकि 2022 में 459 करोड़ रुपये का इनफ्लो रहा था। बढ़ती महंगाई, ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना और भू-राजनीतिक घटनाओं के कारण सुरक्षित निवेश विकल्प की तलाश में निवेशकों ने सेफ हैवन कहे जाने वाले गोल्ड की ओर रुख किया।

सरकारी कंपनियों ने सिर्फ अप्रैल महीने में खर्च कर डाले 50,200 करोड़ की राशि

एजेंसी

नई दिल्ली, 13 मई (नवसत्ता)। सार्वजनिक क्षेत्र की बड़ी कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष के पहले महीने यानी अप्रैल में अकेले 50,200 करोड़ रुपए से कुछ अधिक का कैपिटल एक्सपेंडिचर किया है। यह 2024-25 के 7.77 लाख करोड़ रुपए के कैपिटल एक्सपेंडिचर लक्ष्य का 6।46 प्रतिशत है। एक अधिकारी ने बताया कि यह पिछले वित्त वर्ष के अप्रैल महीने में खर्च की गई 54,177 करोड़ रुपए की राशि से कम है। पिछले वित्त वर्ष के लिए कैपिटल एक्सपेंडिचर का लक्ष्य 7.42 लाख करोड़ रुपए था। इस तरह अप्रैल में सार्वजनिक क्षेत्र के बड़े उपक्रमों का कैपिटल एक्सपेंडिचर लक्ष्य का 7।3 प्रतिशत रहा था। अधिकारी ने कहा कि आगे चलकर

कैपिटल एक्सपेंडिचर में बढ़ोतरी होगी। इसके अलावा अप्रैल के आंकड़े अभी अस्थायी हैं और संशोधित अंतिम आंकड़ों में यह बढ़ जाएगा। वित्त वर्ष 2024-25 के पहले महीने के दौरान कैपिटल एक्सपेंडिचर में प्रमुख योगदान रेलवे, सड़क और तेल और गैस क्षेत्रों का रहा है। भारतीय रेलवे और क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों ने अप्रैल में 26,641 करोड़ रुपए खर्च किए। इसके बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने 6,645 करोड़ रुपए खर्च किए। तेल और गैस क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों में ओएनजीसी ने चालू वित्त वर्ष के पहले महीने में 2,318 करोड़ रुपए, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने 2,423 करोड़ रुपए खर्च किए। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन ने अप्रैल में क्रमश 1,155 करोड़ रुपए और 417 करोड़ रुपए का कैपिटल एक्सपेंडिचर किया।

बिजली क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम एनटीपीसी ने 2,083 करोड़ रुपए खर्च किये। वित्त मंत्रालय उन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के कैपिटल एक्सपेंडिचर पर नज़र रखता है जिनका वार्षिक निवेश लक्ष्य 100 करोड़ रुपए से अधिक है।

जोमैटो को एक साल में 351 करोड़ रुपए का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली, 13 मई (नवसत्ता)। फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी जोमैटो को वित्त वर्ष 2024 में 351 करोड़ रुपए का कंसॉलिडेटेड मुनाफा हुआ है। पूरे साल का रेवेन्यू यानी आय 12,114 करोड़ रहा है। वित्त वर्ष 2023 में उसे 971 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था और रेवेन्यू 7,079 करोड़ रुपए रहा था।

वहीं 2024 की चौथी तिमाही में कंपनी ने 175 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया है। पिछले साल की समान तिमाही में, जोमैटो को 188 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। ये लगातार चौथी तिमाही है जब कंपनी की कमाई हरे निशान में रही है।

कंपनी का रेवेन्यू भी चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 73प्रतिशत बढ़कर 3,562 करोड़ रुपए हो गया

है। कंपनी का रेवेन्यू ऐसे समय में बढ़ा है, जब ये सेक्टर कम मांग के दबाव से जूझ रहा है। पिछले साल की समान तिमाही में, जोमैटो ने 2,056 करोड़ रुपए का रेवेन्यू दर्ज किया था।

रिजल्ट आने के बाद जोमैटो का शेयर 2.31प्रतिशत गिरकर 196.65 रुपए पर बंद हुआ। बीते 6 महीने में कंपनी का शेयर 63.53प्रतिशत बढ़ा है। वहीं बीते एक साल में कंपनी के शेयर ने 208.71प्रतिशत का रिटर्न दिया है। 15 मई 2023 को जोमैटो 63.70 रुपए पर था।

कंपनियों के रिजल्ट दो भाग में आते हैं- स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड। स्टैंडअलोन में केवल एक यूनिट का वित्तीय प्रदर्शन दिखाया जाता है। जबकि कंसॉलिडेटेड या समेकित फाइनेंशियल रिपोर्ट में पूरी कंपनी की रिपोर्ट दी जाती है।

यहां, जोमैटो की ब्लिंकिट समेत 28 सब्सिडियरी, 1 ट्रस्ट और 1 एसोसिएट कंपनी हैं। इन सभी के फाइनेंशियल रिपोर्ट को मिलाकर कंसॉलिडेटेड कहा जाएगा। वहीं, अगर ब्लिंकिट के अलग रिजल्ट को स्टैंडअलोन कहा जाएगा।

दीपिंदर गोयल और पंकज चड्ढा ने मिलकर साल 2008 में फूडीबे नाम से अपनी फूड डायरेक्टरी वेबसाइट लॉन्च की थी। केवल नौ महीनों में, दिल्ली एनसीआर में सबसे बड़ी रेस्तरां डायरेक्टरी बन गई।

दो सक्सेसफुल साल के बाद 2010 में, कंपनी का नाम बदलकर जोमैटो कर दिया गया। दिल्ली-एनसीआर में अपनी सफलता के तुरंत बाद, कंपनी ने पुणे, अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद जैसे शहरों में ब्रांच फैलाना शुरू कर दिया।

2012 तक, जोमैटो ने श्रीलंका यूएई, कतर, दक्षिण अफ्रीका, यूके और फिलीपींस में अपनी सर्विसेज बढ़ाकर विदेशों में विस्तार करना शुरू कर दिया था। 2013 में न्यूज़ीलैंड, तुर्की और ब्राजील को इस लिस्ट में जोड़ा गया।

जोमैटो देश का पहला फूडटेक यूनिकॉर्न है। 1 बिलियन डॉलर से ज्यादा वैल्यू वाले स्टार्टअप को यूनिकॉर्न कहा जाता है। जोमैटो ने पहली बार फाइनेंशियल ईयर 2024 की पहली तिमाही में 2 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया था।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक सरिता श्रीवास्तव द्वारा आयशा ऑफसेट प्रिन्टर्स, मकान नं।- 166, पिपरौली हवतामऊ मवैया, रायबरेली रोड, लखनऊ उ।प्र से मुद्रित कराकर 806,ब्लाक एफ,बेतवा एपार्टमेंट,सेक्टर 4,गोमती नगर एक्सटेंशन लखनऊ,उप्र से प्रकाशित।
सम्पादक- सरिता श्रीवास्तव- फोन नं-0522-2207090, मो0 नं0- 9415020008 आर0 एन0आई0 नं0 यूपीएचआईएन/2009/28265 'सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा। navsatta@gmail.com

कड़ी चौकसी के बीच सम्पन्न हुआ मतदान

संवाददाता

कन्नौज, 13 मई (नवसत्ता)। कन्नौज लोकसभा सीट पर सुबह 7 बजे से मतदान चल रहा है। शाम 6 बजे तक वोट डाले जाएंगे। शाम 5 बजे तक 59.06प्रतिशत मतदान हो गया है। अखिलेश यादव बूथों पर पहुंचे। यहां सपा नेताओं से वोटिंग के बारे में जाना। उन्होंने कहा- जनता ज्यादा से ज्यादा वोट करें और बेईमानों से देश को बचाएं। भाजपा के लोग चुनाव प्रभावित कर रहे हैं। हमें देखकर भाजपा के कार्यकर्ता भाग गए हैं। छिबरामऊ के वोटरों को धन्यवाद दिया। उधर, भाजपा कार्यकर्ता की पुलिस ने पिटाई कर दी। उसके बाद उन्हें थाने में बंद किया। सूचना मिलते ही भाजपा सांसद सुब्रत पाठक समेत पार्टी के तमाम कार्यकर्ता कोतवाली पहुंच गए। सांसद की पुलिस अफसरों से तीखी झड़प हुई। इस दौरान सीओ सिटी कमलेश कुमार और कोतवाली प्रभारी दिग्विजय सिंह मौजूद थे। पुलिस ने जब भाजपा कार्यकर्ता को छोड़ा उसके बाद मामला शांत हुआ। समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाया है कि कन्नौज में बूथ संख्या-155 पर भाजपा के लोग सपा के कार्यकर्ताओं को धमका रहे हैं। चुनाव आयोग इसका संज्ञान लें, जिससे निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित हो। सौरिख के एक बूथ के बाहर तैनात पुलिस पर सपा के पक्ष में मतदान कराने का आरोप है। विधायक कैलाश राजपूत ने फर्जी वोटिंग का आरोप लगाया है। इस दौरान उन्होंने सिपाहियों को जमकर हड़काया। सिपाहियों को बूथ से हटाने की विधायक ने की मांग की। कई इलाकों में सुबह वोटिंग के बीच बारिश हुई। भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक ने अपनी मां सरोज पाठक और पत्नी नेहा पाठक के साथ वोट डाला। कन्नौज में बीएसपी प्रत्याशी इमरान बिन जफर का आरोप है कि गुरसहायगंज में दलितों को वोट डालने से रोका गया। प्रत्याशी ने इसकी शिकायत एसपी अमित कुमार आनंद से की। एसपी ने बताया, हमने तत्काल थानेदार से प्रकरण की जांच कराई लेकिन ऐसा कुछ नहीं पाया गया। यहां 1519 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। कुल 19 लाख 82 हजार मतदाता हैं। सुरक्षा के लिए 8.5 हजार जवानों को तैनात किया गया है। कन्नौज से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव चुनाव लड़ रहे हैं जबकि भाजपा ने निवर्तमान सांसद सुब्रत पाठक मैदान में हैं। बसपा से इमरान बिन जफर चुनाव लड़ रहे हैं। यहां 15 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। कन्नौज जिले की 3 विधानसभाओं कन्नौज, छिबरामऊ और तिर्वा के लिए अलग-अलग स्थानों से 1519 पोलिंग पार्टियां नियत की गई थी। जिला निर्वाचन अधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ला मतदान पर नजर रखे हुए देखे गए। मतदान प्रक्रिया के दौरान मतदेय स्थलों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था चौकस थी। बीएसएफ, पीएसी और सीआईएसएफ की 17 कम्पनियां तैनात हैं। करीब 900 जवान सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं। चुनाव के दौरान संदिग्ध और सामाजिक तत्वों पर निगरानी के लिए 2700 ड्रोन कैमरों का सहारा लिया जा रहा है। मतदान के दौरान किसी तरह की कोई समस्या उत्पन्न न हो, इसके लिए जिले को 16 जोन और 140 सेक्टर में बांटा गया है।

हाईवे पर सीओ के बेटे पर जानलेवा हमला

संवाददाता

मेरठ, 13 मई (नवसत्ता)। कंकरखेड़ा थानाक्षेत्र में हाईवे पर नशे में धुत कार सवार आधा दर्जन युवकों ने सीओ के बेटे पर अवैध हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। मारपीट के दौरान सीओ के बेटे के कपड़े फट गए। वहीं हमलावारों ने पीड़ित की गाड़ी में जमकर तोड़फोड़ की। मारपीट के दौरान हाइवे पर जाम की स्थिति बन गई। पीड़ित ने थाने पहुंचकर हमलावरों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

पल्लवपुरम थाना क्षेत्र के छठी वाहिनी पीएसी निवासी आर्यमन यादव पुत्र उपेंद्र कुमार यादव ने सोमवार को थाने पर तहरीर देते हुए बताया उसके पिता सीओ के पद पर वर्तमान में छठी वाहिनी पीएससी में तैनात हैं। वही आर्यमन का देहरादून में प्रॉपर्टी का काम है। लेकिन आर्यमन का गाजियाबाद में फ्लैट है।

पीड़ित के अनुसार दोपहर के समय वह अपनी मर्सिडीज गाड़ी से गाजियाबाद फ्लैट पर जा रहा था। इसी बीच कैलाशी अस्पताल से थोड़ा आगे एक कार सवार पांच युवकों ने जबरन उसकी गाड़ी का रास्ता रोक लिया। पीड़ित का आरोप है कि इसी बीच कार सवार हमलावरों ने उसके साथ जमकर गाली गलौज की। जिसका पीड़ित ने विरोध किया। मौका पाकर हमलावरों ने उसे पर अवैध हथियार से हमला कर दिया। वहीं बीच बचाव में आए अन्य लोगों के साथ भी हमलावरों ने अभद्रता व मारपीट की। मारपीट के दौरान हाइवे पर जाम की स्थिति बन गई।

हमलावरों ने पीड़ित की गाड़ी आगे व पीछे से पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दी। गाड़ी का पिछला शीशा पूरी तरह टूट गया। लोगों की भीड़ इकट्ठी होती देख हमलावर जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।

मारपीट के दौरान पीड़ित के अंदरूनी चोटे लगी। सूचना पर डायल 112 मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मामले की जांच की। पीड़ित ने एक आरोपी को नामजद व हमलावरों की कार के नंबर के आधार पर थाने पर तहरीर दी। थाना प्रभारी विष्णु कौशिक का कहना है की तहरीर मिल गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ दबिश दी जा रही है। हमलावरों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

तीस रेलकर्मियों का एक दल हिमांचल प्रदेश रवाना

संवाददाता

गोरखपुर, 13 मई (नवसत्ता)। पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ, नरसाद्ध के तत्त्वावधान में 30 रेलकर्मियों का एक दल चन्द्रखानी पासए हिमांचल प्रदेश के टेऊकिंग हेतु आज दिनांक 13 मई को रवाना हुआ। पूर्वोत्तर रेलवे की महाप्रबन्धक एवं संरक्षकध्नरसा सौम्या माथुर ने टेऊकिंग दल को अपनी शुभकामनायें देते हुये कहा कि इस अभियान से रेलकर्मियों के शारीरिक दक्षता में सुधारए आपसी सामान्जस्य एवं टीम भावना बलवती होती है एवं ऐसे अभियान मिलजुलकर कार्य करने जैसे मानवीय गुणों को सुदृढ़ करते हैं। माथुर ने टीम का उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि इस अभियान में शामिल रेलकर्मियों को कठिन परिस्थिति एवं कम संसाधनों में जीवन्तता तथा निर्वाह करने का धैर्य एवं हौसला आयेगा। माथुर ने प्रतिभागियों की दृढ़ इच्छाशक्ति एवं आत्मविश्वास की सराहना करते हुये उन्हें इस साहसिक अभियान में पूर्ण सफलता मिलने की कामना की तथा महिला प्रतिभागियों के इस अभियान में शामिल होने पर विशेष प्रसन्नता व्यक्त की।

इस अवसर पर अपर महाप्रबन्धक डीण्केण्सिंह ने कहा कि ऐसे अभियान राष्ट्रीय एकता की दृष्टि में भी महत्वपूर्ण होते हैंए क्योंकि लोगों को विभिन्न संस्कृति एवं सामाजिक रीति.रिवाजों से परिचित होने का अवसर मिलता है एवं उनकी समझ व्यापक होती है। पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के अध्यक्ष श्री श्रीश श्रीवास्तव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा देने वाले ऐसे अभियान आयोजित करने में पूर्वोत्तर रेलवे अग्रणी रहा है। इसमें शामिल प्रतिभागियों को अभियान का अनुभव जीवन पर्यन्त यादगार रहता है।

पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के महामंत्री एवं मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने टेऊकिंग दल के सदस्यों का महाप्रबन्धक से परिचय कराते हुये अभियान में बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा अभियान के सफलता की कामना की।

उल्लेखनीय है कि इस 30 सदस्यीय टेऊकिंग दल में 05 महिलाकर्मियों सहित श्रेणी.ए एवं बी के अधिकारी तथा श्रेणी.सी एवं डी के कर्मचारी सम्मिलित हैं।

छह हजार बच्चों ने बनाई वृहद मानव श्रृंखला

संवाददाता

मऊ, 13 मई (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत में वृद्धि को लेकर सोमवार को डा. भीमराव आंबेडकर स्टेडियम में लगभग छह हजार छात्र-छात्राओं ने भारत का नक्शा बना मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को मतदान के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण मिश्र ने दीप प्रज्वलन कर किया। जिसके बाद सोनी धापा बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं ने स्वागत गीत एवं मतदाता जागरूकता संबंधित गीतों के माध्यम से संदेश दिए गए। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी रश्मि सिंह ने उपस्थित लोगों एवं छात्र-छात्राओं को मतदान हेतु शपथ भी दिलाया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने घोसी लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया में भाग लेने की अपील किया। खासकर महिला, दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं को लोकतंत्र के उत्सव में भागीदारी पर जोर दिया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत नागर, जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र गुप्ता, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद दिनेश यादव, डीएवी इंटर कॉलेज के प्राचार्य देव भास्कर सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

प्रॉपर्टी डीलर पर रॉड से किए ताबड़तोड़ वार, चेहरे की हड्डी टूटी

संवाददाता

मेरठ, 13 मई (नवसत्ता)। मेरठ के गंगानगर में अम्हेड़ा रोड कसेरूबक्सर में तेरहवीं की रस्म में शामिल होने गए प्रॉपर्टी डीलर प्रताप सिंह बैंसला (45) पर एक युवक ने रॉड से ताबड़तोड़ वार कर दिए। इससे वह जमीन पर गिर गए। आरोपी घटना को अंजाम देकर प्राइवेट बस में सवार होकर मवाना की ओर फरार हो गया। वहीं, गंभीर हालत में घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रताप सिंह के परिजनों ने अज्ञात में तहरीर दी है। घटना का वीडियो भी वायरल हुआ है। गंगानगर थाना क्षेत्र के कसेरूबक्सर निवासी प्रताप सिंह बैंसला किसान और प्रॉपर्टी डीलर हैं। उनके पिता के नाम से कसेरूबक्सर में तेजपाल मार्केट भी है। रविवार दोपहर प्रताप सिंह धीर सिंह के यहां तेरहवीं रस्म में शामिल होने गए थे। इसके बाद स्कूटी पर घर के लिए चले थे। टेंट से 20 कदम की दूरी पर ही एक युवक ने प्रताप के सिर पर रॉड से कई वार कर दिए। इससे वह स्कूटी से नीचे गिर गए, आसपास के लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले ही आरोपी चला गया। बाद में आरोपी युवक कुछ कदम की दूरी पर स्थित बक्सर चौराहे से मवाना की ओर जा रही प्राइवेट बस में सवार होकर फरार हो गया। आसपास के लोगों ने परिचितों की मदद से प्रताप सिंह को डिवाइडर रोड स्थित दिव्य ज्योति अस्पताल में भर्ती कराया। उन्हें आईसीयू में रखा गया है। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक, प्रताप के चेहरे की हड्डी टूट गई है। वहीं, घटना का पता चलने पर अस्पताल के बाहर लोगों की भीड़ जुट गई। गंगानगर पुलिस मौके पर पहुंची और पूछताछ की। सीओ सदर देहात नवीना शुक्ला के मुताबिक, परिजनों ने तहरीर दी है। वीडियो के आधार पर आरोपी की पहचान की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। शाम को महापौर हरिकांत अहलूवालिया अस्पताल में पहुंचे। यहां उन्होंने आईसीयू में भर्ती घायल प्रताप सिंह से मुलाकात की और उनका हाल जाना। उन्होंने घटना के बारे में भी परिजनों से बातचीत की। घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी में आरोपी युवक के वहां आने से लेकर हमला करने व बस में बैठकर फरार होने की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज कुछ लोगों के पास आ गई। पुलिस ने लोगों से वीडियो वायरल करने से रोकने का प्रयास भी किया। घटना को अंजाम देकर आरोपी जिस हरे रंग की बस में फरार हुआ, परिजन उसकी भूमिका संदिग्ध मान रहे हैं।

पटाखा फैक्ट्री में लगी आग, तेज धमाके से सहमें लोग

संवाददाता

गोरखपुर, 13 मई (नवसत्ता)। पिपराइच इलाके के जंगल धूसड़ में सोमवार की सुबह नौ बजे पटाखा फैक्टरी में तेज धमाके के साथ भीषण आग लग गई। धमाका होते ही फैक्टरी की छत उड़ने के साथ दीवार गिर गई। पूरी फैक्टरी आग की लपटों में घिर गई। यहां काम करने वाला अन्य कारीगर व महिलाओं ने किसी तरह भागकर जान बचाई। वहीं फैक्टरी संचालक का बेटा, घटना का कारण समझने दूसरे कमरे की तरफ गया जहां गंभीर रूप से झुलस गया। घटना की सूचना मिलते ही पिपराइच पुलिस और फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पहुंचकर आग बुझाने में जुट गई। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। पुलिस घटना की वजह जानने के लिए जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, पिपराइच इलाके के हसनगंज निवासी अब्बास अली की घर से थोड़ी दूर जंगल धूसड़ में जमीन और मकान है। वह शहर के तिवारीपुर इलाके के इलाहीबाग निवासी अब्दुल्ला को किराए पर दिये है। अब्दुल्ला 16 वर्षों से बुढ़ऊ चाचा के नाम से पटाखा की फैक्टरी चलाते हैं। फैक्टरी की देखभाल उनका बेटा मेराज करता है। सोमवार की सुबह नौ बजे मेराज पहुंचा और कुछ महिलाओं के साथ टीन शेड के कमरे में पटाखा बनाना शुरू किया। इसी दौरान बगल में पटाखा रखे कमरे में विस्फोट होने लगा। मेराज पहुंचा और दरवाजा खोला तो आग की चपेट में आने से जख्मी हो गया। जबकि, काम कर रही महिलाएं और वहां से दूर भाग गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घायल को मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती कराया है। फायर ब्रिगेड की टीम लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। पटाखा फैक्टरी में आग लगने की सूचना पर मौके पर पहुंचे एसपी उत्तरी जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आग कैसे लगी, इसके कारण का पता लगाया जा रहा है। दरअसल, कोतवाली इलाके के बेनीगंज के रहने वाले स्व. जियाउल्लाह उर्फ बुढ़ऊ चाचा पटाखे वाले के बेटे अब्दुल्ला उर्फ टिंकू की पिपराइच इलाके के जंगल धूसड़ स्थित पटाखा फैक्ट्री है। यह फैक्टरी यहां करीब 16 साल से चल रही है।

जबकि, तरंग क्रासिंग पर इनकी पटाखा की दुकान भी है। पुलिस के अनुसार दिसंबर 2023 तक पटाखा फैक्ट्री का रजिस्ट्रेशन का रिकार्ड थाने पर मिला है। वर्तमान स्थित का पता पुलिस लगाने में जुटी है। आसपास के लोगों के मुताबिक, इसी फैक्ट्री में करीब तीन साल पहले भी आग लगी थी। दोपहर के वक्त मजदूर काम कर रहे थे। तभी वहां रखे बारूद की ढेर में आग लग गई। हालांकि, उस वक्त कोई घायल नहीं हुआ था और समय रहते आग पर काबू पा लिया गया था। बावजूद इसके फैक्ट्री में कर्मचारियों के लिए फायर सुरक्षा नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। शायद यही वजह है कि एक बार फिर इस फैक्ट्री में आग लग गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि अब तक इसमें तीन बार आग लगने की घटना हो चुकी है।जंगल धूसड़ में पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से लोगों ने बताया कि दो घंटे तक लगातार पटाखे की आवाज लगभग तीन किलोमीटर दूर तक सुनाई देता रहा। जिससे आसपास के गांव वाले दहशत में आ गए। वही घटना की जानकारी होते ही पटाखा फैक्ट्री के पास हजारों लोगों की भीड़ जुट गई। पटाखे की आवाज से बगल में एक मकान की खिड़की का शीशा टूट गया।